

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :16 । अंक: 67 । पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, 03 नवम्बर 2026(मंगलवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

विदेशी ताकतों के मुद्दे पर राहुल गांधी और भाजपा आमने-सामने

राहुल का आरोप-विदेशी मदद से प्रधानमंत्री बने मोदी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। विदेशी ताकतों और देश में कथित अस्थिरता फैलाने के मुद्दे पर कांग्रेस और भाजपा के बीच राजनीतिक टकराव तेज हो गया है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोमवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी विदेशी मदद से प्रधानमंत्री बने और उसी मदद के सहारे पद पर बने हुए हैं। दूसरी ओर, भाजपा देशभर में 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान चला रही है। इसी क्रम में भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने कोलकाता में आयोजित रैली में राहुल गांधी पर गंभीर आरोप लगाए। नितिन नवीन ने कहा कि विदेशी ताकतें भारत में अस्थिरता पैदा करना चाहती हैं और इसके लिए राहुल गांधी का इस्तेमाल किया जा रहा है। उन्होंने राहुल को उन ताकतों की 'टूलकिट' बताया, जिन पर नेपाल और अन्य पड़ोसी देशों में अशांति फैलाने का आरोप है। नवीन ने कहा कि राहुल के पास देश के विकास को लेकर कोई स्पष्ट दृष्टिकोण नहीं है और कांग्रेस की स्थिति के लिए भी वे जिम्मेदार होंगे। उन्होंने पश्चिम बंगाल की राजनीति का उल्लेख करते हुए कहा कि विधानसभा चुनाव के दौरान राहुल गांधी ने ममता बनर्जी सरकार के भ्रष्टाचार और कुशासन पर सवाल उठाए थे, लेकिन अब दोनों नेता एक मंच पर दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने चुनाव आयोग पर लगाए जा रहे विपक्ष के आरोपों पर भी सवाल उठाए। इधर, दिल्ली के रामलीला मैदान में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के विरोध में आयोजित रैली में राहुल गांधी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव प्रक्रिया के जरिए जनता की आवाज दबाने की कोशिश हो रही है। राहुल ने कहा कि यह प्रदर्शन किसी एक दल या नेता का नहीं, बल्कि संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए देश की आवाज है। उन्होंने कहा कि विपक्ष नफरत नहीं, बल्कि मोहब्बत फैलाने में विश्वास रखता है। दोनों दलों के नेताओं के इन बयानों से विदेशी हस्तक्षेप, चुनाव प्रक्रिया और लोकतांत्रिक संस्थाओं की भूमिका को लेकर राजनीतिक बहस और तेज हो गई है।



महाराष्ट्र का सबसे काला सच

नंदुरबार के नवापुर में 'डी-कंपनी' और खाकी की मिलीभगत से चल रहा है देश का सबसे बड़ा जुआ, ड्रग्स और जिस्मफरोशी का मिनी अंडरवर्ल्ड!

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन



नंदुरबार / मुंबई। महाराष्ट्र की सीमा पर स्थित नंदुरबार जिले का नवापुर इलाका अब कानून, संविधान और राज्य सरकार के नियंत्रण से पूरी तरह बाहर हो चुका है। यहाँ खाकी वर्दी की ओट में अपराध का एक ऐसा साम्राज्य खड़ा कर दिया गया है, जिसे देखकर अच्छे-अच्छे सूरमाओं के भी रोंगटे खड़े हो जाएंगे। नवी आरटीओ के पास, उर्वशी होटल के पीछे बिदखिपाड़ा गांव में चल रहा यह अवैध धंधा अब तक का सबसे बड़ा और खौफनाक जुआ अड्डा बन चुका है, जिसके तार सीधे अंडरवर्ल्ड से जुड़े हैं!

'लकड़कोट का पप्पू गोस्वामी', डॉन रईस शेख और सूरज जायसवाल: डी-कंपनी के इशारे पर चलता है पूरा खेल

सूत्रों से मिली बेहद विस्फोटक और सनसनीखेज जानकारी के अनुसार, इस पूरे महा-साम्राज्य का संचालन लकड़कोट का पप्पू गोस्वामी, नवापुर का डॉन रईस शेख और सूरज जायसवाल जैसे कुख्यात अपराधी मिलकर कर रहे हैं। इस काले कारोबार के पीछे किसी और की नहीं, बल्कि देश के सबसे बड़े दुश्मन सिंडिकेट 'डी-कंपनी' की सीधी भागीदारी और नियंत्रण है। यह अड्डा सिर्फ एक जुआ घर नहीं है, बल्कि यह मुंबई और देश भर के अपराधियों का सुरक्षित ठिकाना बन चुका है। हर रात महाराष्ट्र, गुजरात, दमन और मध्य प्रदेश से लगभग 150 से अधिक हाई-प्रोफाइल लोग और शातिर जुआरी यहाँ पहुंचते हैं, जिनमें से ज्यादातर मोस्ट वांटेड क्रिमिनल होते हैं। इस शेड के अंदर रोज करोड़ों रुपये दांव पर लगते हैं और हार-जीत का यह खेल सुबह तक बेखौफ चलता है।

जुए के साथ-साथ एमडी ड्रग्स और जिस्मफरोशी का नग्न नाच

इस अड्डे की काली करतूतें सिर्फ जुए तक सीमित नहीं हैं। यहाँ आने वाले शातिरों के लिए अय्याशी का पूरा इंतजाम किया जाता है:

एमडी ड्रग्स का जहर: डी-कंपनी इस अड्डे के जरिए अपना ड्रग्स नेटवर्क चला रही है और युवाओं की रगों में जहर घोला जा रहा है।

जिस्मफरोशी का धंधा: जुआरियों और अपराधियों की महफिलों में बाहर से लाई गई लड़कियों को परोसा जाता है, जिससे स्थानीय समाज पूरी तरह खोखला हो रहा है।

शराब तस्करी: महाराष्ट्र से गुजरात और गुजरात से बेरोकटोक अवैध अंग्रेजी शराब तथा गुटखे की सप्लाई इसी रास्ते से हो रही है।

खाकी की खुली दलाली: LCB, नवापुर PI से लेकर SP और IG तक पहुँचता है 'महीने का हफ्ता'!

सवाल यह उठता है कि आखिर प्रशासन की नाक के नीचे इतना बड़ा साम्राज्य कैसे फल-फूल रहा है? इसका जवाब भ्रष्टाचार की वह काली दीवार है जिसने पूरी व्यवस्था को अंदर से सड़ा दिया है:

एलसीबी की वसूली: स्थानीय लोकल क्राइम ब्रांच हर रोज 1 लाख की सीधी वसूली करती है।

नवापुर PI की तिजोरी: थाने का पुलिस इंस्पेक्टर इस अवैध धंधे से लाखों रुपये महीने का हफ्ता वसूल रहा है।

एसपी और रेंज आईजी की सरपरस्ती: सूत्रों का दावा है कि इस पूरे खेल का मोटा हिस्सा जिले की एसपी और रेंज आईजी तक भी नियमित रूप से पहुंचाया जाता है। हाल यह है कि जब भी मीडिया में इन मामलों की भनक लगती है, तो पुलिस विभाग के भीतर बैठा एक खास गिरोह तुरंत जुआ संचालकों को लीक दे देता है कि 'जगह बदल दो, रेड होने वाली है!' और फिर कुछ ही घंटों में धंधा फिर से शुरू हो जाता है। पैसों की अंधी हवस में इन जिम्मेदार अधिकारियों ने अपनी आईपीएस की शपथ और कर्तव्य को ताक पर रख दिया है और अकूत बेनामी संपत्तियां खड़ी कर ली हैं।

शासन को खुली चुनौती और महानगर मेट्रो की सिंहगर्जना: अब सिस्टम का हिलना तय!

नवापुर की इन भ्रष्ट और बिकाऊ अधिकारियों ने राज्य के मुख्यमंत्री और गृह मंत्री के आदेशों को खुली चुनौती दे दी है। वे खुलेआम यह संदेश दे रहे हैं कि 'चाहे कुछ भी हो जाए, यह अड्डा बंद नहीं होगा!'

'महानगर मेट्रो' की इस घातक और विस्फोटक रिपोर्ट के बाद अब पूरा सिस्टम हिलना तय है। हमारी सीधी और सख्त मांग है कि: राज्य के डीजीपी तत्काल इस मामले का स्वतः संज्ञान लें और भ्रष्टाचार के इस दलदल की उच्चस्तरीय जांच बिठाएं। एसीबी तुरंत मैदान में उतरे और नवापुर PI, LCB और जिले की एसपी तथा रेंज आईजी की संपत्तियों की जांच कर उन्हें बेनकाब करे। इस अवैध अड्डे पर तत्काल प्रभाव से बुलडोजर चलाया जाए और तमाम आरोपियों को सलाखों के पीछे भेजा जाए। यदि नवापुर थाने के क्षेत्र में कल को कोई बड़ी अनहोनी या आपराधिक घटना घटती है, तो उसकी पूरी जिम्मेदारी राज्य के मुख्यमंत्री और पुलिस प्रशासन की होगी। जनता का सब्र अब टूट चुका है, और अब न्याय के लिए सड़क पर उतरने का वक्त आ गया है।

रिलायंस के शेयर में 6 साल की सबसे बड़ी उछाल, एक दिन में 12% चढ़ा भाव

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के शेयरों में सोमवार, 2 नवंबर को जोरदार तेजी देखने को मिली। कंपनी का शेयर करीब 12 प्रतिशत उछलकर 1,300 रुपये के दिन के उच्चतम स्तर पर बंद हुआ। अप्रैल 2020 के बाद यह एक कारोबारी दिन में दर्ज की गई सबसे बड़ी तेजी है। कंपनी के दूसरी तिमाही के रिकॉर्ड वित्तीय नतीजों और विभिन्न ब्रोकरेज कंपनियों की सकारात्मक प्रतिक्रियाओं को इस उछाल की प्रमुख वजह माना जा रहा है। कारोबार के दौरान रिलायंस का शेयर बीएसई और एनएसई, दोनों पर सबसे अधिक कारोबार वाले शेयरों में शामिल रहा। इसने निफ्टी-50 में सबसे ज्यादा बढ़त दर्ज करने के साथ ही प्रमुख सूचकांक को ऊपर ले जाने में भी बड़ी भूमिका निभाई। शेयरों में आई इस तेजी का सीधा असर कंपनी के बाजार मूल्यांकन पर पड़ा। मुकेश अंबानी के नेतृत्व वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण बढ़कर 17.59 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गया। एक ही कारोबारी दिन में कंपनी के बाजार मूल्यांकन में करीब 2 लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी दर्ज की गई। रिलायंस के शेयरों में आई तेजी ने पूरे शेयर बाजार को मजबूती दी। कारोबार समाप्त होने पर बीएसई सेंसेक्स 1,233 अंक यानी 1.7 प्रतिशत की बढ़त के साथ 75,693 अंक पर बंद हुआ। वहीं, एनएसई निफ्टी 388 अंक चढ़कर 23,441 के स्तर पर पहुंच गया। कंपनी के मजबूत प्रदर्शन और निवेशकों की खरीदारी ने बाजार में सकारात्मक माहौल बनाने में अहम योगदान दिया।

दिवाली पर जयपुर के परकोटे में 6 से 9 नवंबर तक शाम 6 बजे से यातायात बंद

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। दिवाली पर बाजारों में खरीदारी और रोशनी देखने उमड़ने वाली भीड़ को देखते हुए यातायात पुलिस ने विशेष व्यवस्था की है। 6 से 9 नवंबर तक परकोटा क्षेत्र के कई मार्गों पर शाम 6 बजे से वाहनों का प्रवेश बंद रहेगा। इसके अलावा 8 स्थानों पर वाहन-मुक्त क्षेत्र बनाए जाएंगे और प्रमुख बाजारों की सड़कों पर पार्किंग नहीं होगी। पुलिस ने अलग-अलग दिशाओं से आने वाले लोगों के लिए पार्किंग स्थल तय किए हैं। झोटवाड़ा और स्टेशन रोड की ओर से आने वाले लोग चांदपोल अनाज मंडी में वाहन खड़ा कर मेट्रो से परकोटे पहुंच सकेंगे। वहीं सीकर रोड, अजमेर रोड और मानसरोवर की ओर से आने वालों को नजदीकी मेट्रो पार्किंग का उपयोग करने की सलाह दी गई है। चांदपोल, अजमेरी, सांगानेरी और घाटगेट से आने वाले वाहनों के लिए अलग-अलग वैकल्पिक मार्ग निर्धारित किए गए हैं। इन मार्गों से वाहन त्रिपोलिया बाजार, चौड़ा रास्ता, न्यू गेट और रामनिवास बाग होते हुए टोंक रोड व जेएलएन मार्ग की ओर जा सकेंगे। पुलिस ने लोगों से यातायात व्यवस्था का पालन करने और बाजारों में पैदल आवागमन को प्राथमिकता देने की अपील की है।



एमबीबीएस सीट मिलने के कुछ घंटे बाद नीट छात्रा ने खुद को गोली मारी, प्रयागराज में सनसनी

तीसरे दौर की काउंसिलिंग में मिला था सरकारी मेडिकल कॉलेज, पुलिस ने मौत को संदिग्ध मानते हुए जांच तेज की

महानगर मेट्रो ब्यूरो


रितु शर्मा, मृतक छात्रा

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में 18 वर्षीय नीट छात्रा की मौत ने पूरे शहर को झकझोर दिया। तीसरे दौर की नीट काउंसिलिंग में सरकारी मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस सीट मिलने के कुछ ही घंटे बाद छात्रा ने कथित तौर पर खुद को गोली मार ली। घटना झूंसी थाना क्षेत्र के त्रिवेणीपुरम स्थित गंगा सेक्टर की है। पुलिस ने मामले को संदिग्ध मानते हुए पोस्टमार्टम, फोरेंसिक जांच और अन्य साक्ष्यों के आधार पर हर पहलू की पड़ताल शुरू कर दी है। मृतका रितु शर्मा एक रिटायर्ड एनएचएआई इंजीनियर डॉ. देवराज शर्मा की बेटी थी। उसने प्रयागराज के डीपीएस से इंटरमीडिएट करने के बाद नीट की तैयारी की थी। सोमवार शाम करीब साढ़े चार बजे घोषित तीसरे दौर की काउंसिलिंग में उसे ईडब्ल्यूएस-दिव्यांग (ईडब्ल्यूपीएच) श्रेणी के तहत सोनभद्र के सरकारी मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस सीट आवंटित हुई थी। परिवार के लिए यह खुशी का पल था, लेकिन कुछ ही देर बाद यह खुशी मातम में बदल गई। पुलिस के अनुसार, सोमवार शाम करीब सात बजे रितु अपने कमरे में गई और दरवाजा बंद कर लिया। कुछ देर बाद गोली चलने की आवाज सुनकर माता-पिता कमरे की ओर पहुंचे तो वह फर्श पर गंभीर रूप से घायल पड़ी थी। पास में पिस्टल भी मिली। सूचना मिलते ही पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और कमरे से महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाए। प्रारंभिक पूछताछ में परिजनों ने बताया कि रितु पिछले कुछ समय से मानसिक तनाव में थी। हालांकि, पुलिस को घटना के कई पहलू संदिग्ध लग रहे हैं। सहायक पुलिस आयुक्त ने कहा कि घर के भीतर गोली चलने जैसी घटना का देर से पता चलना जांच का विषय है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और फोरेंसिक जांच के बाद ही मौत की परिस्थितियां स्पष्ट हो सकेंगी। रितु का जुड़वां भाई ऋषिराज देहरादून में बीटेक की पढ़ाई कर रहा है। छह वर्ष पहले परिवार गाजीपुर से प्रयागराज आकर त्रिवेणीपुरम में बस गया था। अब पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि आखिर सरकारी मेडिकल कॉलेज में चयन होने के बावजूद छात्रा ने यह कदम क्यों उठाया। घटना ने प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं पर बढ़ते मानसिक दबाव और परिवारों के बीच चिंता की नई चर्चा छेड़ दी है।

आंध्र प्रदेश के तट से आज रात टकरा सकता है तूफान मुरासु, 110 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलेंगी हवाएं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अमरावती। बंगाल की खाड़ी से उठा चक्रवाती तूफान मुरासु आंध्र प्रदेश के तट की ओर तेजी से बढ़ रहा है। मौसम विभाग के अनुमान के अनुसार, यह तूफान सोमवार रात 11:30 बजे से मंगलवार सुबह 4 बजे के बीच नेल्लोर और नरसापुर के मध्य तट से टकरा सकता है। इस दौरान हवाओं की रफ्तार 100 से 110 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंचने की आशंका है। तूफान के खतरे को देखते हुए तटीय राज्यों में सतर्कता बढ़ा दी गई है और राहत एवं बचाव दलों को मोर्चे पर तैनात किया गया है। चक्रवात का असर आंध्र प्रदेश, ओडिशा और तमिलनाडु में दिखाई देने लगा है। आंध्र प्रदेश के नेल्लोर स्थित मयपाडु समुद्र तट पर ऊंची लहरें उठ रही हैं और तेज हवाएं चल रही हैं। हालात को देखते हुए राज्य के तीन हवाई अड्डों से संचालित होने वाली 19 उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। यात्रियों को अपनी उड़ानों की स्थिति की जानकारी लेकर ही हवाई अड्डे पहुंचने की सलाह दी गई है। तूफान से निपटने के लिए पांच राज्यों में राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की 37 टीमें तैनात की गई हैं। इनमें से 13 टीमें आंध्र प्रदेश में राहत और बचाव कार्यों के लिए लगाई गई हैं। प्रशासन तटीय इलाकों में हालात पर लगातार नजर बनाए हुए है। तमिलनाडु में भी चक्रवात का असर तेज हो गया है। चेन्नई, चेंगलपट्टू और तिरुवल्लूर में रविवार रात से लगातार बारिश हो रही है। भारी बारिश की आशंका को देखते हुए चेन्नई में स्कूल बंद कर दिए गए हैं। वहीं, ओडिशा सरकार ने गंजाम, गजपति, रायगड़ा, कोरापुट और मलकानगिरी जिलों में लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने का अभियान तेज कर दिया है। मौसम के इस बदलाव का असर मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, केरल, तेलंगाना, कर्नाटक और महाराष्ट्र तक पहुंचने की आशंका है।

दीपावली की खरीदारी से इंदौर की सड़कों पर लगा जाम, कई इलाकों में वाहन रेंगते नजर आए

महानगर मेट्रो ब्यूरो



इंदौर। दीपावली की खरीदारी के लिए सोमवार को बड़ी संख्या में लोग बाजारों में पहुंचे। इसके चलते शहर के प्रमुख बाजारों और आसपास की सड़कों पर यातायात का दबाव बढ़ गया। पोलो ग्राउंड, बाणगंगा, भंडारी मिल तिराहा और जंजीरवाला चौराहे सहित कई इलाकों में जाम लगने से वाहन चालकों और राहगीरों को परेशानी उठानी पड़ी। शाम के समय बाजारों की ओर वाहनों की संख्या बढ़ने से कई मार्गों पर यातायात की रफ्तार धीमी पड़ गई। कुछ स्थानों पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और लोगों को कम दूरी तय करने में भी काफी समय लगा। जंजीरवाला चौराहे पर अलग-अलग दिशाओं से आने वाले वाहनों के कारण बार-बार जाम की स्थिति बनी, जबकि पोलो ग्राउंड और बाणगंगा क्षेत्र में भी वाहन रेंगते नजर आए। दीपावली के मद्देनजर लोग कपड़े, सजावटी सामान, पूजन सामग्री, मिठाई और अन्य जरूरी वस्तुओं की खरीदारी के लिए बाजारों का रुख कर रहे हैं। त्योहार नजदीक आने के साथ बाजारों में भीड़ और बढ़ने की संभावना है। इसका असर शहर की यातायात व्यवस्था पर भी पड़ सकता है।

कुलदीप यादव को नहीं खिलाने पर भड़के वेंकटपति राजू

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड दौरे पर भारतीय टीम के प्रदर्शन को लेकर सवाल उठने लगे हैं। पांच मैचों की टी-20 श्रृंखला में शुरुआती तीन मुकाबले जीतकर बढ़त बनाने वाली टीम इंडिया को आखिरी दो मैचों में करारी हार का सामना करना पड़ा। इस दौरान टीम के एकमात्र विशेषज्ञ स्पिनर कुलदीप यादव को एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला। पूर्व भारतीय क्रिकेटर वेंकटपति राजू ने इस फैसले पर हैरानी जताते हुए कप्तान और कोच की रणनीति पर सवाल उठाए हैं। न्यूजीलैंड ने चौथे टी-20 मुकाबले में 259 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। वहीं, पांचवें मैच में भी भारतीय गेंदबाज प्रभाव नहीं छोड़ सके। मेजबान टीम ने 195 रन का लक्ष्य 18 ओवर में केवल तीन विकेट गंवाकर हासिल कर लिया। लगातार दो मुकाबलों में गेंदबाजों के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद कप्तान ने भी गेंदबाजी इकाई की आलोचना की थी। पूर्व स्पिनर वेंकटपति राजू का मानना है कि कुलदीप यादव जैसे अनुभवी स्पिनर को पूरी श्रृंखला में बाहर रखना हैरान करने वाला फैसला है।

अनुराग कश्यप के खिलाफ सूरत अदालत ने जारी किया वारंट, 24 दिसंबर को अगली सुनवाई

महानगर मेट्रो ब्यूरो



सूरत। सोशल मीडिया पर ब्राह्मण समुदाय के खिलाफ कथित आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले में फिल्म निर्देशक अनुराग कश्यप की मुश्किलें बढ़ गई हैं। सूरत की एक अदालत ने बार-बार समन जारी होने और अखबार में सार्वजनिक नोटिस प्रकाशित होने के बावजूद अदालत में पेश नहीं होने पर उनके खिलाफ वारंट जारी किया है। मामले के अनुसार, पिछले साल अनुराग कश्यप के सोशल मीडिया खाते पर समुदाय के खिलाफ कथित आपत्तिजनक बयान दिए जाने को लेकर सूरत की अदालत में शिकायत दर्ज कराई गई थी। अदालत ने उन्हें समन भेजा, लेकिन वे सुनवाई में उपस्थित नहीं हुए। इसके बाद 5 सितंबर को मुंबई के एक अखबार में सार्वजनिक समन प्रकाशित कराया गया। इसके बावजूद पेश नहीं होने पर अदालत ने वारंट जारी करते हुए अगली सुनवाई 24 दिसंबर तय की है।

राम-कृष्ण की तुलना पर धीरेंद्र शास्त्री घिरे, भूपेश बघेल ने कसा तंज

कहा- देवी-देवताओं की खिल्ली उड़ा रहे ढोंगी बाबा

महानगर मेट्रो ब्यूरो



रायपुर। कथावाचक पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के भगवान श्रीराम और श्रीकृष्ण को लेकर दिए गए बयान पर विवाद गहराता जा रहा है। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इस मामले में शास्त्री पर तीखा तंज कसते हुए उनकी टिप्पणी को लेकर सवाल उठाए हैं। वहीं, मथुरा के साधु-संतों ने भी नाराजगी जताते हुए उनसे सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की है। भूपेश बघेल ने फेसबुक पर पोस्ट कर लिखा, 'कोई तो केमिकल लोचा है। इनकी रेबीज वगैरह की जांच करवाना ठीक होगा।' उन्होंने आगे आरोप लगाया कि हिंदू धर्म की बातें करने वाले शास्त्री अब हिंदुओं के आराध्य देवी-देवताओं की खिल्ली उड़ा रहे हैं। बघेल ने यह भी सवाल उठाया कि इस मामले में हिंदू धर्म के ठेकेदारों की भावनाएं क्यों आहत नहीं हो रही हैं। दरअसल, मध्यप्रदेश के शिवपुरी में श्रीराम कथा के दौरान धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने भगवान श्रीराम और श्रीकृष्ण की मुद्राओं का उल्लेख करते हुए तुलना की थी। उन्होंने कहा था कि श्रीकृष्ण की मुद्रा तीन जगह से टेढ़ी होती है, जबकि भगवान श्रीराम सीधे खड़े होते हैं। इसके साथ ही अयोध्या और वृंदावन को लेकर की गई उनकी टिप्पणी का वीडियो सामने आने के बाद विवाद शुरू हो गया। मथुरा के साधु-संतों की नाराजगी और माफी की मांग के बाद शास्त्री ने वीडियो जारी कर सफाई दी। उन्होंने कहा कि उनकी बात का गलत अर्थ निकाला गया है और भगवान श्रीराम तथा श्रीकृष्ण में भेद करने का उनका कोई इरादा नहीं था। उन्होंने कहा कि दोनों एक ही हैं और उनमें कोई अंतर नहीं है। जब भूपेश बघेल और धीरेंद्र शास्त्री के बीच बयानबाजी हुई हो। वर्ष 2025 में भी बघेल ने शास्त्री पर अंधविश्वास फैलाने का आरोप लगाया था। इसके जवाब में शास्त्री ने कहा था कि यदि हिंदू समाज को जोड़ना अंधविश्वास है तो ऐसे लोगों को देश छोड़ देना चाहिए। बाद में बघेल ने पलटवार करते हुए कहा था कि वे शास्त्री के जन्म से पहले से हनुमान चालीसा पढ़ रहे हैं और उन्हें भाजपा का एजेंट भी बताया था।

अहमदाबाद में क्राइम ब्रांच का बड़ा अभियान, 61 बांग्लादेशी नागरिक हिरासत में

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। दिवाली के त्योहार से पहले अहमदाबाद में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के उद्देश्य से क्राइम ब्रांच ने बड़ा जांच अभियान चलाया। इस दौरान भारत में कथित तौर पर अवैध रूप से रह रहे 61 बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लिया गया। पुलिस ने इनके पास भारत में रहने से संबंधित वैध पासपोर्ट, वीजा और अन्य आवश्यक दस्तावेज नहीं मिलने की बात कही है। सभी को उनके देश वापस भेजने की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।



पुलिस आयुक्त के निर्देश पर चलाए गए इस अभियान के लिए क्राइम ब्रांच की अलग-अलग टीमें गठित की गई थीं। इन टीमों ने शहर के पूर्वी और पश्चिमी क्षेत्रों सहित विभिन्न इलाकों में जांच की। अभियान के तहत झुग्गी-बस्तियों, निर्माण स्थलों और किराए के मकानों में रहने वाले संदिग्ध लोगों के पहचान संबंधी दस्तावेजों की पड़ताल की गई। आधार कार्ड, पैन कार्ड और निवास प्रमाण पत्र सहित अन्य दस्तावेजों की जांच की गई। जांच के दौरान 61 बांग्लादेशी नागरिकों के पास भारत में वैध रूप से रहने से संबंधित आवश्यक दस्तावेज नहीं पाए गए। प्रारंभिक पूछताछ में इनके अवैध तरीके से सीमा पार कर भारत आने और अहमदाबाद के अलग-अलग इलाकों में पहचान छिपाकर रहने की जानकारी सामने आने की बात कही गई है। इनमें से कई लोग मजदूरी और अन्य छोटे-मोटे काम कर रहे थे। क्राइम ब्रांच ने सभी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की है।

अहमदाबाद एयरपोर्ट पर 13 करोड़ का हाइड्रोपोनिक गांजा जब्त, दो तस्कर गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सीमा शुल्क विभाग की वायु खुफिया इकाई (एआईयू) ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 13 करोड़ रुपए कीमत का हाइड्रोपोनिक गांजा जब्त किया है। इस मामले में दो यात्रियों को गिरफ्तार किया गया है। दोनों बैंकॉक से थाई एयरवेज की उड़ान के जरिए अहमदाबाद पहुंचे थे। प्रारंभिक जांच में अंतरराष्ट्रीय तस्करी नेटवर्क से जुड़े होने की आशंका सामने आई है। जानकारी के अनुसार, बैंकॉक से आए यात्रियों के सामान की नियमित जांच के दौरान सीमा शुल्क अधिकारियों को दो यात्रियों के ट्रॉली बैग संदिग्ध दिखाई दिए। एक्स-रे जांच में बैग के भीतर छिपाई गई संदिग्ध वस्तुओं का पता चलने पर अधिकारियों ने दोनों यात्रियों को रोक लिया। इसके बाद उनकी मौजूदगी में सामान की गहन तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान दोनों बैगों से कुल 14 प्लास्टिक पैकेट बरामद हुए। इन पैकेटों को वैक्यूम सील करके बेहद सावधानी से छिपाया गया था, ताकि उनकी गंध बाहर न आए और जांच के दौरान आसानी से पहचान न हो सके। अधिकारियों ने बरामद सामग्री की जांच कराई, जिसमें उसके हाइड्रोपोनिक गांजा होने की पुष्टि हुई।सीमा शुल्क विभाग के अनुसार, जब्त किए गए मादक पदार्थ का कुल वजन 13.012 किलोग्राम है। अंतरराष्ट्रीय अवैध बाजार में इसकी अनुमानित कीमत करीब 13 करोड़ रुपए बताई गई है। दोनों यात्रियों को गिरफ्तार कर लिया।



आनंद के एकतानगर में दो गुटों के बीच हिंसक झड़प, पथराव और वाहनों में तोड़फोड़

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आनंद। जिले के नापा-तालपाड़ गांव के एकतानगर इलाके में एक ही समुदाय के दो गुटों के बीच विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। दोनों पक्षों के बीच हुई झड़प में पथराव और वाहनों में तोड़फोड़ की गई। घटना में कई लोगों के घायल होने की जानकारी है। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। जानकारी के अनुसार, किसी बात को लेकर दोनों गुटों के बीच कहासुनी शुरू हुई थी। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और दोनों पक्षों के लोग लाठी, लोहे के पाइप और चाकू लेकर आमने-सामने आ गए। इस दौरान जमकर पथराव हुआ और सड़क पर खड़े वाहनों को भी नुकसान पहुंचाया गया। अचानक हुई हिंसा से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना मिलते ही आनंद जिला पुलिस और स्थानीय थाने की टीमें वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंचीं। पुलिस ने स्थिति नियंत्रित करने के लिए कार्रवाई की और भीड़ को तितर-बितर किया। क्षेत्र में शांति बनाए रखने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिस ने दोनों पक्षों के खिलाफ मामला दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। साथ ही झड़प के वास्तविक कारणों का पता लगाने और हिंसा में शामिल लोगों की पहचान करने के लिए जांच की जा रही है।



वडोदरा के बिल कैनाल रोड पर जलीं स्ट्रीट लाइटें, लंबे विरोध के बाद जागा प्रशासन



कांग्रेस की मशाल यात्रा और स्थानीय लोगों के आंदोलन के बाद शुरू हुई रोशनी, लाइटें चालू होने पर आतिशबाजी कर मनाई खुशी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

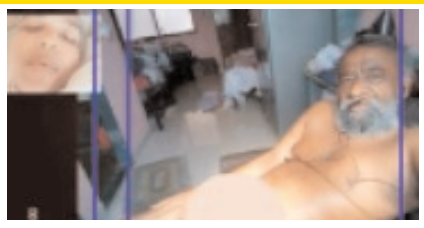
वडोदरा। शहर के बिल कैनाल रोड पर लंबे समय से छाया अंधेरा आखिरकार दूर हो गया है। सड़क पर स्ट्रीट लाइटें शुरू होने से स्थानीय निवासियों और वाहन चालकों ने राहत की सांस ली है। लंबे समय से शिकायतों के बावजूद समस्या का समाधान नहीं होने पर स्थानीय लोगों और कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया था। रात के समय सड़क पर रोशनी नहीं होने से दुर्घटनाओं और असामाजिक गतिविधियों का डर बना रहता था। इस समस्या को लेकर कांग्रेस वार्ड नंबर 12 के अध्यक्ष राकेश ठाकोर के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं और स्थानीय निवासियों ने मशाल यात्रा निकालकर प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन किया था। लगातार विरोध और समाचार माध्यमों में खबरें प्रकाशित होने के बाद वडोदरा महानगर पालिका के अधिकारी सक्रिय हुए। महानगर पालिका ने गुजरात विद्युत बोर्ड के साथ समन्वय कर सड़क पर बिजली के खंभे और स्ट्रीट लाइटें लगाने का काम पूरा कराया। लाइटें शुरू होने के बाद स्थानीय लोगों और कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी कर खुशी जताई तथा एक-दूसरे का मुंह मीठा कराया। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि जनता की समस्याओं के लिए बिना सत्ता में रहे भी मजबूती से आवाज उठाई जा सकती है। स्ट्रीट लाइटें शुरू होने से बिल कैनाल रोड के निवासियों को लंबे समय से चली आ रही परेशानी से राहत मिली है।

धर्म की आड़ में महापाप: कुसाधु सागरचंद्र सागर के काले साम्राज्य और अनैतिक कारनामों का पर्दाफाश

जैन जगत में फूटा दबे आक्रोशा का ज्वार!

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन







अहमदाबाद / उज्जैन / पालिताना। अहिंसा, संयम, परम पवित्रता और त्याग की मिसाल पेश करने वाले भगवान महावीर स्वामी के महान सिद्धांतों को आज कुछ ढोंगी और चरित्रहीन पात्रों ने अपनी पाशविक लालसाओं को पूरा करने का जरिया बना लिया है। आस्था और धर्म के नाम पर पर्दे के पीछे जो खेल खेले जा रहे हैं, उन्होंने मानवता को शर्मसार कर दिया है। जैन समाज से एक ऐसा सनसनीखेज और कलेजा कंपा देने वाला मामला सामने आया है, जिसने संत समाज की गरिमा को तार-तार कर दिया है। साधु के पवित्र भेष की आड़ में अपनी हवस का शिकार बनाने वाले 'सागरचंद्र सागर' नामक इस कुसाधु के अनैतिक रिश्तों, काले कारनामों और भ्रष्टाचार के दस्तावेज अब पूरी तरह से उजागर हो चुके हैं!

भेष की पवित्रता का सौदा: अनगिनत जिंदगियों को अंधेरे में धकेलने का घृणित खेल

संत या साधु का जीवन भौतिक सुखों से परे और पूर्णतः पवित्र माना जाता है। परंतु सागरचंद्र सागर ने भगवा वस्त्रों की ओट में रहकर कई भोली-भाली महिलाओं और साध्वियों के साथ अनैतिक संबंध स्थापित किए होने के बेहद गंभीर और विस्फोटक आरोप झेले हैं। धर्म के प्रभाव और आम जन की अटूट श्रद्धा का दुरुपयोग कर इस शख्स ने कई परिवारों और युवतियों का भविष्य बर्बाद कर दिया है। इतने संगीन आरोप लगने के बावजूद यह तथाकथित साधु आज तक मीडिया या जनता के सामने आकर अपनी सफाई देने की हिम्मत नहीं जुटा सका है, जो इसकी अपराधी मानसिकता और अंदर की चोर-मनोवृत्ति को साफ उजागर करता है।

वायरल चैट्स और रिकॉर्डिंग का सच: 'अगर सब झूठ था, तो सफाई देने की नौबत क्यों आई? '

यह पूरा घिनौना सच तब खुलकर सामने आया जब इस कुसाधु की अपनी एक महिला मित्र के साथ कथित कॉल रिकॉर्डिंग, आपत्तिजनक तस्वीरें और व्हाट्सएप चैट्स के पुख्ता सबूत सोशल मीडिया पर आग की तरह फैल गए। सबसे बड़ा और चुभने वाला सवाल यह है कि यदि वे तमाम फोटो और बातें निराधार थीं, तो उस महिला के साथ इस कुसाधु को फोन पर लंबी बातचीत करने की आवश्यकता ही क्यों पड़ी? 'मेरे निजी फोटो कैसे लीक हो गए?' यह सफाई देने वाले खुद इस शख्स के अपने शब्द इस बात की गवाही दे रहे हैं कि दाल में काला नहीं, बल्कि पूरी दाल ही काली है! इस स्तर की अशुद्ध और गंदी करतूतें सामने आने के बाद भी इसका मुखौटा उतर चुका है, मगर इसके चेहरे पर जरा भी शर्म या हया का नामोनिशान नहीं बचा है।

भ्रष्ट ट्रस्टियों की साठगांठ और दान के धन से अय्याशी का साम्राज्य

इस तरह के कलंकित और पतित पात्रों को बचाने, छिपाने और उन्हें शह देने का घिनौना काम कुछ स्वार्थी तत्व कर रहे हैं। सागर समुदाय से जुड़े कुछेक विशेष संघों और जिनालयों के भ्रष्ट पदाधिकारी इस पूरे पाखंड में सीधे तौर पर लिप्त हैं: तीर्थस्थलों और देवालयों में श्रद्धालुओं द्वारा श्रद्धावश दिए जाने वाले दान और चढ़ावे के करोड़ों रुपयों का गोलमाल करके इन ट्रस्टियों और सागरचंद्र सागर के बीच बंदरबांट की जाती है। दान-पुण्य के इन पवित्र पैसों के दम पर इस कुसाधु ने विलासिता, ऐशो-आराम और मौजमस्ती से भरी हाइवोल्टेज जिंदगी खड़ी की है। धर्म की आड़ में जनता को मूर्ख बनाकर बेनामी संपत्तियों और अकूत माया का जाल बुना गया है। इस पूरे काले कारोबार पर पर्दा डालने के लिए मीडिया कोऑर्डिनेटर 'अभय चोपड़ा' और उनके जैसे कुछ दलाल किस्म के स्वार्थी लोग सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं, जो चंद पैसों की खातिर इस कुसाधु के महापापों को छिपाने के षड्यंत्र रच रहे हैं।

भगवान महावीर की वाणी का अपमान: मंदसौर में चल रहे प्रवचनों का हो संपूर्ण बहिष्कार!

वर्तमान में यह कुसाधु मध्य प्रदेश मंदसौर क्षेत्र में अपने पाखंड भरे प्रवचन चला रहा है। जिस पावन मंच से सत्य, अहिंसा और सदाचार के पाठ पढ़ाए जाने चाहिए, वहां बैठकर यह व्यक्ति सामने बैठी भोली-भाली महिलाओं और श्रद्धालुओं को किस विकृत मानसिकता से देखता होगा, इस विचार मात्र से रोंगटे खड़े हो जाते हैं! जिस वक्ता का खुद का चरित्र दागदार और मलीन हो, वह समाज को क्या सही राह दिखा सकता है? समस्त जैन समाज और धर्म के प्रति निष्ठा रखने वाले हर एक व्यक्ति के लिए यह गहरी आत्मसमिक्षा और चेतावनी का पल है। जो शख्स संत परंपरा को कलंकित कर रहा है, उसे संरक्षण देने वाले हर एक चेहरे को बेनकाब करना अब समय की सबसे बड़ी मांग है।

जैन समाज की खुली हुंकार: अब खामोश रहने का दौर खत्म!

'महानगर मेट्रो' के मंच से समस्त जैन समाज, युवा वाहिनी और धर्मप्रेमियों के नाम एक कड़ा और सीधा संदेश है:

1. **कड़ा बहिष्कार:** जहां कहीं भी इस कुसाधु सागरचंद्र सागर के शिविर या प्रवचन आयोजित हों, वहां उसका पुरजोर विरोध करें और उसका पूर्ण बहिष्कार करें।

2. **दान पर पूर्ण प्रतिबंध:** ऐसे पाखंडियों और इनका समर्थन करने वाले संगठनों को एक भी रुपया दान या आर्थिक मदद के रूप में न दिया जाए।

3. **भेष त्यागने का अल्टीमेटम:** इस कुसाधु को तत्काल प्रभाव से साधु का पवित्र पहनावा उतार फेंकना चाहिए और एक आम इंसान की तरह जीवन बिताना चाहिए, क्योंकि इसे 'संत' कहना सच्चे संतों का अपमान है।

4. **दलालों का सामाजिक बहिष्कार:** जो ट्रस्टी या मीडिया मैनेजर्स (जैसे अभय चोपड़ा जैसे लोग) इस कुसाधु को बचाने के कुचक्र में शामिल हैं, उन्हें भी समाज से पूरी तरह दरकिनार किया जाए।

यदि हम अब भी आंखें मूंदकर चुपचाप बैठे रहे, तो आने वाली पीढ़ियां हमें कभी माफ नहीं करेंगी। भगवान महावीर के निर्मल और पवित्र मार्ग को इस कलंक से मुक्त कराने के लिए अब हर जागरूक जैन को सड़क पर उतरकर इन पाखंडियों के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद करनी ही होगी!

जैन जगत की एकता रंग लाई: प्रवचनों में 50 लोग भी नहीं बचे, कुसाधु के उड़े होश!

मंदसौर और उसके आसपास के क्षेत्रों में जैन समाज अब पूरी तरह लामबंद हो चुका है। इस कुसाधु के पाखंड के खिलाफ ऐसा जनआक्रोश भड़का है कि इसके प्रवचन हॉल में आज बमुश्किल 50 लोग भी उपस्थित नहीं रह पा रहे हैं! जैन समाज को अपनी एकजुट ताकत दिखाने का यह ऐतिहासिक अवसर मिला है। इस आंदोलन को और तेज करें, इस कलंक को समाज की दहलीज से बाहर खदेड़ें और हमारी पवित्र साध्वियों तथा बेटियों के सम्मान की रक्षा करें!

खेड़ा में रासायनिक प्रदूषण का गंभीर आरोप, कॉनकॉर्ड बायोटेक पर किसानों की फसल बर्बाद करने का दावा

प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की भूमिका पर भी उठे सवाल...!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

खेड़ा। जिले के मातर तालुका के राणासर क्षेत्र में कथित रासायनिक प्रदूषण का मामला सामने आने से किसानों और स्थानीय निवासियों में चिंता बढ़ गई है। लिम्बासी-मालवाड़ा मार्ग पर स्थित कॉनकॉर्ड बायोटेक कंपनी पर आरोप है कि फैक्ट्री से निकलने वाला रासायनिक और दूषित पानी आसपास के खेतों में छोड़ा जा रहा है। स्थानीय लोगों का दावा है कि इस संबंध में कुछ वीडियो भी सामने आए हैं, जिनमें खेतों की ओर गंदा पानी बहता दिखाई दे रहा है। किसानों के अनुसार, फैक्ट्री से निकलने वाला दूषित पानी खेतों में पहुंचने से धान की खड़ी फसल प्रभावित हो रही है। किसानों का कहना है कि उन्होंने पूरे साल मेहनत और खर्च करके फसल तैयार की थी, लेकिन रासायनिक पानी के कारण उनकी आजीविका पर संकट खड़ा हो गया है। यदि समय रहते इस पर रोक नहीं लगाई गई तो आसपास के अन्य खेतों को भी नुकसान पहुंच सकता है। मामले की गंभीरता इसलिए भी बढ़ गई है क्योंकि स्थानीय निवासियों ने आशंका जताई है कि दूषित पानी आगे चलकर माही नहर में मिल सकता है। ऐसा होने पर नहर से जुड़े जलस्रोतों और आसपास के क्षेत्रों में पेयजल की गुणवत्ता प्रभावित होने का खतरा पैदा हो सकता है। हालांकि, पानी में मौजूद रासायनिक तत्वों और प्रदूषण के वास्तविक स्तर की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। इस मामले में किसानों और ग्रामीणों ने गुजरात प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि पहले शिकायतें किए जाने के बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ। ग्रामीणों ने मांग की है कि संबंधित विभाग तत्काल मौके पर पहुंचकर पानी और मिट्टी के नमूने एकत्र करे तथा उनकी प्रयोगशाला में जांच कराई जाए। किसानों ने कंपनी के खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई, प्रभावित फसलों का सर्वेक्षण और उचित मुआवजा देने की मांग की है। साथ ही यदि जांच में किसी अधिकारी की लापरवाही सामने आती है तो उसके खिलाफ भी कार्रवाई की मांग उठाई है। अब पूरे मामले में प्रशासन और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की भूमिका महत्वपूर्ण हो गई है। जांच में यह स्पष्ट होना जरूरी है कि कंपनी से निकलने वाला पानी कितना प्रदूषित है, उसे खेतों में छोड़ा जा रहा है या नहीं और इससे कृषि भूमि तथा जलस्रोतों को कितना नुकसान पहुंचा है। किसानों को उम्मीद है कि प्रशासन जल्द कार्रवाई कर उनकी फसलों और पेयजल स्रोतों को संभावित प्रदूषण से बचाएगा।

वडोदरा में युवक का सड़क पर तांडव, वीआईपी रोड पर इलेक्ट्रिक बस में तोड़फोड़ की कोशिश

महानगर मेट्रो ब्यूरो



वडोदरा। शहर के करेलीबाग क्षेत्र में वीआईपी रोड पर एक युवक ने अचानक सड़क के बीच हंगामा खड़ा कर दिया। वुडा चौराहे के पास आधे कपड़ों में पहुंचे युवक ने व्यस्त यातायात के बीच वडोदरा महानगर पालिका (वीएमसी) की विद्युत बस को रोक लिया और उसके सामने के दरवाजे पर हाथ-पैर मारकर तोड़फोड़ करने की कोशिश की। अचानक हुई इस घटना से बस में सवार यात्रियों और आसपास मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। जानकारी के अनुसार, युवक ने अचानक सड़क के बीच पहुंचकर वाहनों की आवाजाही बाधित कर दी। इसी दौरान वहां से गुजर रही महानगर पालिका की विद्युत बस को उसने आगे बढ़ने से रोक दिया। इसके बाद वह बस के सामने पहुंचा और गुस्से में दरवाजे पर हाथ-पैर मारने लगा। उसकी इस हरकत से बस में बैठे यात्री घबरा गए। व्यस्त सड़क पर हुए इस घटनाक्रम के कारण अन्य वाहन चालकों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा। घटना के समय आसपास मौजूद लोगों ने पूरे घटनाक्रम को अपने मोबाइल फोन में रिकॉर्ड कर लिया। अब इसका वीडियो सामाजिक माध्यमों पर प्रसारित हो रहा है। वीडियो सामने आने के बाद शहर में सार्वजनिक परिवहन की सुरक्षा और सड़क पर कानून-व्यवस्था को लेकर चर्चा शुरू हो गई है।

खोराज में 150 करोड़ की जमीन पर कब्जे का आरोप, विधायक जिग्नेश मेवाणी ने खोला मोर्चा

महानगर मेट्रो ब्यूरो



गांधीनगर। खोराज गांव में करीब 150 करोड़ रुपए की जमीन को लेकर विवाद अब राजनीतिक और प्रशासनिक स्तर पर तूल पकड़ता जा रहा है। वडगाम से कांग्रेस विधायक जिग्नेश मेवाणी ने गरीब किसानों, ठाकोर समुदाय और स्थानीय लोगों की जमीन कथित रूप से हड़पने के मामले में प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने वडगाम तालुका सेवा सदन पहुंचकर ममलतदार को शिकायत सौंपी और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की। इस दौरान बड़ी संख्या में समर्थक, ग्रामीण और स्थानीय नेता भी मौजूद रहे। मेवाणी का आरोप है कि गांधीनगर तालुका के खोराज गांव में बाजार मूल्य के हिसाब से करीब 150 करोड़ रुपए की जमीन पर कब्जा करने की कोशिश की गई है। इसके लिए कथित तौर पर जमीन के दस्तावेजों में हेरफेर, फर्जी कागजात तैयार करने और मूल मालिकों पर दबाव बनाने जैसे तरीके अपनाए गए। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ प्रभावशाली बिल्डर और जमीन कारोबार से जुड़े लोग गरीब किसानों को उनकी पैतृक जमीन से बेदखल करने का प्रयास कर रहे हैं। विधायक ने इस मामले में पुलिस की भूमिका पर भी गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ पुलिस अधिकारी जमीन विवाद में प्रभावशाली लोगों को बचाने का प्रयास कर रहे हैं और किसानों पर दबाव बनाया जा रहा है। मेवाणी ने रेंज आईजी और अडालज पुलिस थाने के पुलिस निरीक्षक की भूमिका की भी जांच कराने की मांग की है। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि होना अभी बाकी है। वडगाम में आयोजित जनसभा के दौरान मेवाणी ने सरकार और प्रशासन को चेतावनी दी कि यदि पीड़ित किसानों और स्थानीय समुदायों को न्याय नहीं मिला तो आंदोलन को राज्यव्यापी रूप दिया जाएगा। उन्होंने मांग की कि जमीन के वास्तविक मालिकों के अधिकार सुरक्षित किए जाएं और कथित जमीन घोटाले में शामिल लोगों के साथ-साथ किसी भी दोषी अधिकारी के खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई हो।

दिवाली पर अहमदाबाद पुलिस की बड़ी कार्रवाई, अंतरराज्यीय मोबाइल चोर गिरोह के दो सदस्य गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। दिवाली के दौरान बाजारों और सार्वजनिक स्थानों पर उमड़ रही भीड़ का फायदा उठाकर मोबाइल फोन छीनने वाले अंतरराज्यीय गिरोह के खिलाफ अहमदाबाद पुलिस ने कार्रवाई की है। जोन-7 की स्थानीय अपराध शाखा (एलसीबी) ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से अलग-अलग कंपनियों के 52 स्मार्टफोन बरामद किए हैं। जब्त मोबाइल फोन की कुल कीमत करीब 4 लाख 94 हजार रुपये बताई गई है। पुलिस के अनुसार, त्योहारों के दौरान शहर में मोबाइल चोरी और छिनैती की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए विशेष निगरानी रखी जा रही थी। इसी दौरान एलसीबी की टीम को सूचना मिली कि कुछ लोग चोरी और छीने गए मोबाइल फोन बेचने के लिए अपने पास रखे हुए हैं। सूचना के आधार पर पुलिस ने निगरानी रखकर वेजलपुर निवासी सद्दामहुसैन शेख और दाणीलीमडा निवासी तनवीर शेख को गिरफ्तार कर लिया।

फांगड़ी गांव में अहमदाबाद ग्रामीण पुलिस की मादक पदार्थ निरोधक शाखा की छापेमारी, 2.35 लाख रुपए का कोडीन युक्त सिरप बरामद; एक आरोपी गिरफ्तार

साणंद में नशीले कफ सिरप का बड़ा जखीरा पकड़ा, 1,430 बोतलें जब्त

महानगर मेट्रो ब्यूरो



अहमदाबाद। जिले के साणंद तालुका में नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार के खिलाफ अहमदाबाद ग्रामीण पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस की मादक पदार्थ निरोधक शाखा ने गुप्त सूचना के आधार पर फांगड़ी गांव में छापेमारी कर कोडीन युक्त नशीले कफ सिरप की 1,430 बोतलें जब्त की हैं। बरामद सिरप की अनुमानित कीमत 2.35 लाख रुपए बताई गई है। इस मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि फांगड़ी गांव में बड़ी मात्रा में नशीला कफ सिरप अवैध रूप से जमा करके उसकी बिक्री की जा रही है। सूचना की गंभीरता को देखते हुए मादक पदार्थ निरोधक शाखा की टीम ने तत्काल कार्रवाई की और बताए गए स्थान पर छापा मारा। तलाशी के दौरान पुलिस को कफ सिरप की बड़ी खेप मिली, जिसे जब्त कर लिया गया। मामले की पुष्टि के लिए पुलिस ने विधि विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल) की टीम की मदद से बरामद सिरप के नमूने जांच के लिए भेजे। जांच में सिरप के भीतर कोडीन नामक नशीला पदार्थ होने की पुष्टि हुई। इसके बाद पुलिस ने आरोपी विष्णु उर्फ घनश्याम कोली पटेल को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया। पुलिस अब आरोपी से पूछताछ कर रही है कि वह इतनी बड़ी मात्रा में नशीला कफ सिरप कहां से लेकर आया था। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि इस अवैध कारोबार में उसके साथ अन्य लोग तो शामिल नहीं हैं और जब्त की गई बोतलों की आपूर्ति किन क्षेत्रों में की जानी थी। जांच एजेंसियां इस पूरे मामले की आपूर्ति श्रृंखला का पता लगाने में जुटी हैं। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि सिरप की खेप किसी दवा विक्रेता, वितरक या अन्य माध्यम से आरोपी तक पहुंची थी या नहीं। अहमदाबाद ग्रामीण पुलिस की इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र में नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार से जुड़े लोगों में हलचल है। पुलिस का कहना है कि नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ अभियान जारी रहेगा।

डभोई के धरमपुरी गांव में पारिवारिक विवाद ने लिया हिंसक रूप, लोहे की पाइप से हमला कर दी जान से मारने की धमकी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई (वडोदरा)। जिले के डभोई तहसील के धरमपुरी गांव की नवीनगरी में पारिवारिक विवाद के चलते मारपीट का मामला सामने आया है। आरोप है कि एक ही परिवार के पांच लोगों ने घर में घुसकर युवती और उसके परिजनों पर हमला कर दिया। इस दौरान लोहे की पाइप और लकड़ियों से मारपीट की गई तथा जाते समय जान से मारने की धमकी भी दी गई। पुलिस ने पांच आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस में दर्ज शिकायत के अनुसार, मूल रूप से वडसर गांव की रहने वाली और वर्तमान में धरमपुरी की नवीनगरी में रहकर मजदूरी करने वाली 22 वर्षीय आरतीबेन किरणभाई राठौड़िया 31 तारीख की शाम करीब 7:45 बजे अपने घर पर थीं। इसी दौरान परिवार के अर्जुन रमेश राठौड़िया, मंगु बचुभाई राठौड़िया, कनु रईजीभाई राठौड़िया, सुनील कालिदास राठौड़िया और जगदीश बचुभाई राठौड़िया कथित तौर पर पुराने पारिवारिक विवाद को लेकर उनके घर पहुंच गए। शिकायत में बताया गया है कि घर पहुंचते ही आरोपियों ने विवाद शुरू कर दिया। इसी दौरान अर्जुन ने आरतीबेन को धक्का देकर जमीन पर गिरा दिया, जबकि सुनील ने लोहे की पाइप से उन पर हमला कर दिया। शोर सुनकर राजेश गोरधनभाई राठौड़, उनकी मां हीराबेन और गोरधनभाई बीच-बचाव के लिए पहुंचे। आरोप है कि मंगु और जगदीश ने उनके साथ भी मारपीट की और लकड़ियों व पाइप से चोटें पहुंचाईं।

तिलक वर्मा बने भारत-ए टीम के कप्तान, रजत पाटीदार को मिली उपकप्तानी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने 2 नवंबर को राइजिंग स्टार एशिया कप के लिए 15 सदस्यीय भारत-ए टीम घोषित की। तिलक वर्मा को कप्तान और रजत पाटीदार को उपकप्तान बनाया गया है। टीम में वैभव सूर्यवंशी, अभिषेक शर्मा और रिंकू सिंह सहित कई युवा खिलाड़ियों को जगह मिली है। टूर्नामेंट 19 से 29 नवंबर तक कतर की राजधानी दोहा में खेला जाएगा। भारत अपना पहला मुकाबला 20 नवंबर को नेपाल से खेलेगा। इसके बाद 22 नवंबर को पाकिस्तान-ए और 24 नवंबर को संयुक्त अरब अमीरात से भिड़ंत होगी। एशियाई क्रिकेट परिषद के इस टूर्नामेंट में भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश और अफगानिस्तान सहित कई देशों की ए टीमें हिस्सा लेंगी। इस बार प्रतियोगिता 50 ओवर के प्रारूप में होगी, जबकि पिछले वर्ष यह टी-20 प्रारूप में आयोजित हुई थी। इसका उद्देश्य एशिया के उभरते खिलाड़ियों को बेहतर प्रतिस्पर्धा का अनुभव देना है।

गांधीनगर पुलिस बनकर 50 लाख की रंगदारी मांगने वाले चार आरोपी गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। शहर के सरथाना इलाके में गांधीनगर पुलिस के अधिकारी-कर्मचारी बनकर रंगदारी वसूलने वाले चार आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने एक व्यक्ति को गंभीर मामले में फंसाने की धमकी देकर 50 लाख रुपये की मांग की थी। इसके बाद उससे जबरन 4 लाख रुपये वसूल लिए। सरथाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए चारों आरोपियों को पकड़ लिया और वसूली गई रकम के साथ वारदात में इस्तेमाल इनोवा कार भी जब्त कर ली। पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने साजिश के तहत शिकायतकर्ता को रोककर खुद को गांधीनगर पुलिस से जुड़ा बताया था। उन्होंने पुलिस अधिकारी होने का रौब दिखाते हुए पीड़ित को कानूनी मामले में फंसाने और गंभीर कार्रवाई की धमकी दी। इस दबाव के जरिए आरोपियों ने उससे 50 लाख रुपये देने की मांग की। भयभीत शिकायतकर्ता से आरोपियों ने जबरन 4 लाख रुपये नकद ले लिए। घटना के बाद पीड़ित ने सरथाना पुलिस थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने जांच शुरू की और तकनीकी निगरानी तथा मुखबिरों से मिली जानकारी के आधार पर आरोपियों की तलाश की। इसके बाद पुलिस ने चारों को गिरफ्तार कर लिया।



अहमदाबाद में प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प, धक्का-मुक्की के बाद कई हिरासत में

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर के वस्त्रपुर और अंधजन मंडल चौराहे पर विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच जमकर धक्का-मुक्की और हाथापाई हुई। चुनाव आयोग की नीतियों और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) सहित विभिन्न मुद्दों को लेकर प्रदर्शन कर रहे लोगों ने बैरिकेडिंग पार करने की कोशिश की। स्थिति बिगड़ने पर पुलिस ने कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया। जानकारी के अनुसार, सोशल मीडिया पर प्रसारित अपील के बाद विभिन्न राजनीतिक दलों के कार्यकर्ता, विद्यार्थी संगठनों के सदस्य और नागरिक प्रदर्शन के लिए एकत्र हुए थे। प्रदर्शनकारियों ने बैनर लेकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और सड़क पर बैठकर यातायात रोकने का प्रयास किया। पुलिस ने स्थिति नियंत्रित करने के लिए बैरिकेडिंग की थी, लेकिन कुछ प्रदर्शनकारी उसे पार कर आगे बढ़ने लगे। इस दौरान पुलिसकर्मियों और प्रदर्शनकारियों के बीच तीखी बहस के साथ धक्का-मुक्की हुई। कुछ प्रदर्शनकारी पुलिस बसों और सरकारी वाहनों की छत पर भी चढ़ गए और नारेबाजी करने लगे। बढ़ते तनाव को देखते हुए पुलिस ने कार्रवाई करते हुए महिलाओं सहित कई प्रदर्शनकारियों और नेताओं को हिरासत में लिया तथा उन्हें पुलिस वाहनों से थाने ले जाया गया। प्रदर्शन के कारण वस्त्रपुर और आसपास की सड़कों पर यातायात प्रभावित हुआ। पुलिस ने मौके पर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाते हुए स्थिति को नियंत्रित किया।



गोंडल मार्केट यार्ड में आप नेता और संचालकों के बीच तीखी बहस, डायरेक्टर की टिप्पणी से बढ़ा विवाद

किसानों और व्यापारियों की समस्याएं लेकर पहुंची थीं जीगीषाबेन पटेल, डायरेक्टर ने कहा- 'ऐसे लोगों को जवाब नहीं देना चाहिए'

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गोंडल (राजकोट)। गोंडल मार्केटिंग यार्ड में किसानों और स्थानीय व्यापारियों की समस्याओं को लेकर पहुंचीं आम आदमी पार्टी की प्रदेश नेता जीगीषाबेन पटेल और यार्ड के संचालकों के बीच तीखी बहस हो गई। इस दौरान एक डायरेक्टर की कथित टिप्पणी ने विवाद को और बढ़ा दिया। डायरेक्टर ने कहा, 'ऐसे लोगों को जवाब नहीं देना चाहिए।' इस टिप्पणी पर जीगीषाबेन और उनके साथ आए समर्थकों ने नाराजगी जताई। जानकारी के अनुसार, जीगीषाबेन पटेल अपने समर्थकों के साथ गोंडल मार्केट यार्ड कार्यालय पहुंची थीं। वे यार्ड में कथित अनियमितताओं, किसानों को हो रही परेशानियों और स्थानीय व्यापारियों से जुड़े मुद्दों पर संचालकों के सामने अपनी बात रखना चाहती थीं। बातचीत के दौरान जब उन्होंने विभिन्न सवाल उठाए तो दोनों पक्षों के बीच बहस शुरू हो गई। इसी दौरान यार्ड के एक डायरेक्टर की ओर से की गई टिप्पणी को लेकर माहौल गर्मा गया। जीगीषाबेन और उनके समर्थकों ने इस व्यवहार पर आपत्ति जताते हुए कहा कि किसानों और आम लोगों की समस्याएं उठाने वालों को जवाब देना यार्ड प्रशासन की जिम्मेदारी है। उनका कहना था कि जनहित के मुद्दों पर सवाल पूछने वालों के साथ इस तरह का व्यवहार उचित नहीं है। घटना से जुड़ा वीडियो और जानकारी सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद मामला चर्चा में आ गया है। आम आदमी पार्टी की ओर से यार्ड के संचालकों के रवैये पर सवाल उठाए जा रहे हैं। पार्टी नेताओं ने इस मुद्दे को आगे भी उठाने की बात कही है।फिलहाल विवाद के बीच किसानों और व्यापारियों से जुड़े मूल मुद्दों पर यार्ड प्रशासन की ओर से क्या जवाब दिया गया, यह स्पष्ट नहीं है। ऐसे में अब निगाहें इस बात पर हैं कि यार्ड के संचालक उठाए गए सवालों पर अपना पक्ष रखते हैं या नहीं।



गोविंद गुरु विश्वविद्यालय में नियुक्तियों को लेकर विवाद, पूर्व कुलपति पर राजनीतिक पक्षपात के गंभीर आरोप

निर्धारित कार्यकाल पूरा होने के बाद भी पद पर बने रहने को लेकर उठे सवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गोधरा (पंचमहल)। गोविंद गुरु विश्वविद्यालय में पूर्व कुलपति के कार्यकाल और विभिन्न शैक्षणिक समितियों में नियुक्तियों को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। कुलपति पर विश्वविद्यालय की स्वायत्तता प्रभावित करने और महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्तियों में राजनीतिक विचारधारा को प्राथमिकता देने के गंभीर आरोप लगाए गए हैं। आरोप है कि विश्वविद्यालय को शैक्षणिक गतिविधियों का केंद्र बनाए रखने के बजाय उसे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की विचारधारा से प्रभावित करने की कोशिश की गई। विश्वविद्यालय से जुड़े सूत्रों और कुछ शिक्षाविदों के हवाले से दावा किया गया है कि सेनेट, सिंडिकेट और अन्य महत्वपूर्ण शैक्षणिक समितियों में नियुक्तियों के दौरान योग्यता और अनुभव के बजाय राजनीतिक जुड़ाव को प्राथमिकता दी गई। आरोप है कि आरएसएस और भाजपा से जुड़े लोगों को इन पदों पर अधिक अवसर दिए गए। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि और संबंधित नियुक्तियों के दस्तावेजों की जांच के बिना इन्हें स्थापित तथ्य नहीं माना जा सकता। विवाद का दूसरा बड़ा मुद्दा पूर्व कुलपति का निर्धारित कार्यकाल पूरा होने के बाद भी पद पर बने रहना है। आरोप लगाया गया है कि दो कार्यकाल पूरे होने के बावजूद वे कई महीनों तक पद नहीं छोड़ रहे थे। इस दौरान उनके पद पर बने रहने के आधार और नियुक्ति से जुड़े नियमों को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। इस मामले में यह स्पष्ट होना जरूरी है कि उनका कार्यकाल कब समाप्त हुआ, इसके बाद पद पर बने रहने के लिए किस प्रकार का आदेश या प्रशासनिक अनुमति दी गई थी। मामले को लेकर शिक्षाविदों और छात्र संगठनों के बीच भी असंतोष की बात सामने आ रही है। उनका कहना है कि विश्वविद्यालय जैसी स्वायत्त शैक्षणिक संस्था में नियुक्तियां पारदर्शी प्रक्रिया और योग्यता के आधार पर होनी चाहिए। किसी भी राजनीतिक विचारधारा का प्रभाव शैक्षणिक निर्णयों और संस्थागत नियुक्तियों पर नहीं पड़ना चाहिए। अब मांग उठ रही है कि विश्वविद्यालय में हुई नियुक्तियों, चयन प्रक्रिया और पूर्व कुलपति के कार्यकाल से जुड़े पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच कराई जाए। साथ ही विश्वविद्यालय प्रशासन और उच्च शिक्षा विभाग की ओर से आरोपों पर स्थिति स्पष्ट की जाए। यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि सरकार और संबंधित विभाग इन गंभीर आरोपों पर क्या कार्रवाई करते हैं।

दिवाली के दौरान सूरत में महिला चोरों का धावा, दुकान से 1.09 लाख की नकदी और आभूषण चोरी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। शहर के सरथाना इलाके में दिवाली के दौरान चोरी की एक घटना सामने आई है। यहां कंबल ओढ़कर और चेहरा छिपाकर पहुंची महिलाओं ने एक दुकान को निशाना बनाते हुए 1 लाख 9 हजार रुपये की नकदी और नकली आभूषण चोरी कर लिए। घटना के बाद स्थानीय व्यापारियों में चिंता का माहौल है।जानकारी के अनुसार, महिलाएं सुबह के समय दुकान पर पहुंचीं। उन्होंने कंबल से अपना चेहरा ढक रखा था। इसके बाद दुकान के शटर को बीच से खोलकर अंदर प्रवेश किया और काउंटर पर रखी नकदी के साथ आर्टिफिशियल ज्वेलरी भी समेट ली। चोरी के बाद सभी मौके से फरार हो गईं। बताया जा रहा है कि दुकान से कुल 1 लाख 9 हजार रुपये की नकदी और नकली आभूषण चोरी हुए हैं। पूरी वारदात दुकान और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई। फुटेज में महिलाएं कंबल ओढ़कर शटर खोलते और दुकान के अंदर जाते हुए दिखाई दे रही हैं। घटना की सूचना मिलने के बाद सरथाना पुलिस ने मामला दर्ज कर सीसीटीवी फुटेज अपने कब्जे में लिया है। पुलिस फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान करने और उनकी तलाश में जुटी है। शुरुआती जानकारी में इस गिरोह को 'ढाबला गैंग' से जोड़कर देखा जा रहा है, हालांकि पुलिस जांच के बाद ही इसकी पुष्टि हो सकेगी। दिवाली के दौरान हुई इस चोरी ने इलाके के व्यापारियों की चिंता बढ़ा दी है।



नडियाद के रिंग रोड पर लकड़ी की नीलामी बंद, वन विभाग की कार्रवाई से मचा हड़कंप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नडियाद (खेड़ा)। जिले के मंजीपुरा-कमला रिंग रोड पर लंबे समय से चल रही कथित अनधिकृत लकड़ी की नीलामी आखिरकार बंद हो गई है। मामलतदार और परिवहन विभाग की जांच के बाद जिला वन विभाग ने भी कार्रवाई करते हुए नीलामी प्रक्रिया रुकवा दी। इस कार्रवाई से क्षेत्र में लकड़ी का परिवहन करने वाले ट्रैक्टर और ट्रक चालकों में हलचल है। जानकारी के अनुसार, रिंग रोड पर लकड़ी की खरीद-बिक्री और नीलामी को लेकर लंबे समय से शिकायतें मिल रही थीं। ओवरलोड वाहनों, बिना अनुमति लकड़ी के परिवहन और पेड़ों की कटाई से जुड़े नियमों के उल्लंघन की आशंका पर पहले मामलतदार कार्यालय और परिवहन विभाग ने जांच अभियान चलाया था। इस दौरान ओवरलोड वाहनों के खिलाफ जुर्माने की कार्रवाई भी की गई। इसके बाद खेड़ा जिला वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और कथित अनधिकृत नीलामी पर रोक लगा दी। कार्रवाई के दौरान कई वाहन चालक अपने ट्रैक्टर और ट्रक लेकर वहां से रवाना होते दिखाई दिए। इस मामले में नडियाद सॉ मिल एसोसिएशन के प्रधान सेवक रविंद्र पटेल ने कहा कि लकड़ी का कारोबार वन विभाग के नियमों और कानूनी प्रावधानों के अनुसार ही होना चाहिए। उन्होंने अनधिकृत नीलामी और पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाली गतिविधियों को अनुचित बताते हुए प्रशासन की कार्रवाई का समर्थन किया। साथ ही नियमों के तहत कारोबार करने वाले व्यापारियों को अनावश्यक परेशान नहीं करने की मांग भी की। वन विभाग ने स्पष्ट किया है कि बिना अनुमति लकड़ी की नीलामी और अवैध परिवहन के खिलाफ आगे भी कार्रवाई की जाएगी। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर वाहन जब्त करने और संबंधित लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा सकती है।

नरोडा में युवक की पीट-पीटकर हत्या, कर्मवीर हाउसिंग के पास मिला जतीन सोलंकी का शव

लकड़ियों और डंडों से 3 से 4 हमलावरों ने किया हमला

पुलिस ने दो मुख्य आरोपियों की पहचान का दावा किया; अन्य की तलाश जारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर के नरोडा इलाके में युवक की बेरहमी से पिटाई कर हत्या करने का मामला सामने आया है। आंबेडकरनगर के पास कर्मवीर हाउसिंग के बाहर सोमवार सुबह फुटपाथ पर युवक का खून से लथपथ शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान नरोडा की सुमतिनाथ सोसायटी निवासी जतीन सोलंकी के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, सुबह स्थानीय लोग और राहगीर कर्मवीर हाउसिंग के पास से गुजर रहे थे। इसी दौरान उनकी नजर फुटपाथ पर पड़े युवक के शव पर पड़ी। उसके शरीर और सिर पर गंभीर चोटों के निशान थे। लोगों ने तुरंत नरोडा पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस की टीम और वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे तथा घटनास्थल का निरीक्षण किया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि देर रात या तड़के 3 से 4 लोगों ने जतीन सोलंकी पर लकड़ियों और डंडों से हमला किया था। हमलावरों ने उसे बेरहमी से पीटा, जिससे उसके सिर और शरीर पर गंभीर चोटें आईं। बताया जा रहा है कि गंभीर चोटों के कारण उसकी मौत हो गई। पुलिस पुरानी रंजिश या किसी विवाद को हमले की संभावित वजह मानकर जांच कर रही है। हत्या की गुत्थी सुलझाने के लिए पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। तकनीकी जांच के आधार पर दो मुख्य आरोपियों की पहचान किए जाने की बात सामने आई है। पुलिस ने आरोपियों और उनके अन्य साथियों को पकड़ने के लिए अलग-अलग टीमें गठित कर तलाश शुरू कर दी है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हत्या के पीछे की वास्तविक वजह और वारदात में शामिल सभी लोगों की भूमिका का पता लगाने के लिए जांच जारी है। दिवाली के दौरान हुई इस घटना से नरोडा क्षेत्र में दहशत का माहौल है।



अहमदाबाद के 9 रेलवे क्रॉसिंग पर ओवरब्रिज की योजना अटकी, तकनीकी अड़चनों ने बढ़ाई मुश्किलें

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर में बढ़ते यातायात के दबाव और रेलवे फाटकों पर लगने वाले लंबे जाम से राहत दिलाने के लिए 9 प्रमुख रेलवे क्रॉसिंग पर ओवरब्रिज बनाने की योजना बनाई गई थी, लेकिन यह महत्वाकांक्षी परियोजना अब कई तकनीकी और भौगोलिक चुनौतियों में उलझ गई है। संकरी सड़कें, जमीन की कमी, भूमिगत उपयोगिता लाइनें और मेट्रो रेल का नेटवर्क ओवरब्रिज निर्माण की राह में बड़ी बाधा बन रहे हैं। अहमदाबाद महानगरपालिका ने भी कुछ स्थानों पर निर्माण की व्यावहारिकता को लेकर आपत्ति जताई है। योजना के तहत चुने गए कई रेलवे क्रॉसिंग पर ओवरब्रिज बनाने के लिए पर्याप्त जगह उपलब्ध नहीं है। ऐसे में सड़क चौड़ी करने के लिए जमीन अधिग्रहण और आसपास के निर्माण हटाने की जरूरत पड़ सकती है। इसके अलावा जमीन के नीचे से गुजरने वाली जल निकासी, पेयजल, गैस और संचार की पाइपलाइन व केबल को दूसरी जगह स्थानांतरित करना भी चुनौतीपूर्ण है। कई मार्गों पर मेट्रो रेल के खंभे और कॉरिडोर पहले से मौजूद हैं, जिससे ओवरब्रिज की रूपरेखा तैयार करने के लिए जरूरी जगह नहीं मिल पा रही है। इन परिस्थितियों के चलते सभी 9 स्थानों पर निर्माण एक साथ शुरू होने की संभावना कमजोर पड़ती दिखाई दे रही है। महानगरपालिका ने भी तकनीकी और भौगोलिक दिक्कतों का हवाला देते हुए कुछ स्थानों पर ओवरब्रिज निर्माण को लेकर गंभीर आपत्तियां दर्ज कराई हैं। हालांकि, इन अड़चनों के बीच मणिनगर और वटवा-विंझोल के लोगों के लिए राहत की उम्मीद जगी है। इन दोनों रेलवे क्रॉसिंग पर ओवरब्रिज निर्माण की दिशा में भारतीय रेलवे के गतिशक्ति विभाग ने प्रारंभिक सर्वेक्षण और विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने की प्रक्रिया तेज कर दी है। साथ ही निविदा से जुड़ी तैयारियां भी आगे बढ़ाई जा रही हैं। इन दोनों फाटकों पर रोजाना बड़ी संख्या में वाहन चालकों को ट्रेन गुजरने के दौरान लंबा इंतजार करना पड़ता है। ओवरब्रिज बनने से जाम की समस्या कम होने और आवागमन सुगम होने की उम्मीद है। वहीं, बाकी सात रेलवे क्रॉसिंग पर निर्माण कब शुरू होगा, यह अभी स्पष्ट नहीं है। ऐसे में अहमदाबाद के नागरिकों की नजर अब प्रशासन के अगले फैसले पर टिकी है।

फर्जी ई-मेल और सरकारी अधिकारियों की नकली पहचान से 40.63 लाख की ठगी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। सरकारी और बड़ी निजी कंपनियों के टेंडर दिलाने का झांसा देकर एक व्यापारी से 40.63 लाख रुपये की साइबर ठगी का मामला सामने आया है। ठगों ने गुजरात राज्य सड़क परिवहन निगम (जीएसआरटीसी) और देश की नामी कंपनियों के नाम से मिलते-जुलते फर्जी ई-मेल आईडी बनाए। इसके बाद ऑनलाइन टेंडर का काम करने वाले व्यापारी से संपर्क कर बड़े सरकारी और कॉरपोरेट ठेके दिलाने का भरोसा दिलाया। मामले में अहमदाबाद साइबर क्राइम पुलिस ने शिकायत के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपियों ने व्यापारी का विश्वास जीतने के लिए खुद को सरकारी विभागों के वरिष्ठ अधिकारी और संबंधित कंपनियों का प्रतिनिधि बताया। उन्होंने ई-मेल के जरिए संपर्क करने के साथ व्हाट्सऐप पर आधिकारिक दिखने वाले फर्जी पत्र, दस्तावेज और भुगतान से जुड़े नकली चेक भी भेजे। ठगों ने टेंडर प्रक्रिया पूरी कराने के नाम पर सुरक्षा जमा राशि, प्रक्रिया शुल्क और आदेश की पुष्टि जैसे अलग-अलग मदों में रकम मांगी। व्यापारी को दस्तावेज और बातचीत वास्तविक लगने के कारण ठगों की बातों पर भरोसा हो गया। इसके बाद आरोपियों ने अलग-अलग चरणों में उससे कुल 40 लाख 63 हजार रुपये अपने बताए गए बैंक खातों में जमा करवा लिए। रकम मिलने के बाद जब टेंडर की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई और आरोपियों के मोबाइल नंबर बंद आने लगे, तब व्यापारी को ठगी का अहसास हुआ। इसके बाद पीड़ित ने अहमदाबाद साइबर क्राइम पुलिस से संपर्क कर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों तक पहुंचने के लिए जांच शुरू कर दी है। बैंक खातों के लेन-देन, इंटरनेट प्रोटोकॉल पते और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर ठगी के नेटवर्क का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। यह मामला सरकारी और निजी कंपनियों के टेंडर से जुड़े व्यापारियों के लिए गंभीर चेतावनी है। किसी भी टेंडर के नाम पर सुरक्षा जमा, प्रक्रिया शुल्क या अन्य भुगतान करने से पहले संबंधित विभाग की आधिकारिक वेबसाइट और सत्यापित संपर्क माध्यम से जानकारी की पुष्टि करना जरूरी है।

बाइनेंस पर साइबर हमले की खबर से क्रिप्टो बाजार में हलचल, निवेशकों को सतर्क रहने की सलाह

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। दुनिया के प्रमुख क्रिप्टोकरेंसी एक्सचेंज बाइनेंस पर करीब 6.3 अरब डॉलर की डिजिटल संपत्ति चोरी होने का दावा किया गया है। हालांकि, इस घटना और नुकसान के आंकड़ों की स्वतंत्र पुष्टि आवश्यक है। बाइनेंस की ओर से करीब 3 अरब डॉलर की संपत्ति फ्रीज किए जाने की जानकारी भी सामने आई है। इस खबर के बाद क्रिप्टो बाजार में गिरावट की चर्चा तेज हो गई है। आईरा इंटरनेशनल रिपोर्टर एसोसिएशन के छत्तीसगढ़ प्रदेश अध्यक्ष हेमंत वर्मा ने मामले की जांच की मांग की है। उन्होंने छत्तीसगढ़ के युवाओं और क्रिप्टो निवेशकों से सावधानी बरतने की अपील की है। उन्होंने कहा कि अनजान लिंक, फर्जी निवेश योजनाओं और दस दिन में पैसा दोगुना करने जैसे लालच से बचें। किसी के साथ ओटीपी, पासवर्ड या बैंक संबंधी जानकारी साझा न करें। निवेश करने से पहले पूरी जानकारी और जोखिम को समझना जरूरी है।

जोधपुर-हडपसर सुपरफास्ट एक्सप्रेस के नंबर 3 जनवरी से बदलेंगे, नए नंबर से होगा संचालन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जोधपुर। जोधपुर-हडपसर-जोधपुर प्रतिदिन सुपरफास्ट एक्सप्रेस के यात्रियों के लिए महत्वपूर्ण सूचना है। रेलवे की ओर से इस ट्रेन के परिचालन नंबर में बदलाव किया जा रहा है। आगामी 3 जनवरी 2027 से यह ट्रेन नए नंबर 14809/14810 से संचालित होगी। वर्तमान में यह ट्रेन 20495/20496 नंबर से चल रही है। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी अमित सुदर्शन ने बताया कि जोधपुर-हडपसर-जोधपुर प्रतिदिन सुपरफास्ट एक्सप्रेस के नंबर बदलने का निर्णय लिया गया है। इसके तहत 3 जनवरी 2027 से ट्रेन का नया नंबर 14809/14810 होगा। यात्रियों को नए नंबर के अनुसार ट्रेन की जानकारी प्राप्त करनी होगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि ट्रेन के नंबर में बदलाव के बावजूद इसके संचालन समय और मार्ग में किसी प्रकार का परिवर्तन नहीं किया जाएगा। ट्रेन पूर्व निर्धारित समय-सारणी और पुराने मार्ग के अनुसार ही संचालित होती रहेगी। रेलवे के इस निर्णय से ट्रेन के यात्रियों को केवल नए नंबर का ध्यान रखना होगा, जबकि यात्रा की योजना और समय में किसी बदलाव की आवश्यकता नहीं होगी।



जयपुर में 3 से 9 नवंबर तक सिंधी कैंप बस स्टैंड पर नहीं आएंगी रोडवेज बसें, यातायात पुलिस ने बदले रूट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। दीपावली के त्योहार को देखते हुए राजधानी जयपुर के बाजारों में खरीदारी के लिए लोगों की भीड़ बढ़ने लगी है। परकोटे सहित शहर के प्रमुख बाजारों में बढ़ती भीड़ और यातायात के दबाव को देखते हुए यातायात पुलिस ने बसों के संचालन को लेकर नया आदेश जारी किया है। इसके तहत 3 से 9 नवंबर तक रोडवेज बसें सिंधी कैंप बस स्टैंड पर नहीं आएंगी। इस अवधि में अलग-अलग मार्गों पर चलने वाली बसों का संचालन शहर के अन्य निर्धारित स्थानों से किया जाएगा। ऐसे में दीपावली के आसपास यात्रा करने वाले यात्रियों को अपनी बस पकड़ने के लिए सिंधी कैंप के बजाय संबंधित वैकल्पिक बस स्टैंड पर पहुंचना होगा। दीपावली के दौरान जयपुर के बाजारों में बड़ी संख्या में लोग खरीदारी करने पहुंचते हैं। खासकर परकोटे और उसके आसपास के बाजारों में दिनभर भीड़ बनी रहती है। इसके चलते सड़कों पर वाहनों की संख्या बढ़ जाती है और कई स्थानों पर यातायात जाम की स्थिति पैदा हो जाती है। सिंधी कैंप बस स्टैंड पर भी लगातार बसों की आवाजाही रहती है। यहां निजी और रोडवेज बसों के आने-जाने से आसपास की सड़कों पर यातायात का दबाव और बढ़ जाता है। इसी समस्या को देखते हुए यातायात पुलिस ने पहले निजी और स्लीपर बसों के शहर में प्रवेश पर रोक लगाई थी।



माउंट आबू में आबादी के पास दिखे पैंथर के जोड़े, रात में सड़क पर भी घूमता नजर आया एक पैंथर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सिरोही। पर्वतीय पर्यटन स्थल माउंट आबू में आबादी के आसपास पैंथर और भालुओं की आवाजाही बढ़ने से स्थानीय लोगों में चिंता बनी हुई है। वहीं, वन्यजीव प्रेमियों के लिए इनकी मौजूदगी रोमांच का विषय बनी हुई है। रविवार को माउंट आबू में दो अलग-अलग स्थानों पर पैंथर नजर आए। सुबह देलवाड़ा मार्ग स्थित गोरा छपरा क्षेत्र में एक विद्यालय के पास पैंथर का जोड़ा दिखाई दिया, जबकि रात करीब 9 बजे देलवाड़ा स्थित कुआंरी कन्या मंदिर के समीप एक पैंथर सड़क पर चहलकदमी करता नजर आया। सुबह गोरा छपरा क्षेत्र से गुजर रहे राहगीरों की नजर सड़क किनारे स्थित एक चट्टान पर पड़ी। वहां घास के बीच एक पैंथर खड़ा था, जबकि दूसरा पास ही घास में बैठा हुआ था। दोनों पैंथर करीब पांच से सात मिनट तक वहां अठखेलियां करते रहे। इस दौरान एक पैंथर आसपास के क्षेत्र पर लगातार नजर रखता दिखाई दिया। दोनों की गतिविधियों को देखकर मौके से गुजर रहे लोग कुछ देर के लिए रुक गए और इस नजारे को अपने कैमरों में कैद करने लगे। कुछ समय तक चट्टान और घास के बीच रहने के बाद दोनों पैंथर वहां से निकलकर पास की झाड़ियों में चले गए।



21 साल की मेवा कुमारी ने पहली बार किया मतदान और बन गईं सरपंच, जामठा पंचायत की पहली सरपंच बनने का रचा इतिहास

पिछले साल ही पास की थी 12वीं की परीक्षा, मंदार पंचायत समिति की सबसे युवा सरपंच बनीं मेवा कुमारी हीरागर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सिरोही। राजस्थान में पंचायती राज चुनावों के बीच सिरोही जिले से लोकतंत्र की एक प्रेरणादायक तस्वीर सामने आई है। रेवदर क्षेत्र के अंतर्गत नवगठित मंदार पंचायत समिति की जामठा ग्राम पंचायत में 21 वर्षीय मेवा कुमारी हीरागर ने सरपंच पद का चुनाव जीतकर इतिहास रच दिया है। खास बात यह है कि मेवा कुमारी ने अपने जीवन में पहली बार मतदान किया और पहले ही चुनाव में उन्हें जीत हासिल हो गई। इस जीत के साथ ही वह जामठा पंचायत की पहली सरपंच बन गई हैं। मेवा कुमारी की उम्र महज 21 वर्ष है और इस उपलब्धि के साथ वह मंदार पंचायत समिति की सबसे युवा सरपंच बन गई हैं। उनकी जीत को लेकर क्षेत्र में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। समर्थकों और ग्रामीणों में जश्न का माहौल है। लोग उनकी सफलता को युवाओं की लोकतांत्रिक भागीदारी और ग्रामीण राजनीति में नई पीढ़ी के आगे आने के उदाहरण के रूप में देख रहे हैं। मेवा कुमारी हीरागर की इस जीत की सबसे खास बात उनका पहला चुनाव और पहली बार मतदान करना है। जिस चुनाव में उन्होंने पहली बार अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया, उसी चुनाव में जनता ने उन्हें पंचायत की जिम्मेदारी सौंप दी। जामठा ग्राम पंचायत के गठन के बाद पहली बार हुए इस चुनाव में सरपंच पद हासिल करना उनके लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बन गया है। शैक्षणिक दृष्टि से भी मेवा कुमारी की पृष्ठभूमि चर्चा में है। उन्होंने पिछले वर्ष ही 12वीं कक्षा की परीक्षा उत्तीर्ण कर अपनी स्कूली शिक्षा पूरी की है। वह अनुसूचित जाति के सरगरा समाज से ताल्लुक रखती हैं। कम उम्र और हाल ही में स्कूली शिक्षा पूरी करने के बाद गांव की सबसे बड़ी निर्वाचित जिम्मेदारी संभालना उनके राजनीतिक सफर की एक नई शुरुआत है। पंचायती राज चुनाव में मेवा कुमारी की जीत ने यह दिखाया है कि ग्रामीण लोकतंत्र में युवा भी सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। जामठा पंचायत की पहली सरपंच के रूप में अब उनसे ग्रामीणों को विकास कार्यों और स्थानीय समस्याओं के समाधान को लेकर उम्मीदें रहेंगी। उनकी जीत के बाद पूरे क्षेत्र में उनकी चर्चा हो रही है।



जिस सड़क के लिए गांव ने जुटाया था चंदा, उसी ने उजाड़ दिए 8 परिवार

11 हजार केवी लाइन की चपेट में आने से 8 लोगों की दर्दनाक मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

झुंझुनूं। जिले के उदयपुरवाटी क्षेत्र के छापोली गांव में एक दर्दनाक हादसे ने पूरे प्रदेश को झकझोर कर रख दिया। जिस सड़क का निर्माण करवाने के लिए ग्रामीणों ने आपस में चंदा जुटाया था, उसी सड़क पर काम के दौरान हुए हादसे ने आठ परिवारों की खुशियां छीन लीं। सीमेंट मिक्सर मशीन को धक्का देकर दूसरी जगह ले जा रहे ग्रामीण और मजदूर अचानक 11 हजार केवी की हाईटेंशन बिजली लाइन की चपेट में आ गए। मशीन में करंट दौड़ने से आठ लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पांच अन्य घायल हो गए। मृतकों में सड़क निर्माण का काम कर रहे ठेकेदार विष्णु सैनी भी शामिल हैं। ग्रामीणों के मुताबिक, तीर्थस्थल कदम कुंड जाने वाला रास्ता लंबे समय से खराब हालत में था। सरकारी सहायता का इंतजार करने के बजाय गांव के लोगों ने आपसी सहयोग से चंदा इकट्ठा कर सीसी सड़क बनवाने का निर्णय लिया था। करीब तीन-चार महीने से सड़क निर्माण का काम चल रहा था, लेकिन बीच-बीच में कार्य रुक जाता था। सोमवार को भी निर्माण कार्य दोबारा शुरू हुआ था। ग्रामीणों ने बताया कि उन्होंने ठेकेदार विष्णु सैनी से हाथ जोड़कर काम शुरू करवाने का आग्रह किया था। निर्माण कार्य के दौरान सीमेंट मिक्सर मशीन को दूसरी जगह ले जाने की जरूरत पड़ी। घायल गिदाराम सैनी के अनुसार, मशीन को सभी लोग मिलकर धक्का देकर आगे ले जा रहे थे। इसी दौरान मशीन ऊपर से गुजर रही 11 हजार केवी की हाईटेंशन बिजली लाइन के संपर्क में आ गई। मशीन में करंट फैलते ही आसपास मौजूद लोग उसकी चपेट में आ गए। देखते ही देखते आठ लोगों की जान चली गई और पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में ठेकेदार विष्णु सैनी (38), हरिराम गुर्जर (30), मंगलचंद गुर्जर (22), कालूराम गुर्जर (29), पवन गुर्जर (23), सुरेंद्र उर्फ सुरेश सैनी (30), मुकेश सैनी (27) और नितेश सैनी (32) की मौत हो गई।



बिजली विभाग पर लापरवाही के आरोप

हादसे के बाद ग्रामीणों ने बिजली विभाग और प्रशासन पर गंभीर सवाल उठाए। ग्रामीणों का आरोप है कि 11 हजार केवी की बिजली लाइन पहले सड़क से दूर थी, लेकिन कुछ दिन पहले इसे बदलकर रास्ते के ऊपर से निकाल दिया गया। उनका कहना है कि बिजली के तार काफी नीचे थे। ग्रामीणों ने बिजली आपूर्ति बंद करवाने के लिए फोन भी किया था, लेकिन आरोप है कि जीएसएस पर कर्मचारी मौजूद नहीं था। ग्रामीणों के मुताबिक, सड़क निर्माण का काम पहले भी दो बार रुकवाया गया था। इसके बाद ग्रामीणों ने हाथ जोड़कर दोबारा काम शुरू करवाया था। अब इसी निर्माण कार्य के दौरान हुए हादसे ने पूरे गांव को गहरे सदमे में डाल दिया है।

शव रखकर धरने पर बैठे ग्रामीण, 21 सदस्यीय संघर्ष समिति गठित

हादसे के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने मृतकों के शव मौके पर रखकर धरना शुरू कर दिया। अपनी मांगों को प्रशासन तक पहुंचाने के लिए 21 सदस्यीय संघर्ष समिति बनाई गई। तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए गांव में पुलिस के साथ आरएसी के जवान भी तैनात किए गए। स्वायत्त शासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा मौके पर पहुंचे और संघर्ष समिति के सदस्यों से बातचीत की। कदम कुंड क्षेत्र में मोबाइल नेटवर्क उपलब्ध नहीं होने के कारण मंत्री और पूर्व विधायक शुभकरण चौधरी मोटरसाइकिल से स्टेट हाईवे पहुंचे। वहां से मुख्यमंत्री कार्यालय से संपर्क कर मृतकों के परिजनों की मांगों और हादसे की जानकारी दी। इससे पहले मंत्री ने अस्पताल पहुंचकर घायलों का हाल भी जाना।

मृतक परिवारों के लिए 20 से 25 लाख रुपये मुआवजे की मांग

हादसे में घायल महेंद्र सैनी, गीता देवी, संतरा देवी, गिदाराम सैनी और मंजू देवी का उपचार जारी है। सरकार की ओर से मृतकों के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से दो-दो लाख रुपये और घायलों के परिजनों को 50-50 हजार रुपये की सहायता दिए जाने की जानकारी दी गई। वहीं, पूर्व मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा ने प्रत्येक मृतक परिवार को 20 से 25 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की मांग उठाई। आठ लोगों की मौत के बाद छापोली गांव में मातम पसरा हुआ है। जिन हाथों ने पूरे गांव के लिए बेहतर रास्ता बनाने का सपना देखा था, उन्हीं हाथों के बीच हुए इस हादसे ने आठ परिवारों को हमेशा के लिए अपनों से जुदा कर दिया। हादसे का मुख्य तथ्य स्पष्ट करेंआरोपों को अधिक संतुलित लिखेंखबर को संक्षिप्त और प्रभावी करें।

गांधी सागर बांध से राजस्थान के सीमावर्ती गांवों तक नहरी पानी पहुंचाने का वादा अधूरा, दो साल बाद भी परियोजना अटकी

अशोक गहलोत ने भाजपा की डबल इंजन सरकार पर साधा निशाना

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कोटा। गांधी सागर बांध से रामगंजमंडी क्षेत्र के सीमावर्ती गांवों तक नहरी पानी पहुंचाने की महत्वाकांक्षी योजना दो साल बाद भी धरातल पर नहीं उतर पाई है। विधानसभा चुनाव के दौरान किए गए वादे के बाद इस परियोजना को लेकर शुरुआती हलचल जरूर शुरू हुई थी, लेकिन राजस्थान और मध्य प्रदेश के बीच अंतरराज्यीय सहमति नहीं बन पाने के कारण मामला आगे नहीं बढ़ सका। ऐसे में क्षेत्र के किसानों और ग्रामीणों को नहरी पानी मिलने का इंतजार लगातार लंबा होता जा रहा है। इस मुद्दे को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने भाजपा की डबल इंजन सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा चुनाव के दौरान बड़े-बड़े वादे करती है, लेकिन उन्हें पूरा करने के मामले में पीछे रह जाती है। गहलोत ने कहा कि वादे करना और उन्हें नहीं निभाना भाजपा की आदत बन गई है। वर्ष 2028 के विधानसभा चुनाव में जनता इन वादों का हिसाब मांगेगी और अपना जवाब भी देगी। अशोक गहलोत ने अपने सामाजिक माध्यम मंच एक्स पर लिखा कि भाजपा ने राजस्थान विधानसभा चुनाव के दौरान वादा किया था कि मध्य प्रदेश की रेवा सिंचाई परियोजना की तर्ज पर गांधी सागर बांध से राजस्थान के सीमावर्ती गांवों तक नहर के माध्यम से पानी पहुंचाया जाएगा। लेकिन दो साल बीत जाने के बाद भी यह परियोजना कागजों से आगे नहीं बढ़ सकी है। न तो राजस्थान और मध्य प्रदेश के बीच आवश्यक सहमति बनी है और न ही विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (डीपीआर) को मंजूरी मिल पाई है। गहलोत ने कहा कि दोनों राज्यों में भाजपा की सरकार होने के कारण उम्मीद थी कि अंतरराज्यीय स्तर पर सहमति बनने और परियोजना को आगे बढ़ाने का काम तेजी से होगा। इसके बावजूद डबल इंजन की सरकार दो साल में एक अंतरराज्यीय सहमति तक नहीं बना पाई। उन्होंने सवाल उठाया कि जब दोनों राज्यों में एक ही दल की सरकार है, तब भी परियोजना आगे क्यों नहीं बढ़ पा रही है। उन्होंने यमुना जल समझौते को लेकर भी भाजपा सरकार पर सवाल उठाए। गहलोत के अनुसार, यमुना जल समझौते के तहत 33 हजार करोड़ रुपये से अधिक की परियोजना से जुड़े कई महत्वपूर्ण काम अभी बाकी हैं। इनमें हरियाणा में जमीन अधिग्रहण, अलग कंपनी का गठन और केंद्र सरकार से धनराशि की मंजूरी जैसे कार्य शामिल हैं। गहलोत ने गांधी सागर परियोजना की धीमी प्रगति का हवाला देते हुए आशंका जताई कि कहीं यमुना का पानी भी शेखावाटी क्षेत्र तक पहुंचाने का वादा केवल कागजों तक ही सीमित न रह जाए। फिलहाल गांधी सागर बांध से रामगंजमंडी क्षेत्र के गांवों तक नहरी पानी पहुंचाने की योजना पर दोनों राज्यों के बीच सहमति और आगे की स्वीकृतियों का इंतजार बना हुआ है।



राजस्थान में महंगे डामर ने बिगाड़ा सड़कों की मरम्मत का गणित, 1100 करोड़ के टेंडर अटके

पश्चिम एशिया में तनाव के चलते डामर की कीमतों में 150 प्रतिशत तक उछाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। पश्चिम एशिया में जारी तनाव का असर अब राजस्थान की सड़कों के रख-रखाव और नवीनीकरण पर भी दिखाई देने लगा है। पेट्रोल-डीजल, रसोई गैस और अन्य क्षेत्रों में कीमतों पर असर पड़ने के बाद अब सड़क निर्माण में इस्तेमाल होने वाले डामर के दामों में भी भारी बढ़ोतरी हुई है। डामर की कीमतों में 150 प्रतिशत तक उछाल आने से प्रदेश की 16 महत्वपूर्ण टोल सड़कों के नवीनीकरण की योजना प्रभावित हो गई है। महंगे डामर के कारण ठेकेदारों ने निर्धारित दरों से काफी अधिक कीमत पर निविदाएं भरी हैं। इसके चलते 1100 करोड़ रुपये से अधिक के टेंडर अटक गए हैं। राजस्थान राज्य सड़क विकास निगम (आरएसआरडीसी) की ओर से प्रदेश की 16 टोल सड़कों के रख-रखाव और नवीनीकरण के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू की गई थी। इन सड़कों पर निर्धारित कार्यों के लिए अनुमानित लागत तय की गई थी, लेकिन पश्चिम एशिया में तनाव के बाद डामर के बाजार भाव में तेजी से बदलाव आया। इसके चलते निर्माण सामग्री की लागत बढ़ गई और ठेकेदारों ने अपनी दरें भी बढ़ा दीं। स्थिति यह रही कि कई टेंडर निर्धारित दरों से 26 प्रतिशत तक अधिक कीमत पर प्राप्त हुए। ऐसे में निगम के सामने इन टेंडरों को लेकर वित्तीय और प्रशासनिक चुनौती खड़ी हो गई है। इसका सीधा असर प्रदेश के सड़क नेटवर्क पर पड़ने की आशंका है। बारिश के बाद राजस्थान के कई स्टेट हाईवे और अन्य प्रमुख सड़कों की हालत पहले से ही खराब हो चुकी है। जगह-जगह सड़कें क्षतिग्रस्त होने और मरम्मत की जरूरत के बावजूद नवीनीकरण के काम में देरी हो रही है। जिन 16 टोल सड़कों के रख-रखाव और सुधार की योजना बनाई गई थी, उनके टेंडर अटकने से काम शुरू होने की प्रक्रिया प्रभावित हुई है। खराब सड़कों की परेशानी आम वाहन चालकों को भी उठानी पड़ रही है। रोजाना इन मार्गों से गुजरने वाले लाखों वाहन चालकों को सड़क की खराब स्थिति के बावजूद पूरा टोल चुकाना पड़ रहा है। खस्ताहाल सड़कों पर सफर करने से वाहनों को नुकसान पहुंचने का खतरा बना रहता है। इसके बावजूद यात्रियों की जेब पर टोल का पूरा बोझ पड़ रहा है। डामर की कीमतों में अचानक आई भारी बढ़ोतरी ने सड़क नवीनीकरण की लागत का पूरा गणित बदल दिया है। अब 1100 करोड़ रुपये से अधिक के अटके टेंडरों को लेकर आगे क्या निर्णय लिया जाता है, इस पर इन सड़कों की मरम्मत और सुधार कार्यों की गति निर्भर करेगी। फिलहाल महंगे डामर के कारण प्रदेश की 16 टोल सड़कों के नवीनीकरण पर संकट बना हुआ है।

राजस्थान में महिला का अपहरण कर छह महीने तक बनाया बंधक, नशीली गोलियां देकर दुष्कर्म का आरोप

छूटने के बाद महिला ने सुनाई आपबीती, गंभीर हालत में अस्पताल में कराया भर्ती

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। प्रदेश से महिला के अपहरण और छह महीने तक बंधक बनाकर उसके साथ यौन उत्पीड़न किए जाने का गंभीर मामला सामने आया है। आरोप है कि महिला को अज्ञात स्थान पर कैद रखकर नियमित रूप से नशीली दवाएं और गोलियां दी जाती थीं। नशे की हालत में रखकर आरोपियों ने कई महीनों तक उसके साथ दुष्कर्म किया। घटना का खुलासा होने के बाद इलाके में आक्रोश और चिंता का माहौल है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, आरोपियों ने महिला को कथित तौर पर बहला-फुसलाकर या जबरन अपने कब्जे में लिया और एक बंद मकान में बंधक बना लिया। महिला विरोध न कर सके और वहां से भागने की कोशिश न करे, इसके लिए उसे खाने में नशीली दवाएं और तेज असर वाली गोलियां दी जाती थीं। आरोप है कि इसी दौरान उसके साथ लगातार अमानवीय व्यवहार किया गया। छह महीने तक बंधक रहने के बाद महिला किसी तरह आरोपियों के चंगुल से मुक्त हुई। इसके बाद उसने अपने परिवार और पुलिस के सामने पूरी घटना बताई। लंबे समय तक नशीली दवाओं और शारीरिक यातनाओं का सामना करने के कारण उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामले की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने अपहरण, दुष्कर्म और अवैध रूप से बंधक बनाने सहित अन्य गंभीर आरोपों में मामला दर्ज किया है। पुलिस आरोपियों और इस वारदात में उनकी मदद करने वाले लोगों की पहचान करने में जुटी है। संभावित ठिकानों पर तलाश की जा रही है। पुलिस का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और पीड़िता के बयान तथा अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल घटना के स्थान, आरोपियों की संख्या और वारदात से जुड़ी अन्य परिस्थितियों की आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है।

राजस्थान में बदला मौसम का मिजाज, दिन में सुहानी धूप तो रात में कम हुई ठंड; माउंट आबू सबसे ठंडा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। राजस्थान में इन दिनों मौसम के मिजाज में बदलाव देखने को मिल रहा है। प्रदेश के अधिकांश शहरों में रविवार को दिन का तापमान सामान्य से नीचे दर्ज किया गया, जबकि रात के तापमान में बढ़ोतरी देखने को मिली। बाड़मेर को छोड़कर राज्य के सभी शहरों में अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस से कम रहा। दिन में धूप खिलने के बावजूद मौसम सुहावना बना रहा, वहीं कई इलाकों में रात के समय ठंड का असर भी पहले की तुलना में कम हुआ है। मौसम के इस बदलाव के बीच माउंट आबू प्रदेश का सबसे ठंडा इलाका रहा। यहां न्यूनतम तापमान 12.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। दूसरी ओर उत्तर-पश्चिमी राजस्थान के श्रीगंगानगर, बीकानेर, जैसलमेर, फलोदी और बाड़मेर सहित कई जिलों में रात के समय ठंडक अपेक्षाकृत कम रही। इन इलाकों में न्यूनतम तापमान सामान्य से 2 से 4 डिग्री सेल्सियस तक अधिक दर्ज किया जा रहा है। रविवार को बाड़मेर प्रदेश का सबसे गर्म शहर रहा, जहां अधिकतम तापमान 35.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। जैसलमेर में 34.8, चित्तौड़गढ़ में 33.8, पिलानी में 33.1, फतेहपुर में 33, नागौर और चूरू में 32.8 तथा श्रीगंगानगर में 32.6 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। चूरू, बीकानेर, फलोदी, जोधपुर, उदयपुर, कोटा, जयपुर और अजमेर में दिन का तापमान सामान्य से नीचे रहा। भरतपुर और कोटा संभाग के कुछ इलाकों में रविवार सुबह हल्की धुंध देखने को मिली। हालांकि, सूरज निकलने के साथ ही धुंध छंटने लगी और आसमान साफ हो गया। जयपुर, जोधपुर, अजमेर और बीकानेर संभाग में दिनभर आसमान साफ रहने से धूप खिली रही।



निवाई के पूर्व विधायक प्रशांत बैरवा के बयान से गरमाई सियासत, बोले- प्रधान और जिला प्रमुख कांग्रेस का बनाओ,

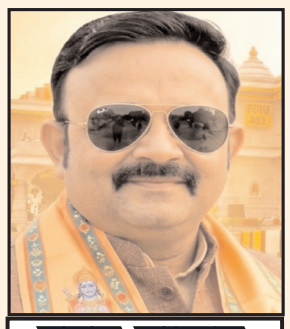
महानगर मेट्रो ब्यूरो

टोंक। निवाई के पूर्व विधायक प्रशांत बैरवा ने पंचायत चुनाव को लेकर दिए अपने बयान से जिले की सियासत में हलचल मचा दी है। रविवार शाम करीब 5 बजे टोंक के पहाड़ी कट क्षेत्र में पत्नी सुषमा बैरवा के चुनाव कार्यालय के उद्घाटन समारोह में उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं और समर्थकों से पंचायत समिति सदस्य तथा जिला परिषद सदस्य के चुनाव में प्रत्याशियों को जिताने की अपील की। इस दौरान उन्होंने भाजपा को निशाने पर लेते हुए कहा कि यदि प्रधान कांग्रेस का बनाया तो भाजपा की ईंट से ईंट बजा देंगे और जिला प्रमुख कांग्रेस का बैठाया तो जूते भी दे देंगे। हालांकि, उन्होंने अपने बयान में यह भी कहा कि जूते किसके देंगे, यह उन्हें खुद पता नहीं है। प्रशांत बैरवा ने अपने संबोधन में निवाई के वर्तमान विधायक को भी चेतावनी भरे अंदाज में निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि निवाई का विधायक तो पिटता ही पिटता है और वर्तमान विधायक के भी दो साल बचे हैं। उन्होंने आगे कहा कि वर्तमान विधायक से भी कहेंगे कि भाई साहब, बचकर रहना। बैरवा ने स्पष्ट किया कि उनका यह बयान अधिकारियों को लेकर नहीं है। उन्होंने कहा कि अधिकारियों से तो हाथ जोड़-जोड़कर काम करवा लेते हैं। पूर्व विधायक ने अपने पिछले चुनावी अनुभवों का जिक्र करते हुए कहा कि चुनाव के दौरान वह पूरी तरह लोगों के बीच नहीं जा पाए थे। उन्होंने समर्थकों से पंचायत समिति सदस्य और जिला परिषद सदस्य के प्रत्याशियों को जिताने की अपील करते हुए चुनाव में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में पूर्व प्रधान चंद्रकला गुर्जर ने भी केंद्र की भाजपा सरकार पर निशाना साधा।



सम्पादकीय

राजकोट में शराब पार्टी पर रेड और अब...?
क्या गुजरात में शराब बैन सिर्फ़ कागज़ों पर है या कानून सिर्फ़ गरीबों के लिए है?
उठ रहे सवाल और लोगों में गुस्सा



पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

हाल ही में कल्चरल शहर माने जाने वाले राजकोट में एक हाई-प्रोफाइल शराब पार्टी पर पुलिस रेड की घटना के बाद पूरे गुजरात की पॉलिटिक्स और सोशल ताने-बाने में भूचाल आ गया है। इस रेड ने राज्य में कागज़ों पर चल रहे शराब बैन के दावों की हवा निकाल दी है। घटना के बाद आम जनता से लेकर सोशल मीडिया तक हर जगह एक ही सवाल गूंज रहा है - 'राजकोट में शराब पार्टी पर रेड और अब आगे क्या...???' इस चैप्टर के सामने आने के बाद पूरे राज्य से जो रिएक्शन और लोगों में गुस्सा सामने आ रहा है, उसने एडमिनिस्ट्रेशन और सरकार की पॉलिसी पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जनता और अलग-अलग तबकों से उठ रही आवाज़ों को देखते हुए, गुजरात के सिक्योरिटी **सिस्टम पर एक काला धब्बा लग गया है। जनता और विपक्षी पार्टियों के तीखे सवाल और रिएक्शन:**

1. बैन पूरी तरह हटाओ:
गुजरात में कागज़ पर ड्राई स्टेट (बैन) के दावे खोखले साबित हो रहे हैं। जब हर घर, फार्महाउस और होटल में बेलगाम शराब की नदियां बह रही हैं, तो ईमानदार नागरिकों का एक ही सवाल है कि जब कानून सख्ती से लागू नहीं हो रहा है, तो यह दिखावटी बैन पूरी तरह क्यों नहीं हटाया जा रहा और ढील क्यों दी जा रही है?

2. जांच के नाम पर 'एक्सटॉर्शन' बंद करो:
आरोप लग रहे हैं कि पुलिस या जांच एजेंसियों द्वारा पकड़े गए बड़े मामलों में असली मास्टरमाइंड तक पहुंचने के बजाय, सिर्फ कागज़ों पर बहीखाता रखकर 'सेटिंग' के नाम पर किश्तों और वसूली का खेल खेला जा रहा है। जांच के नाम पर ये भ्रष्ट एक्सटॉर्शन अब बंद होने चाहिए।

3. सभी आरोपियों की पब्लिक में परेड करवाएं:
जब आम क्रिमिनल या आम शराब तस्कर पकड़े जाते हैं, तो पुलिस तुरंत उनकी परेड करवाने में बहुत जोश दिखाती है, लेकिन जब हाई-प्रोफाइल या राजनीतिक रूप से असरदार अमीर लोगों के बेटे शराब पार्टी में पकड़े जाते हैं, तो पुलिस नरम क्यों पड़ जाती है? कानून का डर पैदा करने के लिए सभी हाई-प्रोफाइल आरोपियों की पब्लिक में परेड क्यों नहीं करवाई जाती?

4. बहन-बेटियों को इस तरह बदनाम न करें:
शराब पार्टी पर रेड के बाद, उसमें मौजूद लड़कियों और महिलाओं की पहचान कई सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और कई मीडिया आउटलेट्स पर सामने आई है, जिससे समाज में भारी गुस्सा है। कानूनी जांच हो रही है, लेकिन किसी भी महिला या बेटी की प्राइवेसी और इज्ज़त से समझौता करके उसे बदनाम करने का हक किसी को नहीं है।

5. बड़े पुलिस अधिकारियों के बीच 'सेटिंग':
राजकोट में हुई इस हाई-प्रोफाइल घटना के पीछे लोकल पुलिस स्टेशन और बड़े अधिकारियों के बीच अंदरूनी झगड़े और 'मलाइदार वेटिंग' या 'सेटिंग' के समीकरण काम करने की ज़ोरदार चर्चाएं हैं। यह पता लगाने के लिए कि किस अधिकारी ने किसे बचाने के लिए फाइलें दबाई, न्यायिक जांच ज़रूरी हो गई है।

6. क्या यह रेड ज़मीन के झगड़े या ज़बरदस्ती वसूली में की गई थी?:
इस पार्टी रेड के बारे में एक नया खुलासा हो रहा है कि यह कोई रेगुलर शराब विरोधी ड्राइव नहीं थी, बल्कि पूरी रेड जानबूझकर दो ग्रुप के बीच दुश्मनी, ज़मीन के झगड़े या पैसे के लेन-देन और ज़बरदस्ती वसूली के खेल की जानकारी फैलाकर की गई थी। अगर यह सच है, तो यह सबसे डरावना संकेत है कि पुलिस सिस्टम का गलत इस्तेमाल निजी फ़ायदों के लिए किया जा रहा है।

7. गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी को इस्तीफ़ा देना चाहिए:
गुजरात में सख्त कानूनी सिस्टम और शराब तस्करों पर नकेल कसने के बड़े-बड़े दावे खोखले साबित होने के बाद, विपक्षी नेता और जनता अब सीधे तौर पर यह मांग उठा रहे हैं कि अगर पुलिस सिस्टम पर कोई पॉलिटिकल कंट्रोल नहीं है और हाई-प्रोफाइल पार्टियां खुलेआम हंगामा कर रही हैं, तो गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी को नैतिक ज़िम्मेदारी लेते हुए अपने पद से इस्तीफ़ा दे देना चाहिए। नतीजा: क्या कानून सिर्फ़ कागज़ों पर और गरीबों के लिए है? इस सारी स्थिति और जनता के रिएक्शन से यह साफ़ हो जाता है कि गुजरात में शराबबंदी कानून आज सिर्फ़ गरीब मज़दूरों और छोटे तस्करों तक ही सीमित होता जा रहा है, जबकि पैसे और पहुँच वाले हाई-प्रोफ़ाइल लोगों के लिए यह कानून सिर्फ़ एक मज़ाक बन गया है। राजकोट की इस घटना ने साबित कर दिया है कि सिस्टम में कहीं न कहीं बड़ी सड़ांध है। अब देखना यह है कि सरकार इस मामले में कोई सख्त और मिसाल देने वाले कदम उठाती है या यह मामला भी कागज़ों पर बने कानून की तरह धूल फांकता रहेगा!

आज का राशिफल
(मंगलवार) 03 नवम्बर 2026

मेष — आज का दिन ऊर्जा और उत्साह से भरा रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी योजनाओं को सराहा जाएगा और सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा।

वृषभ — धैर्य बनाए रखने का दिन है। काम के सिलसिले में भागदौड़ बढ़ सकती है, जिससे थोड़ा तनाव महसूस हो सकता है।

मिथुन — आज आपको कोई अच्छी खबर या नए अवसर मिल सकते हैं। व्यावसायिक दृष्टि से दिन लाभदायक रहेगा।

कर्क — नौकरी और व्यापार में प्रगति के संकेत हैं। उच्च अधिकारियों से सराहना मिल सकती है। पुराने रुके हुए काम पूरे होने से मन प्रसन्न रहेगा।

सिंह — भाग्य का साथ मिलेगा। धार्मिक या सामाजिक गतिविधियों में आपकी रुचि बढ़ेगी। यात्रा के योग बन रहे हैं जो फलदाई रहेंगे।

कन्या — आपको थोड़ी सावधानी बरतने की जरूरत है। जल्दबाज़ी में कोई बड़ा फैसला न लें। कार्यक्षेत्र में वाद-विवाद से दूर रहने का प्रयास करें।

तुला — दाम्पत्य जीवन और व्यक्तिगत संबंधों में मधुरता रहेगी। साझीदारी के कामों में अच्छा लाभ हो सकता है।

वृश्चिक — प्रतिस्पर्धियों पर बढ़त बनाएंगे और काम में मन लगेगा। पुराने कर्ज़ या समस्याओं से राहत मिल सकती है। दिनचर्या में अनुशासन बनाए रखें।

धनु — रचनात्मक और बौद्धिक कार्यों के लिए दिन बहुत बढ़िया है। विद्यार्थियों को पढ़ाई में सफलता मिलेगी। पुराने निवेश से फायदा हो सकता है।

मकर — पारिवारिक मामलों पर ध्यान देने की आवश्यकता होगी। घर में शांति बनाए रखने के लिए संयम से काम लें।

कुंभ — आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। छोटे भाई-बहनों का सहयोग मिलेगा और छोटी दूरी की यात्रा संभव है। नेटवर्क और संपर्क का विस्तार होगा।

मीन — धन लाभ और वाणी में मिठास का दिन है। बचत योजनाओं पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। खान-पान में नयापन और आनंद मिलेगा।

श्रीमद् भगवद् गीता श्रृंखला: अध्याय-15 (पुरुषोत्तम योग)
पद, प्रतिष्ठा और संपत्ति से परे: आखिरकार मनुष्य का सच्चा अस्तित्व क्या है?



मनुष्य पूरी जिंदगी संसार की डालियों को पकड़े रहता है, लेकिन मुक्ति तब मिलती है जब वह आसक्ति के बंधनों को काटना सीखता है।

उलटा अश्वत्थ वृक्ष: संसार का सबसे बड़ा रहस्य!

अध्याय 13 में हमने शरीर (क्षेत्र) और आत्मा (क्षेत्रज्ञ) के बीच का भेद समझा। अध्याय 14 में प्रकृति के तीन गुणों द्वारा अपने स्वभाव और व्यवहार का रहस्य जाना। अब अध्याय 15 में भगवान श्रीकृष्ण संपूर्ण संसार की रचना का एक अद्भुत रहस्य समझाते हैं। श्रीकृष्ण संसार की तुलना एक उलटे अश्वत्थ (पीपल) वृक्ष से करते हैं, जिसकी जड़ें ऊपर हैं और डालियां नीचे फैली हुई हैं। सामान्य वृक्ष की जड़ें जमीन में और डालियां आकाश की ओर होती हैं, लेकिन यहाँ श्रीकृष्ण संसार को उलटे वृक्ष के रूप में वर्णित करते हैं। इसका मूल परमात्मा में है और इसकी शाखाएं संपूर्ण संसार, संबंधों, इच्छाओं, कर्मों और भौतिक जीवन में फैली हुई हैं। नदी के पानी में खड़े वृक्ष का प्रतिबिंब देखिए। वास्तविक वृक्ष ऊपर होता है, लेकिन पानी में उसका प्रतिबिंब उलटा दिखाई देता है। उसी तरह इस भौतिक संसार को परम तत्त्व के आधार पर समझाया जा सकता है। हम प्रतिबिंब को ही वास्तविकता मानकर उसमें उलझ जाते हैं और मूल सत्य को भूल जाते हैं। मनुष्य पूरी जिंदगी घर बनाने, संपत्ति इकट्ठी करने, पद पाने और समाज में अपनी पहचान बनाने में बिता देता है। लेकिन जिस शरीर के लिए इतनी भागदौड़ करता है, वह शरीर भी एक दिन नाशवान है। हम डालियों को अपना सर्वस्व मान बैठे हैं, जबकि हमारा सच्चा अस्तित्व तो उसकी जड़ों को पहचानने में निहित है।

संसार का बंधन वस्तुओं में नहीं, आसक्ति में है!

इस संसार रूपी वृक्ष को प्रकृति के तीन गुण - सत्त्व, रजस और तमस पोषित करते हैं। इसकी शाखाओं का विस्तार इच्छाओं, कर्मों और विषय-वासनाओं द्वारा होता रहता है। एक इच्छा पूरी होती है तो दूसरी इच्छा जन्म लेती है। संपत्ति मिले तो और संपत्ति चाहिए, पद मिले तो और ऊँचा पद चाहिए और प्रशंसा मिले तो निरंतर प्रशंसा की अपेक्षा रहती है। इस दौड़ का कोई अंत नहीं है! एक व्यक्ति पूरी जिंदगी अपने परिवार के लिए मेहनत करता है। बच्चों को पढ़ाता है, घर बनाता है और संपत्ति इकट्ठी करता है। यह सब कर्तव्य है। लेकिन जब वह अपनी खुशी और शांति को केवल बच्चों की सफलता के साथ जोड़ देता है, तब अपेक्षाओं का बंधन शुरू होता है। संतान अपनी पसंद का मार्ग चुने तो दुख, अपनी इच्छा के अनुसार न चले तो क्रोध और अपनी बात न माने तो रिश्तों में कड़वाहट! प्रेम धीरे-धीरे अधिकार में और अधिकार आसक्ति में बदल जाता है। यही मोह है। श्रीकृष्ण इस मोह रूपी वृक्ष को काटने के लिए 'असंग शस्त्र' यानी अनासक्ति और वैराग्य का शस्त्र बताते हैं। यहाँ वैराग्य का अर्थ घर-परिवार छोड़कर जंगल में जाना नहीं है। वैराग्य यानी संसार में रहकर भी संसार के मोह में न बंधना। रिश्ते निभाएं, लेकिन मालिकाना हक न रखें। संपत्ति कमाएं, लेकिन अहंकार न रखें। कर्तव्य निभाएं, लेकिन आसक्ति के गुलाम न बनें।

वैराग्य का अर्थ भागना नहीं, मोह पर जीत हासिल करना है!

बहुत से लोग मानते हैं कि आध्यात्मिक बनने का अर्थ दुनिया से दूर हो जाना है। लेकिन गीता हमें जिम्मेदारियों से भागना नहीं, बल्कि जिम्मेदारियों के बीच निर्लेप रहना सिखाती है। राजा जनक इसके उत्तम उदाहरण हैं। वे विशाल राज्य का संचालन करते थे, फिर भी आंतरिक रूप से आसक्ति से परे थे। इसलिए उन्हें 'विदेही' कहा जाता है। हम भी जीवन में संपत्ति कमाएं, लेकिन संपत्ति का अहंकार हमें न चलाए। पद पाएं, लेकिन पद हमारे व्यक्तित्व को न निगल जाए। रिश्ते निभाएं, लेकिन अपेक्षाओं के बोझ से अपनी शांति न खोएं। वस्तुओं का उपयोग करें, लेकिन वस्तुओं को अपनी पहचान न बनने दें। संसार में रहना बंधन नहीं है, लेकिन संसार को ही अपना सर्वस्व मान लेना बंधन है।

क्षर, अक्षर और पुरुषोत्तम: अस्तित्व के तीन महान सत्य!

(1) क्षर पुरुष - जिसका क्षय होता है:
यह संपूर्ण नाशवान भौतिक जगत है। शरीर, संपत्ति, पद, प्रतिष्ठा और दुनिया की तमाम भौतिक वस्तुएं परिवर्तनशील हैं। आज जो सत्ता और सम्मान हमारे हाथ में है, वह कल किसी और के हाथ में हो सकता है।
एक अधिकारी को अपने पद का इतना अहंकार हो कि उसके आस-पास के लोग उसे सम्मान देते हैं इसलिए वह खुद को महान समझने लगे। लेकिन सेवानिवृत्ति के बाद पद चला जाता है और उसे समझ आता है कि पद और व्यक्तिगत व्यक्तित्व दोनों अलग हैं। पद स्थायी नहीं है, लेकिन पद पर रहकर बनाया गया व्यक्तित्व लंबे समय तक याद रहता है।

(2) अक्षर पुरुष - अविनाशी जीवात्मा:
शरीर नाशवान है, लेकिन आत्मा अविनाशी है। जीवात्मा शरीर से अलग है और शरीर के नाश से उसका नाश नहीं होता। जैसे मनुष्य पुराने वस्त्र बदलकर नए वस्त्र धारण करता है, वैसे ही आत्मा भी पुराना शरीर छोड़कर नया शरीर धारण करती है। यह समझ हमें शरीर की तुलना में आत्मा की पहचान का महत्त्व समझाती है।

(3) पुरुषोत्तम - सर्वोच्च परम तत्त्व:
क्षर और अक्षर दोनों से परे जो सर्वोच्च परमात्मा हैं, वे पुरुषोत्तम हैं। श्रीकृष्ण स्वयं को इस सर्वोच्च पुरुषोत्तम के रूप में पहचानते हैं। सूर्य को प्रकाश देने वाले, चंद्रमा में शीतलता देने वाले और संपूर्ण सृष्टि को धारण करने वाले परम तत्त्व वही हैं। जैसे एक ही बिजली के आधार पर घर में पंखा, लाइट और अन्य उपकरण अलग-अलग कार्य करते हैं, वैसे ही संपूर्ण सृष्टि में अनेक रूपों और विविधताओं के होने के बावजूद उसका मूल आधार एक ही परमात्मा है। रूप अनेक हैं, लेकिन मूल तत्त्व एक है। यही पुरुषोत्तम योग की गहरी समझ है।

आत्मा की यात्रा: शरीर बदलता है, संस्कारों की यात्रा जारी रहती है!

इस अध्याय में श्रीकृष्ण जीवात्मा की एक महत्त्वपूर्ण बात समझाते हैं। जैसे हवा अपने साथ फूलों की सुगंध ले जाती है, वैसे ही जीवात्मा एक शरीर छोड़ते समय मन और इंद्रियों के संस्कारों को अपने साथ ले जाती है और दूसरे शरीर में प्रवेश करती है। मनुष्य जैसा सोचता है, जैसे कर्म करता है और जैसी वृत्तियां विकसित करता है, वह उसके आध्यात्मिक अस्तित्व के साथ जुड़ी रहती हैं। इसलिए जीवन केवल भौतिक सुख इकट्ठा करने की यात्रा नहीं है, बल्कि अपने विचारों, कर्मों और चेतना को शुद्ध करने की यात्रा भी है। शरीर का अंत होता है, लेकिन आत्मा की यात्रा शरीर के अंत के साथ समाप्त नहीं होती।

ईश्वर केवल मंदिर में नहीं, हमारे हृदय में भी हैं!

इस अध्याय का अत्यंत सुंदर संदेश यह है कि परमात्मा संपूर्ण सृष्टि में व्याप्त हैं और प्रत्येक जीव के हृदय में निवास करते हैं। स्मृति, ज्ञान और विस्मृति का आधार भी वही हैं। कृष्ण कहते हैं कि मैं ही पृथ्वी में प्रवेश करके सभी जीवों को धारण करता हूँ और चंद्र रूप में औषधियों को पोषण देता हूँ। सूर्य का तेज भी मेरा ही है। हम अक्सर सुख में ईश्वर को भूल जाते हैं और मुश्किल आने पर उन्हें याद करते हैं। मानो ईश्वर केवल मुश्किल के समय ही याद करने के लिए हों! लेकिन सच्ची भक्ति वह है कि सुख में अहंकार न आए और दुख में श्रद्धा न टूटे। एक व्यक्ति को अचानक बड़ा व्यावसायिक लाभ होता है। वह अपनी बुद्धि और मेहनत की ही महिमा गाने लगता है। लेकिन जब मुश्किल आती है तब उसे समझ आता है कि जीवन में हर बात केवल हमारे नियंत्रण में नहीं है। मेहनत करना हमारे हाथ में है, लेकिन हर परिणाम को नियंत्रित करना हमारे हाथ में नहीं है। ईश्वर को केवल मुश्किल में याद करना श्रद्धा की शुरुआत है, लेकिन हर परिस्थिति में उनकी उपस्थिति का अनुभव करना आध्यात्मिक जागृति है।

सबसे बड़ा अंधकार अज्ञान का है!

हम दूसरों की गलतियां तुरंत देख लेते हैं, लेकिन अपने अंदर मौजूद मोह, अहंकार और स्वार्थ को पहचान नहीं पाते। दूसरों की संपत्ति देखकर ईर्ष्या होती है, दूसरों की सफलता देखकर दुख होता है और कोई हमसे आगे निकल जाए तो मन में असंतोष पैदा होता है। लेकिन क्या कभी खुद से पूछते हैं कि मैं जो पाने के लिए दौड़ रहा हूँ, वह सच में मेरी जरूरत है या केवल मेरी इच्छा? यही प्रश्न हमें आत्मचिंतन की ओर ले जाता है। हम पूरी जिंदगी वृक्ष के पत्तों को पानी पिलाते हैं, लेकिन जड़ों को भूल जाते हैं। जब वृक्ष को सचमुच हरा-भरा रखना हो तो पानी जड़ों में डालना पड़ता है। उसी तरह केवल बाहरी सफलता, संपत्ति और प्रतिष्ठा के पीछे दौड़ने से जीवन में सच्ची शांति नहीं मिलती। आंतरिक चेतना और परमात्मा के साथ जुड़ाव ही जीवन को सही दिशा देता है। जो अपनी इच्छाओं पर विजय प्राप्त नहीं कर सकता, वह दुनिया जीतकर भी अंदर से पराजित ही रहता है।

डालियों को नहीं, जड़ों को पहचानें!

पुरुषोत्तम योग हमें जीवन के तीन महत्त्वपूर्ण सत्य समझाता है: जो नाशवान है उसे स्थायी मानकर अहंकार न करना। शरीर से अलग रहने वाली अविनाशी आत्मा को पहचानना। संपूर्ण सृष्टि के सर्वोच्च आधार स्वरूप परमात्मा के साथ जुड़ना। जीवन में सब कुछ पाएं, लेकिन सब कुछ अपना है ऐसा मोह न रखें। रिश्ते निभाएं, लेकिन अपेक्षाओं में अपनी शांति न खोएं। सफलता प्राप्त करें, लेकिन अहंकार में अपनी पहचान न भूलें। क्योंकि एक दिन पद, पैसा, प्रतिष्ठा और भौतिक सुख सब पीछे रह जाएगा। तब आपके साथ क्या जाएगा?

आपके कर्म और आत्मा की आध्यात्मिक यात्रा!

संसार की डालियों पर जीवन बिताना आसान है, लेकिन अपने अस्तित्व की जड़ों तक पहुंचना ही सच्ची आध्यात्मिक सिद्धि है। यही पुरुषोत्तम योग का अमूल्य संदेश है!

आगामी अध्याय 16 (दैवासुर संपद् विभाग योग) में हम जानेंगे:
'मनुष्य के अंदर ही देवत्व और आसुरी वृत्तियों का संघर्ष क्यों चलता है? अभय, सत्य, दया और विनम्रता जैसे दैवी गुण हमें उन्नति की ओर कैसे ले जाते हैं? और अहंकार, क्रोध, दंभ तथा लोभ जैसी आसुरी वृत्तियां मनुष्य के पतन का कारण कैसे बनती हैं? '

- दर्शना पटेल
(नेशनल मेडलिस्ट, नेशनल अवार्ड से सम्मानित)
स्पोर्ट्स टीचर।

'25 करोड़ घुसपैठियों को देश से बाहर निकालकर दिखाइए, फिर सलाम करूंगा!': एसआईआर और मतदाता सूची विवाद पर केंद्र सरकार से तीखे सवाल

अमित शाह के बयान के बाद बहस तेज, विश्लेषण...

देश में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर राजनीतिक बहस लगातार तेज होती जा रही है। इसी बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के हालिया बयान ने इस विवाद को और हवा दे दी है। 13 अक्टूबर 2026 को आयोजित पत्रकार वार्ता में शाह ने आरोप लगाया था कि राहुल गांधी घुसपैठियों का बचाव कर रहे हैं। उन्होंने यह दावा भी किया कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन 2029 के लोकसभा चुनाव में भारी बहुमत के साथ सत्ता में वापसी करेगा। इस बयान के बाद सवाल उठ रहे हैं कि घुसपैठ का मुद्दा राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा है या इसके राजनीतिक निहितार्थ भी हैं? एसआईआर की प्रक्रिया के दौरान बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम सूची से हटाए जाने को लेकर भी विवाद सामने आया है। लेख में प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार, लगभग 95.40 करोड़ मतदाताओं की जांच के दौरान 13.39 करोड़ नाम हटाए जाने का दावा किया गया है। यदि इन आंकड़ों को आधार माना जाए तो हटाए गए नामों का अनुपात करीब 14 प्रतिशत बैठता है। हालांकि, मतदाता सूची से नाम हटने का अर्थ यह नहीं है कि संबंधित व्यक्ति घुसपैठिया है। नाम हटने के पीछे मृत्यु, स्थान परिवर्तन, दोहरी प्रविष्टि, दस्तावेजों की कमी या अन्य कारण भी हो सकते हैं। इसलिए इन आंकड़ों को सीधे अवैध प्रवासियों की संख्या बताना उचित नहीं होगा। लेख में यह सवाल भी उठाया गया है कि यदि हटाए गए मतदाताओं के परिवारों और नाबालिग बच्चों को जोड़कर देश में 25 से 30 करोड़ घुसपैठियों की मौजूदगी का दावा किया जा रहा है, तो इस अनुमान का ठोस आधार क्या है? क्या इतनी बड़ी संख्या में अवैध प्रवासी देश में रह रहे हैं, और यदि ऐसा है तो सरकार के पास उनकी पहचान तथा निष्कासन की क्या योजना है? इतने गंभीर दावे केवल अनुमान के आधार पर नहीं, बल्कि प्रमाणित आंकड़ों से स्पष्ट होने चाहिए। दूसरी ओर, केंद्र सरकार और भाजपा लंबे समय से घुसपैठ को राष्ट्रीय सुरक्षा का गंभीर मुद्दा बताती रही हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि यदि देश में अवैध प्रवासियों की संख्या इतनी बड़ी है, तो अब तक उनके खिलाफ कितनी प्रभावी कार्रवाई हुई है? पश्चिम बंगाल सहित सीमावर्ती राज्यों में मतदाता सूची से नाम हटाए जाने की प्रक्रिया को लेकर भी विवाद है। लेकिन मतदाता सूची से नाम हटाना और किसी व्यक्ति को अवैध प्रवासी साबित करना दो अलग-अलग कानूनी प्रक्रियाएं हैं। सरकार को इन दोनों के बीच अंतर स्पष्ट करना चाहिए। पड़ोसी देशों की जनसंख्या के आधार पर भी लेख में घुसपैठ के दावों पर सवाल उठाए गए हैं। बांग्लादेश, पाकिस्तान और नेपाल जैसे देशों से भारत में आने वाले लोगों की वास्तविक संख्या, उनके आने के कारण और कानूनी स्थिति का प्रमाणिक विवरण सामने आना चाहिए। नेपाल के नागरिकों के लिए भारत में आवाजाही के विशेष प्रावधान हैं, जबकि अन्य देशों के नागरिकों के मामले में अलग-अलग कानूनी नियम लागू होते हैं। ऐसे में सभी को एक ही श्रेणी में रखना सही नहीं होगा। विवाद का एक महत्वपूर्ण पहलू चुनाव आयोग की जवाबदेही और उसके अधिकारियों को मिलने वाला कानूनी संरक्षण भी है। चुनाव आयोग की स्वतंत्रता और निष्पक्षता लोकतंत्र की बुनियादी शर्त है। इसलिए आयोग के फैसलों, मतदाता सूची में बदलाव और अधिकारियों की जवाबदेही को लेकर उठने वाले सवालों का पारदर्शी तरीके से जवाब दिया जाना जरूरी है। किसी भी संवैधानिक संस्था पर सवाल उठने की स्थिति में तथ्यों और कानूनी प्रक्रिया के आधार पर स्पष्टीकरण मिलना चाहिए। आखिरकार, सवाल केवल राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप का नहीं, बल्कि देश की सुरक्षा, नागरिकों के अधिकार और लोकतांत्रिक व्यवस्था पर जनता के भरोसे का है। यदि सरकार के पास करोड़ों घुसपैठियों की मौजूदगी के प्रमाण हैं तो उन्हें सार्वजनिक कर कानूनी कार्रवाई की जानकारी देनी चाहिए। और यदि आंकड़ों को लेकर भ्रम है तो उसे भी दूर करना चाहिए। देश की जनता को केवल बड़े-बड़े दावे नहीं, बल्कि प्रमाण, पारदर्शिता और ठोस कार्रवाई चाहिए। 25 करोड़ घुसपैठियों का दावा करने वालों से यही सवाल है—यदि यह आंकड़ा सही है तो उन्हें देश से बाहर निकालने की ठोस योजना और अब तक हुई कार्रवाई का हिसाब भी सामने आना चाहिए।

जनता की आँखों में धूल झोंककर गद्दी पर बैठने वाले झूठे शासक: क्या ये इंसान जैसे राक्षस आतंकवादियों से ज़्यादा खतरनाक और देश के लिए श्राप हैं?

किसी भी देश की तबाही बाहरी दुश्मनों की गोलियों से नहीं, बल्कि उन मतलबी और पाखंडी शासकों के काले कारनामों से होती है जो गद्दी पर बैठकर देश की जनता के पवित्र भरोसे के साथ धोखा करते हैं, जो अपनी ईगो और कुर्सी बचाने के लिए दिनदहाड़े खुलेआम झूठ बोलते हैं। आज के मॉडर्न और डेमोक्रेटिक दौर में, पूरे देश के जागरूक नागरिकों के सामने एक सबसे बड़ा और ज्वलंत सवाल खड़ा हो गया है - क्या सरेआम बेशर्मी से झूठ बोलने वाले शासक देश के लिए बॉर्डर पर लड़ रहे या अंदर छिपे आतंकवादियों या काल्पनिक राक्षसों से ज़्यादा खतरनाक और ख़तरनाक हैं?

इसका कड़वा और चौंकाने वाला जवाब है, हाँ! आज के समय में ऐसे झूठे शासक राक्षसों और आतंकवादियों से हज़ार गुना ज़्यादा खतरनाक साबित हो रहे हैं। आतंकवादी और राक्षस का चेहरा खुला होता है, लेकिन शासक का चेहरा छिपा होता है! इतिहास और आज का समय गवाह है कि राक्षस और आतंकवादी हमेशा खुली तलवार लेकर दुश्मन बनकर सामने आते हैं। उनकी क्रूरता और राक्षसीपन सबके सामने होता है, जिससे जनता भी सावधान रहती है।

लेकिन, लोकतंत्र के पवित्र मुखौटे के पीछे कुछ लालची और सत्ता के भूखे शासक छिपे रहते हैं जो अपने चेहरे पर देशभक्ति और विकास का मुखौटा लगाकर जनता के खून का एक-एक कतरा चूस लेते हैं। जब देश का मुखिया या सत्ता की सबसे ऊंची चोटी पर बैठा कोई व्यक्ति जनता की नज़रों में एक बड़ा झूठ बोलता है, तो वह सिर्फ़ एक बयान नहीं होता, बल्कि पूरे देश की रीढ़ तोड़ने की एक सोची-समझी साज़िश होती है। देश की भोली-भाली जनता को रोज़गार, सुरक्षा, महंगाई से आज़ादी और अच्छे दिनों के सपने दिखाकर सत्ता में आए ये नेता जब असल में नाकाम होते हैं, तो सच मानने के बजाय झूठ का सहारा लेते हैं।

देश के युवा बेरोज़गारी की आग में जल रहे हैं, फिर भी 'लाखों नौकरी के मौके देने' जैसे झूठे वादे किए जाते हैं। महंगाई की आग में जल रही घरेलू औरतों और मज़दूरों के सामने बेशर्मी से झूठ बोला जाता है कि 'इकॉनमी मज़बूत है '। भ्रष्टाचार के पहाड़ों के नीचे दबे सिस्टम को छिपाने के लिए ईमानदारी के सर्टिफिकेट बांटे जाते हैं। ऐसे खुलेआम और दिनदहाड़े बोले जाने वाले झूठ सिर्फ़ शब्दों की चाल नहीं हैं, बल्कि ये देश के करोड़ों नागरिकों के भरोसे के साथ सबसे बड़ा धोखा हैं। आतंकवादी शरीर को मारते हैं, लेकिन झूठे शासक पूरी पीढ़ी की सोच को नपुंसक बना देते हैं! जब आतंकवादी या अपराधी हमला करते हैं, तो शारीरिक नुकसान होता है, जान का नुकसान होता है, जिसे समय के साथ ठीक किया जा सकता है।

लेकिन, सत्ता की गद्दी पर बैठे और लगातार देश के लोगों को गुमराह करने वाले, झूठे आंकड़े परोसने वाले और नफ़रत या झूठ की फैक्ट्रियां चलाने वाले शासक देश की युवा पीढ़ी के नैतिक चरित्र को मार देते हैं। जब लोगों को यकीन हो जाता है कि उनके नेता सिर्फ़ झूठ बोल रहे हैं, तो देश में 'सच और न्याय' से लोगों का भरोसा उठ जाता है। इससे बड़ा कोई नेशनल क्राइम नहीं हो सकता। एक आतंकवादी देश की सीमाओं को नुकसान पहुंचा सकता है, लेकिन एक झूठा और भ्रष्ट शासक देश के संविधान, न्यायपालिका और लोकतंत्र की नींव को अंदर से खोखला और खोखला करता है। देश और राज्य के लोगों के लिए ऐसे पाखंडी, वादाखिलाफ और दिनदहाड़े झूठ बोलने वाले नेताओं को पहचानने का समय आ गया है। लोकतंत्र में सबसे बड़ी ताकत जनता का वोट और उसकी जागरूकता है।

जब भी कोई शासक अपनी नाकाबिलियत छिपाने के लिए झूठ का सहारा लेता है, तो जनता को सवाल पूछने की हिम्मत दिखानी चाहिए। अगर हमने आज इन झूठे और हत्यारे शासकों के खिलाफ आवाज नहीं उठाई, तो आने वाली पीढ़ियां हमें कभी माफ नहीं करेंगी। सुरक्षा बल और कानून राक्षसों और आतंकवादियों को खत्म करने में सक्षम हैं, लेकिन गद्दी पर बैठे इन इंसान जैसे राक्षसों को सिर्फ लोगों के अपार गुस्से और वोट की ताकत से ही खत्म किया जा सकता है! जागो गुजरात, जागो भारत! झूठ के इस साम्राज्य को जड़ से उखाड़ फेंकने का समय आ गया है।

नोएडा में जल संकट से निपटने की तैयारी, यमुना किनारे बनेंगे दो नए रैनीवेल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नोएडा। दिल्ली से सटे नोएडा में लगातार बढ़ती पानी की मांग और जलापूर्ति व्यवस्था को मजबूत करने के लिए नोएडा प्राधिकरण ने नई योजना तैयार की है। इसके तहत यमुना नदी के किनारे दो नए रैनीवेल बनाए जाएंगे। इनका निर्माण सेक्टर-132 और सेक्टर-135 में किया जाएगा। दोनों रैनीवेल की क्षमता 17-17 एमएलडी होगी।



इनके शुरू होने के बाद शहर को प्रतिदिन 34 एमएलडी अतिरिक्त पानी उपलब्ध हो सकेगा। इस पूरी परियोजना पर करीब 45 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। प्राधिकरण का उद्देश्य शहर में पानी के वैकल्पिक स्रोत विकसित करना है, ताकि गंगाजल की आपूर्ति बाधित होने की स्थिति में भी लोगों को नियमित रूप से पानी मिलता रहे। प्राधिकरण की योजना के अनुसार नए रैनीवेल से 300 से 400 टीडीएस गुणवत्ता वाला पानी उपलब्ध कराया जाएगा। खास बात यह है कि गंग नहर की सफाई, मरम्मत अथवा किसी तकनीकी खराबी के कारण जब गंगाजल की आपूर्ति रोकनी पड़ती है, तब नोएडा में पानी की समस्या बढ़ जाती है। ऐसी परिस्थितियों में रैनीवेल शहर के लिए वैकल्पिक जलस्रोत के रूप में काम करेंगे। नए रैनीवेल तैयार होने से गंगाजल पर निर्भरता कम करने और जलापूर्ति व्यवस्था को अधिक मजबूत बनाने में मदद मिलेगी। नोएडा को प्रतिदिन 450 एमएलडी से अधिक पानी की आवश्यकता होती है। वर्तमान में शहर को गाजियाबाद के प्रताप विहार और सिद्धार्थ विहार स्थित संयंत्रों से करीब 240 एमएलडी गंगाजल की आपूर्ति की जाती है। इसके अलावा नलकूपों के माध्यम से लगभग 110 एमएलडी और रैनीवेल से करीब 100 एमएलडी पानी उपलब्ध कराया जा रहा है। इस प्रकार शहर की पानी की जरूरत पूरी करने में अलग-अलग जलस्रोतों की महत्वपूर्ण भूमिका है। जीएम जल आरपी सिंह के अनुसार, वर्तमान में नोएडा में 8 रैनीवेल संचालित हैं, जिनसे प्रतिदिन करीब 100 एमएलडी पानी मिल रहा है। इसके अलावा 3 अन्य रैनीवेल भी जल्द शुरू किए जाने हैं। हैं।

थाने ले जाने के बजाय कर लिया सौदा! नोट गिनता नजर आया सिपाही

महानगर मेट्रो ब्यूरो

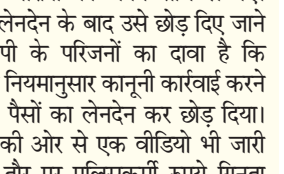
मिर्जापुर। उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर में पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करने वाला मामला सामने आया है। यहां पड़री थाना क्षेत्र में गांजा तस्करी के एक आरोपी को पकड़ने पहुंची पुलिस पर रुपये लेकर उसे छोड़ने का आरोप लगा है। इस पूरे घटनाक्रम का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है, जिसमें कथित तौर पर एक पुलिसकर्मी रुपये गिनता हुआ नजर आ रहा है। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया है और पूरे इलाके में मामले को लेकर चर्चा तेज हो गई है। जानकारी के अनुसार, पड़री थाना क्षेत्र में गांजा तस्करी के आरोप में एक व्यक्ति को पकड़ने के लिए कुछ पुलिसकर्मी उसके घर पहुंचे थे। बताया जा रहा है कि पुलिसकर्मी आरोपी को अपने साथ ले गए। हालांकि, कुछ समय बाद रुपये के लेनदेन के बाद उसे छोड़ दिए जाने का आरोप लगाया गया है। आरोपी के परिजनों का दावा है कि पुलिसकर्मियों ने उसे थाने ले जाकर नियमानुसार कानूनी कार्रवाई करने और मुकदमा दर्ज करने के बजाय पैसों का लेनदेन कर छोड़ दिया। इस मामले में आरोपी के परिजनों की ओर से एक वीडियो भी जारी किया गया है। वीडियो में कथित तौर पर पुलिसकर्मी रुपये गिनता दिखाई दे रहा है। परिजनों का आरोप है कि पुलिस ने आरोपी को पकड़ने के बाद उसके खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय पैसों के बदले राहत दे दी। हालांकि, वीडियो और लगाए गए आरोपों की वास्तविकता की जांच होना बाकी है। मामले ने इसलिए भी गंभीर रूप ले लिया है, क्योंकि स्थानीय लोगों की ओर से पड़री थाना क्षेत्र में गांजे की खुलेआम बिक्री होने के आरोप लगाए जा रहे हैं। लोगों का दावा है कि इलाके में नशीले पदार्थों का कारोबार लंबे समय से चल रहा है। आरोप यह भी है कि पुलिस को इस गतिविधि की जानकारी होने के बावजूद प्रभावी कार्रवाई नहीं की जा रही है। हालांकि, इन आरोपों की भी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस अधिकारियों ने मामले का संज्ञान लिया है। पड़री पुलिस की ओर से पूरे प्रकरण की जांच शुरू कर दी गई है। अधिकारियों का कहना है कि वीडियो और रुपये के लेनदेन से जुड़े आरोपों की जांच की जा रही है। जांच में यदि कोई पुलिसकर्मी दोषी पाया जाता है तो उसके खिलाफ सख्त विभागीय कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल मामले में जांच के नतीजों का इंतजार है।



मेडिकल कॉलेज में वार्ड के बाहर से मृत नवजात का शव उठा ले गए कुत्ते

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बांदा। उत्तर प्रदेश के बांदा जिले से सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था और अस्पतालों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े करने वाला मामला सामने आया है। यहां रानी दुर्गावती मेडिकल कॉलेज परिसर में वार्ड के बाहर रखे एक मृत नवजात शिशु के शव को आवारा कुत्ते उठाकर ले गए। घटना के समय परिजन वार्ड के बाहर ही मौजूद थे, लेकिन रात में उनके सो जाने के दौरान कुत्ते नवजात का शव लेकर चले गए। सुबह नींद खुलने पर शव गायब मिलने से परिजनों में अफरा-तफरी मच गई। घटना की जानकारी मिलते ही अस्पताल परिसर में हड़कंप मच गया। जानकारी के अनुसार, बड़ोखर गांव निवासी गणेश की पत्नी को देर रात प्रसव पीड़ा के बाद रानी दुर्गावती मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया था। प्रसव के दौरान महिला ने मृत बच्चे को जन्म दिया। महिला की गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने उसे अस्पताल में भर्ती कर उपचार शुरू कर दिया। वहीं, परिजन मृत नवजात के शव के साथ वार्ड के बाहर मौजूद थे। इसी दौरान रात में परिजन सो गए और आवारा कुत्ते वहां पहुंचे। आरोप है कि कुत्ते वार्ड के बाहर से नवजात का शव उठाकर ले गए। जब परिजनों की नींद खुली तो वहां शव नहीं मिला। इसके बाद उन्होंने अस्पताल प्रशासन और पुलिस को घटना की सूचना दी। घटना के बाद पीड़ित पिता गणेश ने अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि जब अस्पताल परिसर में आवारा कुत्ते इस तरह घूम रहे हैं और वार्ड के बाहर से शव उठा ले जा रहे हैं, तो मरीजों और उनके परिजनों की सुरक्षा का क्या होगा। उन्होंने कहा कि यदि बच्चा जीवित होता तो भी इस तरह की घटना हो सकती थी। गणेश ने जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि अस्पताल प्रशासन को ऐसी व्यवस्था करनी चाहिए, जिससे भविष्य में किसी अन्य परिवार को इस तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े। इस घटना के सामने आने के बाद मेडिकल कॉलेज परिसर की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर स्थानीय लोगों में भी नाराजगी है।



एक ही परिवार के पांच लोगों का शव मिला, बच्चों और महिलाओं का रेता गला और खुद रेलवे ट्रैक पर दी जान,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत का मामला सामने आने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। छोला मंदिर थाना क्षेत्र के मालीखेड़ी स्थित एलआईजी फ्लैट में परिवार के चार सदस्यों के शव मिलने से हड़कंप मच गया। वहीं, परिवार के मुखिया नरेंद्र साहू का शव रेलवे ट्रैक पर मिला। शुरुआती जानकारी के अनुसार, घर में मृत मिली महिलाओं और बच्चों की हत्या की आशंका जताई जा रही है, जबकि नरेंद्र साहू की मौत के मामले में पुलिस आत्महत्या की आशंका सहित अन्य पहलुओं की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार, मृतकों की पहचान नरेंद्र साहू, सरस्वती साहू, सोमलता, कृति साहू और खुश साहू के रूप में हुई है। घर के अंदर एक बुजुर्ग महिला, एक महिला और दो बच्चों के शव मिले। वहीं, नरेंद्र साहू



का शव रेलवे ट्रैक पर मिलने की सूचना पुलिस को मिली थी। बताया जा रहा है कि नरेंद्र साहू की मौत की जानकारी देने के लिए कुछ लोग उनके घर पहुंचे थे। जब उन्होंने फ्लैट के अंदर जाकर देखा तो परिवार के अन्य चार सदस्यों के शव पड़े मिले। इसके बाद तत्काल पुलिस को सूचना दी गई। घटना की जानकारी मिलते ही छोला मंदिर थाना पुलिस के साथ वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और आसपास के लोगों से जानकारी जुटाई। मामले की गंभीरता को देखते हुए फॉरेंसिक साइंस लैबोरेटरी (एफएसएल) की टीम को भी बुलाया गया। टीम ने घटनास्थल से आवश्यक साक्ष्य जुटाए हैं। सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजने की प्रक्रिया की गई, ताकि मौत के कारणों का पता लगाया जा सके। प्रारंभिक जांच में परिवार के आर्थिक हालात को लेकर भी जानकारी सामने आई है। बताया जा रहा है कि नरेंद्र साहू रेस्टोरेंट का संचालन करते थे, लेकिन पिछले करीब 20 दिनों से वह काम पर नहीं जा रहे थे। पुलिस को आशंका है कि कारोबार में नुकसान और कर्ज की स्थिति भी इस पूरे मामले से जुड़ी हो सकती है। हालांकि, अभी तक आर्थिक परेशानी को घटना का कारण मानने की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस इस संबंध में परिवार के परिचितों और आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है। डीसीपी आदर्शकांत शुक्ला ने बताया कि सबसे पहले नरेंद्र साहू का शव रेलवे ट्रैक पर मिला था। उनकी मौत की सूचना देने के लिए जब लोग घर पहुंचे तो परिवार के चार अन्य सदस्यों के शव मिले। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई और जांच शुरू की गई। पुलिस अब यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि परिवार के सदस्यों की मौत किन परिस्थितियों में हुई और घटनाक्रम किस तरह सामने आया। फिलहाल पांच लोगों की मौत से परिवार और आसपास के क्षेत्र में शोक का माहौल है। पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट, एफएसएल जांच और अन्य साक्ष्यों के आधार पर पूरे मामले की पड़ताल कर रही है। जांच पूरी होने के बाद ही घटना के वास्तविक कारणों और इसके पीछे की परिस्थितियों का खुलासा हो सकेगा।

ग्रेटर नोएडा PNB में 22 करोड़ की एफडी गायब होने का आरोप, भड़के किसानों ने किया हंगामा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

ग्रेटर नोएडा। उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा में पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) की सेक्टर पाई-1 शाखा में करोड़ों रुपये की कथित धोखाधड़ी का मामला सामने आने के बाद किसानों में भारी आक्रोश है। किसानों का आरोप है कि बैंक कर्मचारियों ने उनके खातों से बिना जानकारी के रकम निकाल ली और उनकी फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) भी तोड़ दी। इस पूरे मामले में करीब 22 करोड़ रुपये की एफडी गायब होने का दावा किया जा रहा है। अपनी जीवनभर की जमा पूंजी को लेकर चिंतित किसानों ने बैंक प्रबंधन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। मामले के सामने आने के बाद बैंकिंग व्यवस्था और खाताधारकों की जमा रकम की सुरक्षा को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। सोमवार को बड़ी संख्या में किसान सेक्टर पाई-1 स्थित बैंक शाखा के बाहर पहुंच गए। किसानों ने बैंक प्रबंधन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और पूरे मामले में जवाबदेही तय करने की मांग उठाई। आक्रोशित किसानों ने बैंक में तालाबंदी करने



का प्रयास भी किया। उनका कहना था कि जब बैंक में जमा उनकी अपनी रकम ही सुरक्षित नहीं है तो वे आखिर किस पर भरोसा करें। किसानों ने इस मामले को लेकर महापंचायत बुलाने का ऐलान किया है। उनका कहना है कि जब तक उनकी जमा पूंजी का हिसाब नहीं मिलता और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं होती, तब तक वे इस मुद्दे को उठाते रहेंगे। बैंक के बाहर प्रदर्शन कर रहे किसानों ने नारेबाजी करते हुए कहा कि पैसा उनका है और उन्हें अपनी रकम का पूरा हिसाब चाहिए। किसानों के अनुसार, किसी ने अपनी मेहनत की कमाई बचत खाते में जमा की थी तो किसी ने भविष्य की जरूरतों और परिवार की सुरक्षा के लिए एफडी कराई थी। बैंक में रकम जमा कराने का उद्देश्य यही था कि उनका पैसा सुरक्षित रहे और जरूरत पड़ने पर उन्हें वापस मिल सके। लेकिन अब करोड़ों रुपये की एफडी गायब होने के आरोपों ने खाताधारकों की चिंता बढ़ा दी है। किसानों ने बैंक कर्मचारियों और प्रबंधन की भूमिका पर सवाल उठाते हुए पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि बैंक कर्मचारियों की मिलीभगत से खातों और एफडी में गड़बड़ी हुई है तो ऐसे लोगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई होनी चाहिए। किसानों ने यह भी मांग की है कि उनकी जमा रकम जल्द से जल्द वापस दिलाई जाए और बैंक प्रबंधन स्पष्ट करे कि खातों में जमा पैसा आखिर कहां गया। प्रदर्शन की जानकारी मिलने पर पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। उन्होंने किसानों को समझाकर स्थिति शांत कराने का प्रयास किया। पुलिस अधिकारियों ने बैंक प्रबंधन से बातचीत कर मामले के समाधान के लिए समय मांगा। इसके बाद फिलहाल स्थिति को नियंत्रित करने की कोशिश की गई। हालांकि, किसानों ने स्पष्ट कर दिया कि वे इस मामले को हल्के में नहीं लेने वाले हैं।

देवास में अवैध शराब से भरे ट्रक ने थाना प्रभारी को कुचला, इलाज के दौरान मौत; ट्रक मालिक गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

देवास। मध्य प्रदेश के देवास जिले में अवैध शराब तस्करी के खिलाफ कार्रवाई के दौरान खातेगांव थाना प्रभारी दिलीप कुमार पुरी की मौत के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। आलीराजपुर पुलिस ने हादसे में शामिल आयशर ट्रक के मालिक को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी वाहन मालिक को आलीराजपुर जिले के बेहडवा गांव से पकड़ा गया। वहीं, घटना के बाद से फरार ट्रक चालक की तलाश जारी है। इस घटना से पुलिस महकमे में शोक की लहर है। जानकारी के अनुसार, रविवार देर रात करीब डेढ़ बजे खातेगांव थाना प्रभारी दिलीप कुमार पुरी को इलाके में अवैध शराब की तस्करी किए जाने की सूचना मिली थी। सूचना मिलने के बाद वह पुलिस टीम के साथ इंदौर-बैतूल हाईवे पर वाहनों की जांच करने पहुंचे थे। इसी दौरान पुलिस टीम को अवैध शराब से भरा एक आयशर वाहन आता दिखाई दिया। थाना प्रभारी ने वाहन को रुकवाया और चालक को नीचे उतरने के लिए कहा। बताया जा रहा है कि पुलिस के रुकने का इशारा करने और चालक



को नीचे उतरने के लिए कहने पर उसने वाहन रोकने के बजाय उसकी गति बढ़ा दी। चालक ने ट्रक को डिवाइडर पर चढ़ाकर आगे निकालने का प्रयास किया। इसी दौरान वाहन का पिछला पहिया थाना प्रभारी दिलीप कुमार पुरी के ऊपर से गुजर गया। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने तत्काल उन्हें खातेगांव के एक निजी अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में चिकित्सकों ने थाना प्रभारी को बचाने के लिए काफी प्रयास किए। उन्हें सीपीआर भी दिया गया, लेकिन गंभीर चोटों के कारण उनकी जान नहीं बचाई जा सकी। घटना के बाद पुलिस विभाग में शोक का माहौल बन गया। एक पुलिस अधिकारी ने अवैध शराब तस्करी रोकने की कार्रवाई के दौरान अपनी जान गंवा दी। हादसे के बाद आयशर ट्रक का चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया। बताया जा रहा है कि चालक ने संदलपुर में ट्रक छोड़ दिया और वहां से भाग निकला। पुलिस ने वाहन को अपने कब्जे में लेकर चालक की तलाश शुरू कर दी। इसी बीच जांच के दौरान वाहन मालिक की पहचान होने पर आलीराजपुर पुलिस ने उसे बेहडवा गांव से गिरफ्तार कर लिया। हालांकि, ट्रक मालिक की गिरफ्तारी के बाद भी फरार चालक का पता नहीं चल पाया है। घटना की जानकारी मिलते ही देवास के नवागत पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा सोमवार तड़के खातेगांव पहुंचे। उन्होंने घटनाक्रम की जानकारी ली। थाना प्रभारी की मौत से पुलिसकर्मियों और अधिकारियों में शोक व्याप्त है। दूसरी ओर, थाना प्रभारी दिलीप कुमार पुरी के शव का पोस्टमार्टम कराया गया। इसके बाद उनके पार्थिव शरीर को उनके गृह क्षेत्र धार जिले के राजोद थाना अंतर्गत बरमंडल ले जाया जा रहा है, जहां उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। जानकारी के अनुसार, उनका परिवार फिलहाल इंदौर में रहता है। कर्तव्य निभाते हुए उनकी मौत से परिवार और पुलिस विभाग में गहरा दुख है।

पति को पीठ पर लेकर कलेक्ट्रेट पहुंची थी बिंदूबाई, सीएम ने वीडियो देखा तो मिल गई ट्राइसाइकिल, बेटी की पढ़ाई के लिए रुपए भी मिले

बुरहानपुर में नौ साल से सरकारी मदद के लिए लगा रही थी चक्कर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बुरहानपुर। मध्य प्रदेश के बुरहानपुर से सामने आई एक महिला की बेबसी और संघर्ष की तस्वीर ने आखिरकार प्रशासन का ध्यान खींच लिया। अपने दिव्यांग पति को पीठ पर लादकर कलेक्ट्रेट पहुंची बिंदूबाई को अब सरकारी सहायता मिल गई है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर प्रशासन ने उनके पति दयाशंकर को आने-जाने के लिए ट्राइसाइकिल उपलब्ध कराई है। इसके साथ ही उनकी बेटियों की पढ़ाई के लिए भी आर्थिक सहायता दी गई है। मदद मिलने के बाद बिंदूबाई ने मुख्यमंत्री और जिला प्रशासन का आभार जताया है। दरअसल, दो दिन पहले सोशल मीडिया पर बिंदूबाई का एक वीडियो तेजी से वायरल हुआ था। इस वीडियो में वह अपने दिव्यांग पति को पीठ पर लादकर कलेक्ट्रेट पहुंची थीं। वह पति के लिए ट्राइसाइकिल और पेंशन की मांग कर रही थीं। उनकी स्थिति देखकर लोग भावुक हो गए थे और सरकारी योजनाओं का लाभ जरूरतमंदों तक नहीं पहुंचने को लेकर सवाल उठने लगे थे। बताया जा रहा है कि बिंदूबाई पिछले करीब नौ वर्षों से अपने पति के लिए सरकारी सहायता की गुहार लगा रही थीं। उनके



पति दयाशंकर पैरालिसिस के कारण दिव्यांग हो गए थे। इसके बाद उनके लिए चलना-फिरना और एक स्थान से दूसरे स्थान तक जाना मुश्किल हो गया था। परिवार की आर्थिक और पारिवारिक जिम्मेदारियों के बीच बिंदूबाई को ही पति की देखभाल करनी पड़ रही थी। सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगाने के बावजूद मदद नहीं मिलने से वह परेशान हो चुकी थीं। आखिरकार मंगलवार को वह अपने पति को पीठ पर उठाकर कलेक्ट्रेट पहुंच गईं। उनका यह वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद मामला चर्चा में आ गया। वीडियो मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव तक पहुंचा तो उन्होंने मामले का संज्ञान लेते हुए बुरहानपुर कलेक्टर को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद जिला प्रशासन सक्रिय हुआ और दयाशंकर के लिए ट्राइसाइकिल की व्यवस्था कराई गई। इससे अब उन्हें आने-जाने में काफी सहूलियत मिल सकेगी। परिवार की बेटियों की शिक्षा को ध्यान में रखते हुए प्रशासन की ओर से आर्थिक सहायता भी उपलब्ध कराई गई है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर इस मामले को लेकर कहा कि किसी भी जरूरतमंद की पीड़ा अनसुनी नहीं रहनी चाहिए। प्रत्येक परिवार को सम्मानपूर्वक जीवन जीने के लिए शासन और प्रशासन की ओर से आवश्यक सहयोग मिलना चाहिए। उन्होंने बताया कि बिंदूबाई द्वारा अपने दिव्यांग पति को कंधे पर उठाकर कलेक्टर कार्यालय पहुंचने का वीडियो उनके संज्ञान में आया था। इसके बाद उन्होंने बुरहानपुर कलेक्टर को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए थे। लंबे समय से सहायता के लिए परेशान बिंदूबाई के परिवार को आखिरकार मदद मिलने से राहत मिली है। हालांकि, इस घटना ने यह सवाल भी खड़ा किया है कि सरकारी योजनाओं का लाभ पाने के लिए किसी जरूरतमंद को वर्षों तक इंतजार क्यों करना पड़ता है। समय पर सहायता और योजनाओं का लाभ मिलना ही प्रशासनिक व्यवस्था की असली जिम्मेदारी है।

डॉक्टर के क्लिनिक में बैठे मरीज का फोन अचानक फटा, पहले धुआं निकला और आवाज के साथ बन गया आग का गोला

महानगर मेट्रो ब्यूर

ग्वालियर। मध्य प्रदेश के ग्वालियर में एक डॉक्टर के क्लिनिक में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब इलाज कराने पहुंचे एक मरीज का मोबाइल फोन अचानक फट गया। युवक क्लिनिक में बैठकर अपनी बारी आने का इंतजार कर रहा था और इसी दौरान मोबाइल चला रहा था। अचानक फोन से धुआं निकलने लगा। युवक कुछ समझ पाता, उससे पहले ही



मोबाइल में तेज धमाके जैसी आवाज हुई और आग की लपटें उठने लगीं। घटना के बाद क्लिनिक में मौजूद मरीजों और कर्मचारियों में दहशत फैल गई। हालांकि, समय रहते आग पर काबू पा लिया गया और किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। जानकारी के अनुसार, घटना रविवार दोपहर की है। युवक आंखों और बच्चों के उपचार के लिए संचालित दृष्टि क्लिनिक में पहुंचा था। यह क्लिनिक डॉ. आशुतोष शर्मा का बताया जा रहा है। युवक अपनी बारी आने का इंतजार करते हुए बैठा था और उसके हाथ में मोबाइल फोन था। इसी दौरान अचानक मोबाइल गर्म होने लगा और उसमें से धुआं निकलने लगा। युवक ने स्थिति को भांपते हुए मोबाइल को नीचे फेंक दिया। इसके तुरंत बाद फोन में जोरदार आवाज के साथ आग की लपटें उठ गईं। मोबाइल में आग लगते ही क्लिनिक में मौजूद लोगों में भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। वहां बैठे मरीज और उनके परिजन अचानक हुई घटना से घबरा गए। आसपास महिला और बच्चे भी मौजूद थे, जो मोबाइल से उठती आग की लपटें देखकर डर गए। क्लिनिक के कर्मचारियों ने तत्काल स्थिति संभाली और आग बुझाने का प्रयास किया। कुछ ही देर में आग पर काबू पा लिया गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। इस पूरी घटना का वीडियो क्लिनिक में लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गया है। फुटेज में मोबाइल से धुआं निकलने और उसके बाद अचानक आग की लपटें उठने का घटनाक्रम दिखाई देने की बात सामने आई है। घटना के बाद काफी देर तक क्लिनिक में मौजूद लोग दहशत में रहे। मोबाइल फटने से आसपास मौजूद लोगों को कोई चोट नहीं आई और न ही किसी प्रकार की जनहानि हुई। बताया जा रहा है कि रविवार होने के कारण क्लिनिक में सामान्य दिनों की तुलना में भीड़ कम थी। इसके बावजूद अचानक मोबाइल में आग लगने से वहां मौजूद लोगों के बीच अफरा-तफरी मच गई। फिलहाल मोबाइल फोन फटने के वास्तविक कारणों की जानकारी सामने नहीं आई है। बैटरी में खराबी या किसी तकनीकी समस्या की आशंका हो सकती है, लेकिन इसकी पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। घटना ने एक बार फिर मोबाइल फोन की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है।

इकलौते आकाश चौहान के जाने के बाद बिखरा परिवार, पिता बार-बार हो रहे बेहोश

महानगर मेट्रो ब्यूर

पचमढ़ी। मध्य प्रदेश के पचमढ़ी में प्रशिक्षण के लिए आए सेना के जवान आकाश चौहान की जंगली बाइसन के हमले में मौत के बाद उनके परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। जिस फुटबॉल के जुनून ने आकाश को सेना तक पहुंचाया था, उसी खेल के मैदान में उनकी जिंदगी का सफर खत्म हो गया। आकाश अपने माता-पिता के



इकलौते बेटे थे। बेटे की मौत की खबर मिलने के बाद से पिता की हालत बेहद खराब है। वह बार-बार बेसुध हो रहे हैं। उत्तराखंड के देहरादून जिले के दूधली गांव में इस घटना के बाद शोक का माहौल है। जानकारी के अनुसार, 17 कुमाऊं रेजिमेंट के जवान आकाश चौहान पचमढ़ी में प्रशिक्षण के लिए आए हुए थे। यहां सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के बफर जोन में स्थित आर्मी एजुकेशन कॉर्प्स ट्रेनिंग कॉलेज एवं सेंटर के परेड ग्राउंड के पास यह हादसा हुआ। बताया जा रहा है कि आकाश फुटबॉल खेलने के बाद मैदान के किनारे बैठे हुए थे। इसी दौरान अचानक एक जंगली बाइसन वहां पहुंचा और उन पर हमला कर दिया। हमले में आकाश गंभीर रूप से घायल हो गए और उनकी मौत हो गई। जिस स्थान पर जवान फुटबॉल खेलते थे, वहीं इस दर्दनाक घटना ने सभी को स्तब्ध कर दिया। आकाश चौहान को बचपन से ही फुटबॉल खेलने का बेहद शौक था। उनके करीबी दोस्तों के अनुसार, स्कूल के दिनों से ही वह अच्छे फुटबॉलर थे। उन्होंने खेल के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा को निखारने के लिए काफी मेहनत की थी। इसी खेल कौशल के दम पर उन्हें सेना में खेल कोटे से भर्ती होने का अवसर मिला और वह 17 कुमाऊं रेजिमेंट का हिस्सा बने। उनके दोस्तों का कहना है कि फुटबॉल उनके जीवन का अहम हिस्सा था। वह इसी खेल के जरिए सेना में पहुंचे थे, लेकिन दुर्भाग्य से उसी खेल मैदान के पास उनकी जिंदगी खत्म हो गई। आकाश अपने माता-पिता की इकलौती संतान थे। उनके पिता गांव में आटा चक्की चलाते हैं, जबकि मां गृहिणी हैं। परिवार की बड़ी बेटी नर्स है और उसकी शादी भी सेना में कार्यरत एक जवान से हुई है। परिवार के लिए आकाश सिर्फ बेटा ही नहीं, बल्कि भविष्य की उम्मीद और बुढ़ापे का सहारा भी थे। उनकी असमय मौत ने माता-पिता को पूरी तरह तोड़ दिया है। बेटे को खोने के सदमे में पिता बार-बार बेहोश हो रहे हैं। गांव के लोग भी परिवार को संभालने और दुख की इस घड़ी में साथ देने का प्रयास कर रहे हैं। बताया गया है कि आकाश की भर्ती सेना में अग्निवीर योजना लागू होने से पहले हुई थी। ऐसे में उनके निधन के बाद सेना के नियमानुसार परिवार को मिलने वाले कल्याणकारी लाभों की प्रक्रिया भी महत्वपूर्ण होगी। हालांकि, किसी भी आर्थिक सहायता से माता-पिता को हुए इस अपूरणीय नुकसान की भरपाई संभव नहीं है। घटना के बाद मध्य प्रदेश वन विभाग ने पीड़ित परिवार को 8 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की है।

mahangarmetro.com
महानगर मेट्रो
अहमदाबाद, (मंगलवार)
03 नवंबर 2026

दिवाली पर दिल्ली में ग्रीन पटाखों को मिली मंजूरी, सुप्रीम कोर्ट ने तय की टाइम लिमिट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिवाली पर दिल्ली-एनसीआर में पटाखे जलाने को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने अहम फैसला सुनाया है। अदालत ने 7 नवंबर को दिवाली से एक दिन पहले और 8 नवंबर को त्योहार के दिन निर्धारित समय के दौरान केवल ग्रीन पटाखे जलाने की अनुमति दी है। आदेश के अनुसार, दोनों दिन सुबह 6 से 7 बजे और रात 8 से 10 बजे तक ही आतिशबाजी की जा सकेगी। निर्धारित समय के अलावा पटाखे जलाने की अनुमति नहीं होगी। जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस प्रसन्ना बी वराले की पीठ ने यह आदेश जारी करते हुए स्पष्ट किया कि अस्पतालों, नर्सिंग होम, प्राथमिक एवं जिला स्वास्थ्य केंद्रों, वृद्धाश्रमों और शांत क्षेत्र घोषित स्थानों के 300 मीटर के दायरे में पटाखे जलाने पर रोक रहेगी। इसके अलावा शैक्षणिक संस्थानों को भी पटाखामुक्त क्षेत्र घोषित किया जाएगा। इन स्थानों पर लोगों को नियमों की जानकारी देने के लिए संकेतक बोर्ड लगाए जाएंगे और सार्वजनिक घोषणाओं के माध्यम से जागरूक किया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने पिछले सप्ताह हुई सुनवाई के दौरान पटाखों पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाने से इनकार कर दिया था। हालांकि, अदालत ने यह भी कहा था कि केवल आदेश जारी करने से प्रदूषण की समस्या का समाधान नहीं होगा, जब तक कि जमीन पर उनका प्रभावी ढंग से पालन नहीं कराया जाता। पीठ ने कहा कि यह मामला सभी जीवों और पर्यावरण से जुड़ा है, इसलिए संबंधित अधिकारियों को नियमों के पालन को लेकर गंभीरता दिखानी होगी। अदालत ने लोगों की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए पूर्ण प्रतिबंध के बजाय नियंत्रित तरीके से पटाखे जलाने की व्यवस्था पर जोर दिया। साथ ही पर्यावरण और स्वास्थ्य पर पटाखों के प्रभाव को लेकर जागरूकता फैलाने के लिए खिलाड़ियों सहित जानी-मानी हस्तियों की मदद लेने का सुझाव भी दिया। सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने दिल्ली सरकार और वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग की ओर से प्रदूषण नियंत्रण के लिए उठाए जा रहे कदमों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दिल्ली सरकार ने प्रदूषण से निपटने के लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार की है। इसमें पुराने वाहनों पर पाबंदी, निर्माण एवं तोड़फोड़ से जुड़ी गतिविधियों पर नियंत्रण और सरकारी कार्यालयों के समय में बदलाव जैसे उपाय शामिल हैं। केंद्र सरकार ने अदालत को यह भी बताया कि पटाखों में बेरियम के इस्तेमाल को लेकर आंतरिक स्तर पर विचार-विमर्श चल रहा है। इस प्रक्रिया को पूरा करने के लिए तीन सप्ताह का समय मांगा गया है।



दिल्ली में प्रदूषण पर एक्शन, पहले ही दिन 68 लाख का जुर्माना, 1,500 गाड़ियां बॉर्डर से लौटीं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली में सर्दियों के दौरान बढ़ते वायु प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए लागू किए गए विंटर एक्शन प्लान के पहले ही दिन प्रशासन ने नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की। रविवार शाम 5 बजे तक की रिपोर्ट के अनुसार, विभिन्न नियमों के उल्लंघन पर कुल 68.4 लाख रुपये का जुर्माना और पर्यावरण मुआवजा लगाया गया। इस दौरान जांच टीमों ने करीब 15 हजार वाहनों की जांच की, जिनमें से 1,539 वाहनों को दिल्ली की सीमाओं से ही वापस लौटा दिया गया। वहीं, प्रदूषण जांच प्रमाण पत्र से जुड़े नियमों का उल्लंघन करने पर 566 चालान काटे गए। प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, प्रदूषण नियंत्रण प्रमाण पत्र (पीयूसीसी) से जुड़े नियमों का पालन नहीं करने पर 56.6 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। प्रतिबंध के बावजूद दिल्ली में प्रवेश करने वाले वाहनों पर 2 लाख रुपये की कार्रवाई की गई। इसके अलावा निर्माण और तोड़फोड़ स्थलों पर धूल नियंत्रण के नियमों का पालन नहीं करने वालों से 9.8 लाख रुपये का पर्यावरण मुआवजा वसूला गया। दिल्ली में सर्दियों के दौरान प्रदूषण की स्थिति को नियंत्रित करने के लिए यातायात पुलिस ने भी कार्रवाई तेज कर दी है। वायु प्रदूषण के स्तर के अनुसार लागू होने वाली क्रमिक प्रतिक्रिया कार्ययोजना (ग्रैप) के नियमों का पालन कराने के लिए पुलिस पड़ोसी जिलों के अधिकारियों के साथ समन्वय कर रही है। शहर की सीमाओं पर वाहनों की जांच के साथ लोगों को प्रदूषण नियंत्रण के नियमों की जानकारी भी दी जा रही है। इसके लिए सामाजिक माध्यमों, रेडियो और अन्य संचार माध्यमों का सहारा लिया जा रहा है। दिल्ली की सीमाओं पर जागरूकता संबंधी सूचना बोर्ड भी लगाए गए हैं। दिल्ली यातायात पुलिस और परिवहन विभाग ने दिल्ली के बाहर से आने वाले बीएस-6 मानक से पुराने वाहनों की जांच के लिए विशेष अभियान चलाया। इस दौरान कुल 14,930 वाहनों की जांच की गई। इनमें से करीब 10.31 प्रतिशत वाहनों को दिल्ली में प्रवेश की अनुमति नहीं दी गई और उन्हें सीमा से वापस भेज दिया गया। कार्रवाई के दौरान 127 चालान काटे गए और 62 वाहन जब्त किए गए। इन नियमों के उल्लंघन पर कुल 2 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया।



सात चेक बाउंस होने के बाद सामने आया 14.15 करोड़ रुपये की कथित धोखाधड़ी का मामला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली में करीब 14.15 करोड़ रुपये की कथित वित्तीय धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। एक शराब कंपनी, उसके मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) और अन्य संबंधित लोगों के खिलाफ दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने प्राथमिकी दर्ज की है। शिकायतकर्ता कंपनी का आरोप है कि कर्नाटक में कारोबार से जुड़ी जरूरतों के लिए दी गई रकम आरोपियों ने वापस नहीं की। भुगतान के लिए दिए गए सातों चेक भी बैंक में बाउंस हो गए, जिसके बाद मामले ने कानूनी रूप ले लिया। शिकायत के अनुसार, तिरुपति की एक कंपनी वर्ष 2020 से दूसरी कंपनी को आबकारी शुल्क और खुदरा विक्रेताओं के भुगतान संबंधी कार्यों के लिए वित्तीय सहायता दे रही थी। दोनों कंपनियों के बीच कारोबार को लेकर वित्तीय लेन-देन होता रहा। शिकायतकर्ता कंपनी का आरोप है कि उसने निर्धारित कारोबारी जरूरतों को पूरा करने के लिए समय-समय पर बड़ी रकम उपलब्ध कराई, लेकिन बाद में तय शर्तों के अनुसार उसका भुगतान नहीं किया गया। शिकायत में 25 फरवरी 2025 को किए गए एक बैंकिंग प्रबंध का भी उल्लेख किया गया है। इसके तहत संबंधित कंपनी ने एक निजी बैंक को निर्देश दिया था कि उसके खाते में आने वाली रकम का 82 प्रतिशत हिस्सा शिकायतकर्ता कंपनी को और शेष 18 प्रतिशत हिस्सा स्वयं कंपनी को दिया जाए। आरोप है कि इस व्यवस्था को महज 24 दिनों के भीतर बंद कर दिया गया और शिकायतकर्ता कंपनी को मिलने वाली निर्धारित हिस्सेदारी की रकम रोक दी गई। शिकायतकर्ता का कहना है कि इस बदलाव के कारण उसकी बड़ी रकम अटक गई। शिकायतकर्ता कंपनी के मुताबिक, उसने 3 करोड़ रुपये आबकारी शुल्क और 1.55 करोड़ रुपये व्यापारिक भुगतान के लिए उपलब्ध कराए थे। इसके बाद 11 अगस्त 2025 को दोनों पक्षों के बीच एक समझौता हुआ। शिकायत में दावा किया गया है कि इस समझौते में आरोपी कंपनी के प्रतिनिधियों ने 9.85 करोड़ रुपये की देनदारी स्वीकार की थी। इस रकम के भुगतान के लिए कुल 11.35 करोड़ रुपये के सात भविष्य की तारीख वाले चेक दिए गए थे। हालांकि, शिकायतकर्ता कंपनी का आरोप है कि जब उसने भुगतान के लिए चेक बैंक में लगाए तो सभी सातों चेक बाउंस हो गए। इसके बाद भी कई बार रकम लौटाने की मांग की गई, लेकिन भुगतान नहीं किया गया। कंपनी का कहना हैं।



दिवाली पर पटाखे नहीं जलाने की अपील से गरमाई राजनीति, दीया मिर्जा के वीडियो पर बीजेपी-शिवसेना ने जताई नाराजगी; बीएमसी ने हटाया संदेश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। दिवाली पर प्रदूषण और ध्वनि प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए फिल्मी हस्तियों की ओर से पटाखे नहीं जलाने की अपील अब राजनीतिक विवाद का विषय बन गई है। अभिनेत्री दीया मिर्जा के एक वीडियो संदेश को लेकर भारतीय जनता पार्टी और शिवसेना के नेताओं ने आपत्ति जताई। विवाद के बाद बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) ने अपने आधिकारिक सामाजिक माध्यम खातों से दीया मिर्जा का वीडियो हटा दिया। हालांकि, इसी अभियान के तहत जारी किए गए अभिनेत्री माधुरी दीक्षित नेने, निशिगंधा वाड और क्रिकेटर अजिंक्य रहाणे सहित अन्य हस्तियों के वीडियो अब भी उपलब्ध हैं। दरअसल, मुंबई में वायु प्रदूषण और ध्वनि प्रदूषण की समस्या को देखते हुए बीएमसी ने दिवाली से पहले लोगों को जागरूक करने के लिए विशेष अभियान शुरू किया था। इसके तहत फिल्मी कलाकारों और क्रिकेट जगत से जुड़ी हस्तियों से वीडियो संदेश तैयार करवाए गए थे। इन संदेशों में लोगों से पटाखों का इस्तेमाल नहीं करने, ध्वनि प्रदूषण कम करने और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी निभाने की अपील की गई



थी। अभिनेत्री दीया मिर्जा ने भी अपने संदेश में लोगों से दिवाली पर पटाखे नहीं जलाने का आग्रह किया था। यह अभियान बॉम्बे हाईकोर्ट की ओर से बीएमसी को दिए गए निर्देशों के बाद शुरू किया गया था। मुंबई में सार्वजनिक स्थानों और पार्कों में पटाखे जलाने पर प्रतिबंध से जुड़े निर्देश पहले से लागू हैं, लेकिन त्योहार के दौरान नियमों के उल्लंघन की शिकायतें सामने आती रही हैं। इसी स्थिति को देखते हुए अदालत ने बीएमसी को फटकार लगाते हुए प्रदूषण नियंत्रण के नियमों का प्रभावी पालन कराने और लोगों के बीच जागरूकता बढ़ाने के निर्देश दिए थे। अदालत ने अभियान में मशहूर हस्तियों को शामिल करने का सुझाव भी दिया था। इसके बाद बीएमसी ने कई कलाकारों और खिलाड़ियों के संदेश अपने सामाजिक माध्यम खातों पर साझा किए। दीया मिर्जा का वीडियो सामने आने के बाद मुंबई भाजपा अध्यक्ष अमित साटम ने इस पर आपत्ति जताई। उन्होंने सामाजिक माध्यम मंच एक्स पर बीएमसी को टैग करते हुए लिखा कि मुंबईवासियों को दीया मिर्जा से यह सीखने की जरूरत नहीं है कि दिवाली कैसे मनाई जाए। उन्होंने कहा कि भारतीय परंपराएं और त्योहारों से जुड़ी सांस्कृतिक मान्यताएं हमारी संस्कृति में गहराई से जुड़ी हुई हैं। उनके इस बयान के बाद वीडियो को लेकर राजनीतिक बहस तेज हो गई। शिवसेना की प्रवक्ता शायना एनसी ने भी दीया मिर्जा की अपील पर सवाल उठाए। समाचार एजेंसी एएनआई से बातचीत में उन्होंने कहा कि दिवाली रोशनी का त्योहार है और इसके साथ एक विशेष सांस्कृतिक पहचान जुड़ी हुई है। उन्होंने कहा कि कोई भी प्रदूषण को बढ़ावा देने की बात नहीं कर रहा है और न ही लोगों को पटाखे जलाने के लिए कहा जा रहा है, लेकिन मुंबईवासियों को अपने त्योहार और परंपराओं को लेकर दूसरों से सीख लेने की आवश्यकता नहीं है। उनके बयान को भी दीया मिर्जा के वीडियो पर आपत्ति के रूप में देखा गया। राजनीतिक विरोध के बाद बीएमसी ने अपने सामाजिक माध्यम खातों से दीया मिर्जा का वीडियो हटा दिया। हालांकि, अन्य हस्तियों के संदेशों को नहीं हटाया गया। इस घटनाक्रम ने प्रदूषण नियंत्रण के लिए चलाए जा रहे जागरूकता अभियान और त्योहारों से जुड़ी सांस्कृतिक भावनाओं के बीच बहस को और तेज कर दिया। इस विवाद में केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले की प्रतिक्रिया भी सामने आई। उन्होंने कहा कि दीया मिर्जा एक फिल्म अभिनेत्री हैं और वह मुस्लिम समुदाय से आती हैं, लेकिन दिवाली और प्रदूषण का मुद्दा किसी एक समुदाय तक सीमित नहीं है। संविधान सभी धर्मों को अपने त्योहार मनाने का अधिकार देता है। उन्होंने कहा कि जिस तरह हिंदू समुदाय ईद का सम्मान करता है, उसी तरह दिवाली भी धूमधाम से मनाई जाती है। अठावले ने यह भी कहा कि पटाखे नहीं जलाने से दिवाली के महत्व पर असर पड़ सकता है, लेकिन इसके साथ ही अत्यधिक प्रदूषण को लेकर भी गंभीरता से विचार करना जरूरी है। फिलहाल दीया मिर्जा का वीडियो हटाए जाने के बाद यह मामला चर्चा में है। एक ओर प्रदूषण कम करने और लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक बनाने की जरूरत पर जोर दिया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर त्योहारों की परंपराओं और सांस्कृतिक भावनाओं को लेकर राजनीतिक बयानबाजी जारी है।

'कोर्ट को हल्के में न लें', 200 करोड़ के वसूली मामले में दिल्ली की अदालत ने किसे लगाई फटकार?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेत्री नोरा फतेही को 200 करोड़ रुपये की जबरन वसूली से जुड़े सुकेश चंद्रशेखर मामले में दिल्ली की राउज एवेन्यू अदालत ने दोबारा समन जारी किया है। अभियोजन पक्ष की गवाह के रूप में बयान दर्ज कराने के लिए नोरा को अदालत में पेश होना था, लेकिन निर्धारित तारीख पर वह उपस्थित नहीं हुईं। उनकी गैरमौजूदगी पर अदालत ने नाराजगी जताई और उनके वकील को फटकार लगाते हुए कहा कि गवाह को अदालत में मौजूद होना चाहिए था। अदालत ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि न्यायालय की कार्यवाही को हल्के में नहीं लिया जाना चाहिए। विशेष न्यायाधीश गगनदीप सिंह ने नोरा फतेही को 6 नवंबर को पेश होने का निर्देश दिया है। सुनवाई के दौरान दिल्ली पुलिस ने अदालत को बताया कि नोरा फतेही को पेशी के लिए समन भेजा गया था, लेकिन उनकी ओर से उपस्थिति को लेकर कोई स्पष्ट जानकारी नहीं मिली। इस पर अदालत ने उनके वकील से नाराजगी जताई। न्यायाधीश ने कहा कि नोरा एक गवाह हैं और उन्हें



अदालत में उपस्थित होना चाहिए था। अदालत ने उनके व्यवहार पर भी असंतोष जताया। इसके बाद अभिनेत्री को दोबारा समन जारी करते हुए अगली सुनवाई की तारीख 6 नवंबर तय की गई। पुलिस के अनुसार, नोरा फतेही को 22 अक्टूबर को ईमेल और वॉट्सऐप के माध्यम से नोटिस भेजा गया था। उनसे फोन पर भी संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन जवाब नहीं मिला। इससे पहले 16 अक्टूबर को अदालत ने उन्हें 2 नवंबर को पेश होने का निर्देश दिया था। उनके वकील ने अदालत में पेशी से छूट देने की मांग की थी। हालांकि, अदालत ने गवाही के लिए उनकी उपस्थिति को जरूरी माना। नोरा का नाम मामले में दाखिल तीसरे पूरक आरोपपत्र में गवाह संख्या एलडब्ल्यू-3 के रूप में दर्ज है। दरअसल, यह मामला कथित ठग सुकेश चंद्रशेखर से जुड़ा है। आरोप है कि उसने वर्ष 2020 से 2021 के बीच दिल्ली की रोहिणी जेल में रहते हुए खुद को बड़े सरकारी अधिकारियों के रूप में पेश किया था। इसी दौरान उसने पूर्व रैनबैक्सी प्रवर्तक शिविंदर मोहन सिंह की पत्नी अदिति सिंह से करीब 200 करोड़ रुपये की वसूली की। आरोप के मुताबिक, सुकेश ने अदिति सिंह को उनके पति को जेल से बाहर निकलवाने का भरोसा दिलाया था। इस मामले की जांच दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा कर रही है। जांच के दौरान नोरा फतेही से भी सुकेश चंद्रशेखर और उसकी पत्नी लीना मारिया पॉलोस के साथ कथित संपर्कों को लेकर पूछताछ की गई थी। पुलिस ने उनका बयान भी दर्ज किया था। नोरा ने जांचकर्ताओं को बताया था कि सुकेश से उनकी बातचीत उसकी पत्नी के माध्यम से हुई थी। दिसंबर 2020 में चेन्नई में आयोजित एक कार्यक्रम के संबंध में भी उनसे सवाल किए गए थे।

शादी के सात फेरों के बाद अस्पताल पहुंचे दूल्हा-दुल्हन, खाना खाने से 30 से अधिक लोग बीमार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। शादी की खुशियां उस समय अफरा-तफरी में बदल गईं, जब विवाह समारोह में भोजन करने के बाद दूल्हा-दुल्हन समेत 30 से अधिक लोगों की तबीयत बिगड़ गई। घटना मुंबई के भांडुप इलाके की है। भोजन करने के कुछ समय बाद मेहमानों को पेट दर्द, उल्टी और दस्त की शिकायत होने लगी। देखते ही देखते कई लोगों की हालत बिगड़ने लगी, जिसके बाद उन्हें आनन-फानन में अस्पताल पहुंचाया गया। शादी की रस्में पूरी होने के कुछ ही घंटों बाद नवदंपति को भी अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। जानकारी के अनुसार, समारोह में शामिल लोगों ने शादी का भोजन किया था। इसके बाद एक के बाद एक लोगों को पेट संबंधी परेशानी होने लगी। शुरुआत में कुछ लोगों ने पेट दर्द और उल्टी की शिकायत की, लेकिन बाद में मरीजों की संख्या बढ़ती चली गई। स्थिति को देखते हुए परिजनों और आयोजकों ने बीमार लोगों को मुलुंड स्थित बीएमसी के अग्रवाल अस्पताल सहित आसपास के अन्य

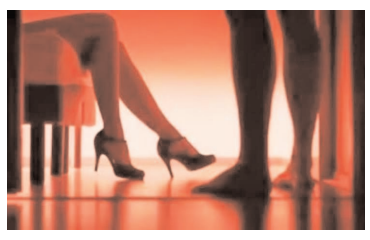


अस्पतालों में पहुंचाया। रात करीब 11 बजकर 40 मिनट पर अग्रवाल अस्पताल के आपातकालीन विभाग में एक के बाद एक मरीज पहुंचने लगे। अस्पताल के मेडिकल ऑफिसर के अनुसार, यहां कुल 27 मरीजों को भर्ती कराया गया है। इनमें 11 महिलाएं, 9 पुरुष और 7 बच्चे शामिल हैं। सभी मरीजों को तत्काल प्राथमिक उपचार और आवश्यक दवाएं दी गईं। चिकित्सकों के मुताबिक, फिलहाल सभी भर्ती मरीजों की हालत स्थिर है। उल्टी और शरीर में पानी की कमी जैसी परेशानियों पर नियंत्रण होने तक मरीजों को चिकित्सकीय निगरानी में रखा गया है। इस घटना के बाद पीड़ित परिवारों ने भोजन तैयार करने और परोसने वाली कैटरिंग सेवा पर लापरवाही का आरोप लगाया है। परिजनों का दावा है कि शादी समारोह में परोसे गए भोजन की गुणवत्ता ठीक नहीं थी और संभव है कि खराब या बासी खाना खाने के कारण लोगों की तबीयत बिगड़ी हो। हालांकि, भोजन की गुणवत्ता और बीमारी के वास्तविक कारण की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। परिजनों ने महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन के आयुक्त तुकाराम मुंडे से मामले की निष्पक्ष जांच कराने और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि शादी जैसे आयोजन में बड़ी संख्या में लोग भोजन करते हैं, इसलिए भोजन की गुणवत्ता और साफ-सफाई को लेकर किसी तरह की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। परिवार ने दोषी पाए जाने पर संबंधित कैटरिंग संचालकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग भी उठाई है। घटना ने शादी समारोह में भोजन की गुणवत्ता और खाद्य सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं।

21 साल की युवती, 3 आदमी और फ्लैट... छापा पड़ा तो एक आरोपी भाग गया, लातूर में पकड़ा गया रैकेट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लातूर। महाराष्ट्र के लातूर में पुलिस ने देह व्यापार के कथित रैकेट का पर्दाफाश करते हुए एक 21 वर्षीय युवती को मुक्त कराया है। पुलिस ने मौके से एक महिला सहित दो लोगों को गिरफ्तार किया है, जबकि कार्रवाई के दौरान एक अन्य व्यक्ति फरार होने में सफल रहा। पुलिस के अनुसार, मुक्त कराई गई युवती नागपुर की रहने वाली है और उसे कथित तौर पर जबरन देह व्यापार में धकेला गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अब इस पूरे नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश और उनकी भूमिका की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार, लातूर के मौली नगर इलाके में स्थित एक फ्लैट में लंबे समय से देह व्यापार संचालित किए जाने की सूचना पुलिस को मिली थी। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मामले की पुष्टि करने के लिए पहले निगरानी की और उसके बाद कार्रवाई की योजना बनाई। पुलिस ने केवल सूचना के आधार पर छापा मारने के बजाय यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया कि संबंधित फ्लैट में वास्तव में अवैध गतिविधियां संचालित हो रही हैं या नहीं। इसी उद्देश्य से शुक्रवार को पुलिस ने एक व्यक्ति को ग्राहक बनाकर फ्लैट में भेजा। इस व्यक्ति



के माध्यम से पुलिस ने मौके की स्थिति की जानकारी जुटाई। जब प्रारंभिक जांच में पुलिस को सूचना सही होने के संकेत मिले, तो टीम ने तत्काल फ्लैट पर छापा मार दिया। अचानक हुई इस कार्रवाई से वहां मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। पुलिस ने मौके से दो लोगों को पकड़ लिया, जबकि एक अन्य व्यक्ति वहां से भाग निकला। पुलिस ने गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान जावेद यूसुफ सैयद और जयश्री राम तरोटे के रूप में की है। छापेमारी के दौरान पुलिस को फ्लैट से 21 वर्षीय युवती भी मिली, जिसे सुरक्षित बाहर निकालकर अपने संरक्षण में लिया गया। पूछताछ के दौरान युवती ने पुलिस को बताया कि वह नागपुर की रहने वाली है और उसे उसकी इच्छा के विरुद्ध देह व्यापार में शामिल किया गया था। युवती के इस बयान के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपियों के साथ-साथ इस गतिविधि से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की जांच शुरू कर दी। युवती ने पुलिस को यह भी बताया कि ग्राहकों से मिलने वाली रकम का बंटवारा गिरफ्तार आरोपियों और कुछ अन्य लोगों के बीच किया जाता था। इस जानकारी के आधार पर पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि इस कथित धंधे का संचालन कौन कर रहा था और इसमें किन-किन लोगों की भागीदारी थी। पुलिस को आशंका है कि मामले की जांच आगे बढ़ने पर अन्य लोगों की भूमिका भी सामने आ सकती है। हालांकि, पूरे नेटवर्क के संबंध में अभी जांच जारी है और किसी अन्य व्यक्ति की संलिप्तता की पुष्टि नहीं हुई है। इस कार्रवाई के बाद पुलिस ने लातूर के शिवाजीनगर पुलिस थाने में मामला दर्ज किया है। आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और अनैतिक देह व्यापार निवारण अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई है। पुलिस फरार आरोपी की तलाश कर रही है। साथ ही युवती के बयान, फ्लैट से मिले साक्ष्यों और अन्य उपलब्ध जानकारियों के आधार पर पूरे मामले की पड़ताल की जा रही है। पुलिस अब यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही है कि युवती को लातूर तक कैसे लाया गया, उसे इस गतिविधि में शामिल करने में किन लोगों की भूमिका रही और क्या इस कथित रैकेट का संपर्क दूसरे शहरों से भी था।

कांदिवली से भागे, तमिलनाडु में छिपे, ड्रग्स सप्लायर 'बंटी-बबली' को मुंबई पुलिस ने पकड़ा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पुणे। में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत समता नगर पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने 55 लाख रुपये की एमडी ड्रग्स बरामदगी के मामले में लंबे समय से फरार चल रहे कथित ड्रग्स सप्लायर जोड़े को तमिलनाडु से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों को 'बंटी-बबली' के नाम से पहचानते हुए उनकी गिरफ्तारी की जानकारी दी है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान माला राय और उसके कथित प्रेमी अविनाश झा उर्फ 'लोटा' के रूप में हुई है। दोनों पर मादक पदार्थों की खरीद-फरोख्त और सप्लाई से जुड़े होने का आरोप है। पुलिस के मुताबिक, इस मामले की शुरुआत मुंबई के कांदिवली इलाके के पोईसर में हुई कार्रवाई से हुई थी। समता नगर पुलिस को मादक पदार्थों की गतिविधियों से जुड़ी जानकारी मिलने के बाद माला राय के घर पर छापा मारा गया था। तलाशी के दौरान पुलिस ने वहां से 220 ग्राम एमडी ड्रग्स बरामद की थी। जब्त किए गए मादक पदार्थ की कीमत करीब 55 लाख रुपये आंकी गई थी। इस बरामदगी के बाद पुलिस ने मामले में आगे की कार्रवाई शुरू की, लेकिन इसी दौरान आरोपी माला राय पुलिस की पकड़ से बचकर फरार हो गई। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि माला राय अकेले मुंबई से फरार नहीं हुई थी, बल्कि वह अपने कथित साथी अविनाश झा उर्फ लोटा के साथ शहर छोड़कर चली गई थी। दोनों ने गिरफ्तारी से बचने के लिए दक्षिण भारत का रुख किया और तमिलनाडु में छिपकर रहने लगे। आरोपियों के फरार होने के बाद समता नगर पुलिस ने उनकी तलाश तेज कर दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने विशेष टीम गठित की और अलग-अलग स्तर पर जांच शुरू की। समता नगर पुलिस के वरिष्ठ निरीक्षक जयवंत शिंदे के अनुसार, माला राय के घर से एमडी ड्रग्स बरामद होने के बाद से ही पुलिस दोनों आरोपियों की तलाश कर रही थी। फरार आरोपियों का पता लगाने के लिए पुलिस ने तकनीकी जांच का सहारा लिया। जांच के दौरान दोनों की गतिविधियों और संभावित ठिकानों की जानकारी जुटाई गई। पुलिस को शुरुआत में उनके दक्षिण भारत में होने के संकेत मिले। इसके बाद उनकी लोकेशन की पुष्टि करने के लिए लगातार प्रयास किए गए। पुलिस उपनिरीक्षक योगेश राउत के नेतृत्व में गठित टीम ने तकनीकी जानकारी के आधार पर आरोपियों की तलाश आगे बढ़ाई। जब दोनों के तमिलनाडु में छिपे होने की पुष्टि हुई तो मुंबई पुलिस ने स्थानीय पुलिस की मदद ली। इसके बाद योजनाबद्ध तरीके से कार्रवाई करते हुए दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तारी के बाद उन्हें मुंबई लाया गया, जहां अदालत में पेश करने पर पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। अब पुलिस की जांच का मुख्य केंद्र एमडी ड्रग्स की सप्लाई चेन है।



शरद पवार ने की डिमांड, बताया- अजित पवार के निधन के कारण दिवाली नहीं मनाएंगे



महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के प्रमुख शरद पवार ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को लेकर केंद्र सरकार से तत्काल निर्णय लेने की मांग की है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को इस मामले में पहले ही फैसला कर लेना चाहिए था, लेकिन अब तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया। इसी वजह से दिल्ली में विपक्षी दलों को आंदोलन करना पड़ रहा है। पवार ने बताया कि इंडिया गठबंधन की ओर से दिल्ली में चल रहे प्रदर्शन में उनकी पार्टी की सांसद सुप्रिया सुले सहित कई नेता शामिल हो रहे हैं। उद्धव ठाकरे गुट के सांसद संजय राउत भी इस आंदोलन में हिस्सा ले रहे हैं। दिल्ली में विपक्षी दल विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया को रद्द करने और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। शरद पवार ने कहा कि विपक्ष की ओर से लगातार अपनी मांगें उठाई जा रही हैं, लेकिन केंद्र सरकार ने अब तक उन पर अपेक्षित निर्णय नहीं लिया है। ऐसे में सरकार को इस मामले में जल्द अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए। वहीं, महाराष्ट्र की मौजूदा स्थिति को लेकर शरद पवार ने कहा कि उनका मुख्य ध्यान राज्य के सूखाग्रस्त क्षेत्रों और किसानों की समस्याओं पर है। उन्होंने बताया कि प्रदेश के कई हिस्सों में पानी की कमी गंभीर होती जा रही है। किसानों को सिंचाई के लिए पानी के साथ पशुओं के लिए चारे की भी जरूरत है। इसी स्थिति का जायजा लेने के लिए वह अलग-अलग जिलों का दौरा कर रहे हैं। पवार ने बताया कि उन्होंने रविवार को सोलापुर जिले से अपने दौरे की शुरुआत की। उनके अनुसार, सोलापुर के 139 गांवों में पानी की आपूर्ति के लिए 135 टैंकर लगाए गए हैं। इसके बावजूद पानी की मांग लगातार बढ़ रही है और लोगों के सामने पेयजल का संकट बना हुआ है। उन्होंने कहा कि खड़कवासला और पुणे के अन्य बांधों में उपलब्ध पानी का इस्तेमाल सावधानीपूर्वक किया जाना चाहिए। जल भंडारण और उसके उचित प्रबंधन पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। शरद पवार ने कहा कि राज्य सरकार ने सूखे की स्थिति को देखते हुए किसानों को 5,000 रुपये की अग्रिम सहायता देने का कदम उठाया है, लेकिन सूखा राहत की शेष सहायता भी जल्द उपलब्ध कराई जानी चाहिए। उन्होंने उम्मीद जताई कि राज्य और केंद्र सरकार मिलकर किसानों की समस्याओं का समाधान निकालेंगी।

1 अप्रैल से खुदरा कारोबार में ई-इनवॉइसिंग की पायलट परियोजना शुरू होगी

नई दिल्ली ।

वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) चोरी पर लगाम लगाने और कर दायरे को व्यापक बनाने के लिए सरकार एक बड़ी पहल करने जा रही है। 1 अप्रैल, 2027 से खुदरा कारोबार में ई-इनवॉइसिंग की पायलट परियोजना शुरू की जाएगी, जिसके तहत चुनिंदा व्यावसायिक क्षेत्रों के दुकानदारों को ग्राहकों को जारी किए गए बिलों का इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड रखना होगा। इस पहल का मुख्य उद्देश्य खुदरा लेनदेन की निगरानी बढ़ाना और वास्तविक बिक्री का जीएसटी रिटर्न से मिलान करना है। वर्तमान में कारोबारी केवल कुल बिक्री का ब्योरा देते हैं, लेकिन नई व्यवस्था में कर अधिकारी व्यक्तिगत बिलों के आधार पर बिक्री और कर भुगतान की जांच कर सकेंगे। फिलहाल, सालाना 5 करोड़ रुपए से अधिक कारोबार वाले व्यवसायों को अन्य कारोबारियों (बी2बी) को जारी बिलों का विवरण इलेक्ट्रॉनिक रूप से दर्ज करना होता है। अब इस व्यवस्था का विस्तार व्यवसाय से उपभोक्ता (बी2सी) लेनदेन तक करने की योजना है। जीएसटी परिषद ने सितंबर 2024 में स्वैच्छिक परीक्षण की सिफारिश की थी, जिसे बाद में कर चोरी वाले क्षेत्रों, जैसे कि रेस्तरां, में अनिवार्य किया जा सकता है। यह कदम कर चोरी पर अंकुश लगाने और राजस्व बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

आईडीबीआई बैंक कर्मचारी भूख हड़ताल पर, सरकार और यूनियन आमने-सामने

कनाडा की फर्म को 60 फीसदी से अधिक हिस्सेदारी बेचने का विरोध

नई दिल्ली ।

आईडीबीआई बैंक के 10,000 से अधिक कर्मचारी 2-3 नवंबर को भूख हड़ताल पर हैं। बैंक के प्रस्तावित निजीकरण और कनाडा की फेयरफैक्स फाइनेंशियल होल्डिंग्स को बहुलांश हिस्सेदारी बेचे जाने के खिलाफ यह विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है। यूनाइटेड फोरम ऑफ आईडीबीआई ऑफिसर्स एंड एम्प्लॉइज का कहना है कि वर्षों के सार्वजनिक निवेश और कर्मचारियों के योगदान से बैंक अब मुनाफे में है, ऐसे में इसका निजीकरण अनुचित है। यूनियन इस सौदे को देश के एक ऐतिहासिक बैंक का विदेशीकरण बता रही है और जमाकर्ताओं के लगभग 3.5 लाख करोड़ रुपये की सुरक्षा पर सवाल उठा रही है। उनका तर्क है कि आत्मनिर्भर भारत की बात करने वाली सरकार एक महत्वपूर्ण वित्तीय स्तंभ को विदेशी हाथों में क्यों सौंप रही है, जिससे बैंक का प्राथमिक उद्देश्य कॉर्पोरेट मुनाफे में बदल सकता है। वहीं सरकार का तर्क है कि बैंक का सौदा घाटे में नहीं, बल्कि फायदे में हुआ है, जहां फेयरफैक्स ने प्रति शेयर बाजार मूल्य (75.99 रुपए) से अधिक (81 रुपए) बोली लगाई है। कैबिनेट कमेटी ऑन इकोनॉमिक अफेयर्स (सीसीईए) ने फेयरफैक्स को 60.72 फीसदी हिस्सेदारी (सरकार की 30.48 फीसदी और एलआईसी की 30.24 फीसदी) बेचने की मंजूरी दी है।

कोल इंडिया की रिकॉर्ड कोयला आपूर्ति, पहली बार 7 करोड़ टन का आंकड़ा पार

बिजली क्षेत्र को भी सर्वाधिक कोयला, आयात में भी कमी दर्ज

नई दिल्ली ।

कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने अक्टूबर 2026 में कोयला आपूर्ति के सभी पिछले रिकॉर्ड तोड़ दिए, पहली बार मासिक आपूर्ति 7 करोड़ टन के आंकड़े को पार कर गई।

यह उपलब्धि देश में बिजली की बढ़ती मांग को पूरा करने और ताप विद्युत संयंत्रों के लिए कोयले की उपलब्धता सुनिश्चित करने के प्रयासों को दर्शाती है, जिससे ऊर्जा संकट की चिंताओं को दूर करने में मदद मिली है। कंपनी ने अक्टूबर 2026 में कुल 7.03 करोड़ टन कोयले की आपूर्ति की, जो पिछले वित्तीय वर्ष के इसी महीने के मुकाबले 19 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि है। इससे पहले का मासिक रिकॉर्ड मार्च 2026 में 6.94 करोड़ टन था। बिजली क्षेत्र को की गई आपूर्ति भी 5.71 करोड़ टन के अब तक के सर्वाधिक मासिक स्तर पर पहुंच गई, जिसने मई 2024 के पिछले रिकॉर्ड को पछाड़ दिया। यह रिकॉर्ड प्रदर्शन ऐसे समय में सामने आया है, जब हाल ही में देश के कई बिजली संयंत्रों में कोयले के कम स्टॉक को लेकर चिंताएं बढ़ गई थीं। घरेलू उत्पादन में इस वृद्धि के साथ, अगस्त 2026 में देश का कुल कोयला आयात 5.83 प्रतिशत घटकर 10.457 करोड़ टन रह गया।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 1233, निफ्टी 387 अंक उछला

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दूनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी होने से आई हैं। आज कारोबार के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा स्टील, अल्ट्राटेक सीमेंट, एसबीआई, एनटीपीसी, मारुति, बजाज फाइनेंस के शेयरों में उछाल आया जिससे बाजार धारणा मजबूत हुई। सप्ताह के पहले कारोबारी सत्र में सेंसेक्स और निफ्टी तेजी के साथ बंद हुआ। वहीं आईटी स्टॉक्स में गिरावट रही। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1233.25 अंकों की तेजी के साथ ही 75,692.78 अंकों पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई का निफ्टी 387.70 अंक उछलकर 23,440.80 अंकों पर बंद हुआ।

आज सेंसेक्स की 30 में से 23 कंपनियों के शेयर ही बढ़त पर बंद हुए और शेष सभी 7 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। वहीं दूसरी ओर, निफ्टी 50 की 50 में से 38 कंपनियों के शेयर तेजी के साथ बंद हुए और बाकी की सभी 12 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए। रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में आज सबसे अधिक 11.64 फीसदी की तेजी रही। इसके अलावा टाटा स्टील, अल्ट्राटेक सीमेंट और एसबीआई के शेयरों में भी तेजी रही।



सेंसेक्स की अन्य कंपनियों की बात करें तो आज टाटा स्टील, अल्ट्राटेक सीमेंट, एसबीआई, एनटीपीसी 2.37, मारुति सुजुकी, बजाज फाइनेंस, एलएंडटी, बीईएल, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एशियन पेंट्स, बजाज फिनसर्व, इंडिगो तेजी के साथ बंद हुए। वहीं वहीं दूसरी ओर, आज कोटक महिंद्रा बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, सन फार्मा, एक्सिस बैंक, टेक महिंद्रा और टीसीएस के शेयरों में गिरावट रही। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार की तेज शुरुआत हुई।

सुबह सेंसेक्स अपने पिछले बंद भाव 74,459.53 के मुकाबले 75,178.24 पर खुला, जो 718.71 अंकों की शानदार छलांग थी। वहीं निफ्टी ने अपने पिछले बंद भाव 23,053.10 से 169.2 अंक उछलकर 23,222.30 पर सत्र की शुरुआत की

रुपया गिरावट के साथ बंद

मुंबई ।



अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया सोमवार को 9 पैसे की गिरावट के साथ ही 94.86 पर बंद हुआ।

आज सबह शुरुआती कारोबार में रुपया 21 पैसे की गिरावट के साथ ही अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.97 पर पहुंच गया। विदेशी बाजारों में अमेरिकी डॉलर की बढ़ती मांग से घरेलू मुद्रा पर दबाव है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि हालांकि घरेलू बाजारों में तेजी और कच्चे तेल की कीमतों में थोड़ी नरमी से रुपये को निचले स्तर पर थोड़ा समर्थन मिला।

वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 94.90 प्रति डॉलर पर खुला। फिर फिसलकर 94.97 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 21 पैसे की गिरावट है। रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.76 पर बंद हुआ था। इस बीच दुनिया की छह मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी मुद्रा की स्थिति दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.07 फीसदी की बढ़त के साथ 109.95 पर पहुंच गया।

ईएएए इंडिया अल्टरनेटिव्स के शेयर एक प्रतिशत चढ़कर सूचीबद्ध

नई दिल्ली ।



एडलवाइस फाइनेंशियल सर्विसेज की अनुषंगी कंपनी ईएएए इंडिया अल्टरनेटिव्स लिमिटेड का शेयर अपने निर्गम मूल्य 1,665 रुपये से करीब एक प्रतिशत की बढ़त के साथ सोमवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर शेयर ने 1,673 रुपये पर कारोबार शुरू किया जो निर्गम मूल्य से 0.48 प्रतिशत अधिक है। एनएसई पर शेयर निर्गम मूल्य से 0.63 प्रतिशत अधिक 1,675.50 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। बाद में बीएसई पर शेयर 1.22 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,685.35 रुपये पर और एनएसई पर 1.57 प्रतिशत चढ़कर 1,691.70 रुपये पर कारोबार करने लगा। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 10,900.87 करोड़ रुपये रहा। ईएएए इंडिया अल्टरनेटिव्स लिमिटेड के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को पिछले सप्ताह बुधवार को बोली के अंतिम दिन 5.25 गुना अभिदान मिला था। आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 1,585-1,665 रुपये प्रति शेयर था।वर्ष 2008 में स्थापित ईएएए इंडिया अल्टरनेटिव्स एक वैकल्पिक निवेश मंच है जो बुनियादी ढांचे, वाणिज्यिक रियल एस्टेट तथा निजी ऋण सहित विभिन्न परिसंपत्ति वर्गों में दीर्घकालिक पूंजी का प्रबंधन करता है।

कंपनियों पर बढ़ा बोझ, बिक्री का 44 फीसदी हिस्सा खर्च में गया

पिछले वर्ष में दर्ज 38.77 प्रतिशत के आंकड़े से 5.72 प्रतिशत अधिक

नई दिल्ली ।

भारतीय कंपनियों को कच्चे माल की बढ़ती लागत से जूझना पड़ रहा है, जिसका सीधा असर उनके मुनाफे और अंततः उपभोक्ताओं की जेब पर पड़ रहा है। सेंटर फॉर मॉनीटरिंग इंडियन इकॉनमी (सीएमआईई) के आंकड़ों के विश्लेषण से पता चला है कि जून तिमाही में देश की गैर-वित्तीय क्षेत्र की कंपनियों की प्रत्येक 100 रुपये की बिक्री में से 44 रुपये कच्चे माल और संबंधित खर्चों को पूरा करने में चले गए। यह पिछले लगभग एक दशक में किसी भी तिमाही में दर्ज किया गया सबसे ऊंचा आंकड़ा है, जो भारतीय अर्थव्यवस्था में बढ़ती लागत के दबाव को दर्शाता है। सीएमआईई द्वारा समीक्षा की गई 3,687 गैर-वित्तीय कंपनियों के लिए जून तिमाही में कच्चे माल, स्टोर्स और स्पेयर पार्ट्स पर खर्च का हिस्सा 44.49 प्रतिशत रहा। यह पिछले वर्ष की इसी अवधि में दर्ज 38.77 प्रतिशत के आंकड़े से 5.72 प्रतिशत अधिक है। स्टोर्स और स्पेयर पार्ट्स में विनिर्माण प्रक्रिया के दौरान उपयोग होने वाली सहायक वस्तुएं, जैसे लुब्रिकेंट्स या कलपुर्जे शामिल हैं। यह रुझान सितंबर तिमाही में भी बरकरार रहा, जहां कच्चे माल और उससे जुड़ी लागत कुल बिक्री का लगभग 41 प्रतिशत रही, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि (39.8 प्रतिशत) से अधिक है। गैर-वित्तीय क्षेत्र में स्टील, ऑटोमोबाइल, खनन और निर्माण जैसी प्रमुख औद्योगिक कंपनियां शामिल हैं। यह तीसरी तिमाही है जिस पर फरवरी में शुरू हुए पश्चिम एशिया संघर्ष का असर पड़ा है, जिससे वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएं प्रभावित हुई हैं और कच्चे माल की कीमतें बढ़ी हैं। हालांकि कंपनियों के पास आमतौर पर कच्चे माल का स्टॉक होता है जो अस्थायी लागत बढ़ोतरी से बचाव कर सकता है, लेकिन यह सुरक्षा सीमित समय के लिए ही होती है। जून के ये उच्च आंकड़े चालू सितंबर तिमाही के आय सत्र के लिए संभावित चुनौतियों का संकेत देते हैं। उद्योग विशेषज्ञों के अनुसार कच्चे माल की बढ़ती लागत कुछ खास क्षेत्रों में मांग को प्रभावित कर सकती है, खासकर उन घरेलू उपकरण बनाने वाली कंपनियों पर जो कीमतें नहीं बढ़ा पाई हैं। हालांकि, केबल और सीमेंट कंपनियों जैसे कई अन्य क्षेत्रों ने इस लागत दबाव का बेहतर तरीके से मुकाबला किया है। सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) जैसे सेवा उद्योगों और फार्मास्युटिकल्स जैसे क्षेत्रों पर सबसे कम असर पड़ने की उम्मीद है, क्योंकि इनमें कच्चे माल की लागत बिक्री का एक छोटा हिस्सा होती है।

अक्टूबर में धीमी पड़ी विनिर्माण की रफ्तार

विनिर्माण पीएमआई 55.1 से घटकर 54.7 पर

नई दिल्ली ।

अक्टूबर में भारत के विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधियों की रफ्तार में मामूली कमी दर्ज की गई है। एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) सितंबर के 55.1 से घटकर अक्टूबर में 54.7 पर आ गया। हालांकि, 50 के विस्तार स्तर से काफी ऊपर रहने के कारण यह अब भी मजबूत विस्तार का संकेत देता है, जिसकी मुख्य वजह उत्पादन और नए ऑर्डर में अपेक्षाकृत धीमी वृद्धि थी। मासिक सर्वेक्षण के अनुसार, विनिर्माण क्षेत्र में उत्पादन और नए ऑर्डर में अपेक्षाकृत धीमी वृद्धि देखी गई। हालांकि, लागत का दबाव मध्यम रहने से गतिविधियों की रफ्तार धीमी होने का असर सीमित रहा। पीएमआई का 50 से ऊपर रहना विस्तार को दर्शाता है, और 54.7 का आंकड़ा दीर्घकालिक औसत से ऊपर तथा मजबूत विस्तार की स्थिति में है। सर्वेक्षण बताता है कि नए ऑर्डर और उत्पादन वृद्धि की गति धीमी हुई, पर मांग में सुधार जारी रहा। नए निर्यात ऑर्डर छह महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंचना एक सकारात्मक संकेत रहा, जिसने उत्पादन को सहारा दिया। कंपनियों ने अस्थिर वैश्विक माहौल और बढ़ती उत्पादन जरूरतों के



मद्देनजर कच्चे माल का भंडार आठ महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंचाया। एचएसबीसी की एक अर्थशास्त्री ने इस गिरावट के बावजूद इसे मजबूत विस्तार के दायरे में बताया। रोजगार के मोर्चे पर, विनिर्माण क्षेत्र में लगातार दूसरे महीने नियुक्तियां बढ़ीं, हालांकि उनकी रफ्तार धीमी रही। वहीं मांग बढ़ने के बावजूद कारोबारी विश्वास कमजोर हुआ और दीर्घकालिक औसत से नीचे बना रहा, जो भविष्य की अनिश्चितताओं को दर्शाता है।

बजाज ऑटो की बिक्री 14 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली ।

बजाज ऑटो की अक्टूबर में कुल बिक्री सालाना आधार पर 14 प्रतिशत बढ़ी। दोपहिया और वाणिज्यिक वाहन दोनों खंडों में दोहरे अंकों की वृद्धि दर्ज की गई। वाहन विमान विनिर्माता कंपनी ने सोमवार को शेयर बाजार को दी गई सूचना में बताया कि उसकी कुल थोक बिक्री 5,91,876 इकाई रही, जबकि एक साल पहले की समान अवधि में यह 5,18,170 इकाई थी। घरेलू बिक्री 12 प्रतिशत बढ़कर 3,51,148 इकाई हो गई जबकि निर्यात 18 प्रतिशत बढ़कर 2,40,728 इकाई रहा। कुल दोपहिया वाहनों की बिक्री 13 प्रतिशत बढ़कर 5,01,194 इकाई हो गई जो एक साल पहले की समान अवधि में 4,42,316 इकाई थी। कुल वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री 20 प्रतिशत बढ़कर 90,682 इकाई रही, जबकि एक साल पहले यह 75,854 इकाई थी। बजाज ऑटो की अप्रैल-अक्टूबर अवधि के दौरान कुल बिक्री 22 प्रतिशत बढ़कर 35,79,011 इकाई हो गई।दोपहिया वाहनों की बिक्री 22 प्रतिशत बढ़कर 30,07,707 इकाई रही, जबकि वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री 23 प्रतिशत बढ़कर 5,71,304 इकाई हो गई।

भारत-यूरोपीय संघ ने एफटीए को लागू करने से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की

वाणिज्य सचिव ने ब्रसेल्स में की मुलाकात, व्यापार सुगमता और हीरा उद्योग पर भी बात

नई दिल्ली ।

भारत और यूरोपीय संघ ने इस साल दिसंबर में प्रस्तावित अपने मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के सुचारु कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने हेतु महत्वपूर्ण चर्चाएं कीं। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने पिछले सप्ताह ब्रसेल्स की अपनी यात्रा के दौरान इन मुद्दों पर बातचीत की। अग्रवाल ने यूरोपीय आयोग के व्यापार, अंतर्राष्ट्रीय भागीदारी व कराधान महानिदेशालयों के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की। चर्चा में सीमा शुल्क सहयोग, व्यापार सुगमता और एफटीए कार्यान्वयन की तैयारियां प्रमुख रहीं। दोनों पक्षों ने व्यवसायों के समर्थन, लेनदेन लागत में कमी और सुचारु वैध व्यापार हेतु कुशल, पारदर्शी व डिजिटल सीमा शुल्क प्रक्रियाओं की अहमियत पर जोर दिया।

27 जनवरी को संपन्न हुआ यह एफटीए भारत के चमड़ा, कपड़ा, रत्न एवं आभूषण जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्रों को शुल्क-मुक्त पहुंच प्रदान करेगा। एफटीए के अलावा, सचिव अग्रवाल एंटवर्प के हीरा उद्योग हितधारकों से भी मिले, जो हीरा राजधानी कहलाता है। यहां वैश्विक हीरा मूल्य श्रृंखला, प्रमाणन, जिम्मेदार खरीद और भारत के बढ़ते हीरा बाजार के अवसरों पर चर्चा हुई।

हवाई अड्डा शुल्क में कटौती से भारतीय बाजार का बढ़ेगा विस्तार-इंडिगो के सीईओ

नई दिल्ली ।

देश की सबसे बड़ी विमानन कंपनी इंडिगो के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) विली वॉल्श ने भारत में हवाई अड्डों के उच्च शुल्कों और करों में कटौती की पुरजोर वकालत की है। सोमवार को दिल्ली में उन्होंने स्पष्ट किया कि विमानन क्षेत्र में व्यापक विस्तार के लिए यह आवश्यक है और हवाई अड्डों की एकाधिकार स्थिति के कारण उन्हें प्रतिस्पर्धात्मक मूल्य निर्धारित करने की जरूरत है। वॉल्श ने कहा, हवाई अड्डों के शुल्क बहुत अधिक हैं और अगर हमारे यहां कर कम होते, तो यह बाजार कहीं बेहतर प्रदर्शन करता। इसलिए कम कर और कम हवाई अड्डा शुल्क ही आगे बढ़ने का रास्ता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत में विस्तार के अवसरों का पूरी तरह से लाभ उठाने के लिए सभी संबंधित पक्षों को अपनी लागत पर ध्यान केंद्रित करना होगा।

इंडिगो जो 65 प्रतिशत से अधिक घरेलू बाजार हिस्सेदारी के साथ देश की अग्रणी विमानन कंपनी है और प्रतिदिन लगभग 2,200 उड़ानें संचालित करती है, हमेशा हवाई अड्डों से बेहतर मूल्य की अपेक्षा करती है। वॉल्श ने याद दिलाया कि वैश्विक एयरलाइन संगठन आईएटीए के महानिदेशक के रूप में भी उन्होंने भारत में हवाई अड्डों के शुल्कों और करों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया था, और उनके विचार अब भी अपरिवर्तित हैं।

इंडिया ब्लॉक की रैली से दिल्ली के कारोबा रियों को 10 हजार करोड़ का नुकसान

पुरानी और सेंट्रल दिल्ली के 20-25 बाजार हुए प्रभावित, आपूर्ति श्रृंखला पर भी असर

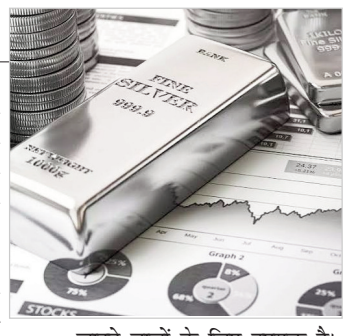
नई दिल्ली ।

दिवाली से पहले बाजारों में रौनक की उम्मीदों को 1 नवंबर को हुई इंडिया ब्लॉक की रामलीला मैदान रैली से गहरा झटका लगा है। व्यापारी संगठन सीटीआई ने दावा किया है कि इस रैली के चलते पुरानी और सेंट्रल दिल्ली के करीब 20 से 25 बाजारों में कारोबार ठप रहा, जिससे व्यापारियों को लगभग 10,000 से 11,000 करोड़ रुपए का भारी नुकसान हुआ है। सीटीआई के एक अधिकारी के मुताबिक, रामलीला मैदान के आसपास की करीब 3 लाख दुकानों में से लगभग 80 फीसदी यानी 2.5 लाख दुकानें रैली के दिन बंद रहीं। व्यापारियों ने बड़ी संख्या में लोगों और वाहनों की आवाजाही की आशंका के चलते दुकानें बंद रखने का फैसला किया, जिससे ग्राहक भी कम आए। चांदनी चौक, सदर बाजार, खारी बावली, कश्मीरी गेट, चावड़ी बाजार, दरियागंज, पहाड़गंज, कनॉट प्लेस सहित कई थोक और खुदरा बाजार पूरी तरह प्रभावित हुए। इन बाजारों से सिर्फ दिल्ली-एनसीआर ही नहीं, बल्कि दूसरे राज्यों में भी सामान की आपूर्ति होती है। सीटीआई का दावा है कि रोजाना करीब 5,000 ट्रक और टेम्पो की आवाजाही प्रभावित हुई, जिससे त्योहारों से पहले आपूर्ति श्रृंखला में बड़ा व्यवधान आया।

नवंबर में निवेश के दो नए द्वार, डेट फंड से चांदी ईटीएफ तक

न्यूनतम 5,000 रुपये से कर सकेंगे शुरुआत

नई दिल्ली ।



म्यूचुअल फंड निवेशकों के लिए नवंबर का पहला हफ्ता नए अवसरों से भरा है। कोटक महिंद्रा म्यूचुअल फंड और क्वांट म्यूचुअल फंड दो नए फंड ऑफर (एनएफओ) लॉन्च करने जा रहे हैं, जो निवेशकों को डेट और चांदी में निवेश के विकल्प मुहैया कराएंगे। ये स्कीमें अलग-अलग जोखिम प्रोफाइल और निवेश लक्ष्यों वाले निवेशकों को आकर्षित करेंगी। कोटक फिक्स्ड मैच्योरिटी प्लान सीरीज 336 कोटक महिंद्रा म्यूचुअल फंड 2 से 4 नवंबर तक कोटक फिक्स्ड मैच्योरिटी प्लान सीरीज 336 खोलेगा। यह एक क्लोज्ड-एंड डेट स्कीम है, जिसकी अवधि 125 दिन होगी। यह स्कीम सरकारी और कॉरपोरेट बॉन्ड सहित डेट व मनी मार्केट इंस्ट्रूमेंट्स में निवेश करेगी। इसमें न्यूनतम 5,000 रुपये से निवेश किया जा सकता है और कोई एंट्री या एग्जिट लोड नहीं है। रिस्कोमीटर पर इसे मॉडरेट रिस्क कैटेगरी में रखा गया है, जो शॉर्ट-टर्म के लिए डेट में सुरक्षित निवेश चाहने वालों के लिए उपयुक्त है। वहीं क्वांट म्यूचुअल फंड 4 से 6 नवंबर तक क्वांट सिल्वर ईटीएफ एफओएफ लॉन्च करेगा। यह एक ओपन-एंडेड फंड ऑफ फंड्स है, जो क्वांट सिल्वर ईटीएफ की यूनिट्स में निवेश करके चांदी की कीमतों का फायदा उठाने का लक्ष्य रखता है।

इसमें भी न्यूनतम 5,000 रुपये से शुरुआत की जा सकती है, लेकिन अगर निवेशक यूनिट आवंटन के 15 दिनों के भीतर निकासी करते हैं, तो एक फीसदी एग्जिट लोड लगेगा। इस स्कीम को बहुत अधिक जोखिम वाली श्रेणी में रखा गया है, जो लंबी अवधि के लिए चांदी में निवेश करने और कीमतों में उतार-चढ़ाव सहन करने वाले निवेशकों के लिए है।



बचे हुए खाने को कभी न करें बर्बाद! अपनाएं ये स्मार्ट किचन हैक्स

ताजा खाना खाने से सेहत भी बढ़िया होती है। लेकिन घर में हर बार नाप-तौल के खाना बनाना थोड़ा मुश्किल होता है। इसलिए बचे हुए खाने को कभी भी बर्बाद न करें, इससे अच्छा है कि लेफ्टओवर का फूड यूज कर सकते हैं। जब आपका खाना बनाने का मन न करें तो इन आसान तरीकों से लेफ्टओवर फूड को का इस्तेमाल कर सकते हैं।

लेफ्टओवर की करें प्लानिंग

कई बार होता है कि बाहर किसी काम से हमें कहीं जाना होता है, तो फिर घर लौटकर खाना बनाने में दिक्कत होती है। ऐसे में आप अपनी मनपसंद रेसिपी ज्यादा मात्रा में तैयार करके रख लें। फिर इसे फ्रिज में स्टोर करके रख दें, अब आपको खाना पकाने की कोई चिंता नहीं होगी। आप चाहे तो चीला या डोसा के लिए ज्यादा बैटर बनाकर स्टोर करके रख सकते हैं या फिर बिना सिकी हुई पैटी या उबले आलू।

ये चीजें लगती हैं ज्यादा टेस्टी

रात या दोपहर का खाना बच ही जाता है, ऐसे में आप अगली मील की प्लानिंग में बचे हुए खाने का इस्तेमाल कर सकते हैं। कुछ चीजें दोबारा गर्म करके खाने और पीने में ज्यादा टेस्टी लगती है, जैसे कि सूप, दाल, करी, रोस्ट की गई सब्जियां।

पारदर्शी कंटेनर में स्टोर करें

अक्सर होता है कि हम सभी खाना फ्रिज में रखकर भूल जाते है। इसलिए हमेशा कांच के पारदर्शी लंच बॉक्स या मैसन जार में खाना स्टोर करें। यह आपको फ्रिज खोलते ही नजर आने लगेंगे।

बचे हुए खाना से नई रेसिपी बनाएं

अगर आपका खाना बच जाता है, तो आप अगले मील के लिए इसे खा सकते हैं। कुछ रेसिपी बनाकर बचा हुआ खाना बना सकते हैं। उदाहरण के तौर पर, बची हुई सब्जियों को ऑमलेट या फिर चीले में इस्तेमाल करें। सलाद में उबले हुए काबुली चना डाल दें। बचे हुए चावल से फ्राइड राइस या फिर एग राइस बना सकते हैं। इसके अलावा, आप लेफ्टओवर फूड को नए रुप में सर्व करके डिशेज बना सकते हैं। इस तरह से आप बचा हुआ खाने को खत्म कर सकते हैं।

गुड़ की चाय फटने की टेंशन खत्म! आजमाएं ये सीक्रेट टिप्स, बनेगी लाजवाब



चाय लवर हर मौसम में इसे स्वाद से पीते हैं। चाहे गर्मी हो या सर्दी चाय की लत वाले इसे खूब पीते है। चाय के दीवाने चिलचिलाती धूप में बड़े चाव से चाय पीने के शौकीन होते है। इस मौसम में या फिर सर्दियों के दौरान गुड़ की चाय पीने का एक अलग ही मजा होता है। यह स्वाद के साथ ही काफी हेल्दी होती है। लेकिन कई बार गुड़ की चाय बनाने के फट जाती है। अगर आप इसे सही तरीके से बनाएंगे तो यह कभी नहीं फटेगी। आइए आपको बताते हैं किन तरीकों से बनाएं गुड़ की टी।

सही समय पर दूध डलना जरुरी

कई लोग गुड़ की चाय बनाते समय बड़ी गलती यह करते हैं कि गुड़ के साथ ही तुरंत दूध डाल देते हैं। गुड़ को चाय के पानी में घोलते ही दूध डालें। पहले चाय के पानी में गुड़ को अच्छे से घुलने दें और इसे एक-दो उबाल आने दें। फिर गैस बंद कर दें या आंच को धीमी कर दें। चाय का तापमान कम होने बाद ही दूध को डालें।

पहले दूध को गर्म करें

अगर आप ठंडा या सामान्य तापमान का दूध उबलते हुए गुड़ वाले पानी में डल रहे, तो यह आपके चाय को फाड़ देगी। इसलिए आप दूसरे बर्नर पर दूध को गर्म करके डाल दें। इसके बाद आप गुड़ वाला घोल तैयार होने के बाद इसमें गर्म दूध को धीरे-धीरे मिश्रण में डाले। इसके अलावा, नकली गुड़ से बचें, इनमें केमिकल भरा होता है। इसलिए आप भूरा या काले रंग वाल गुड़ खरीदें। जिससे चाय अच्छी बनेंगी।

कैसे बनाएं गुड़ वाली चाय

» इसके लिए एक पैन में पानी लें और उसमें अदरक, इलायची या अन्य मसाले कूटकर डाल दीजिए।

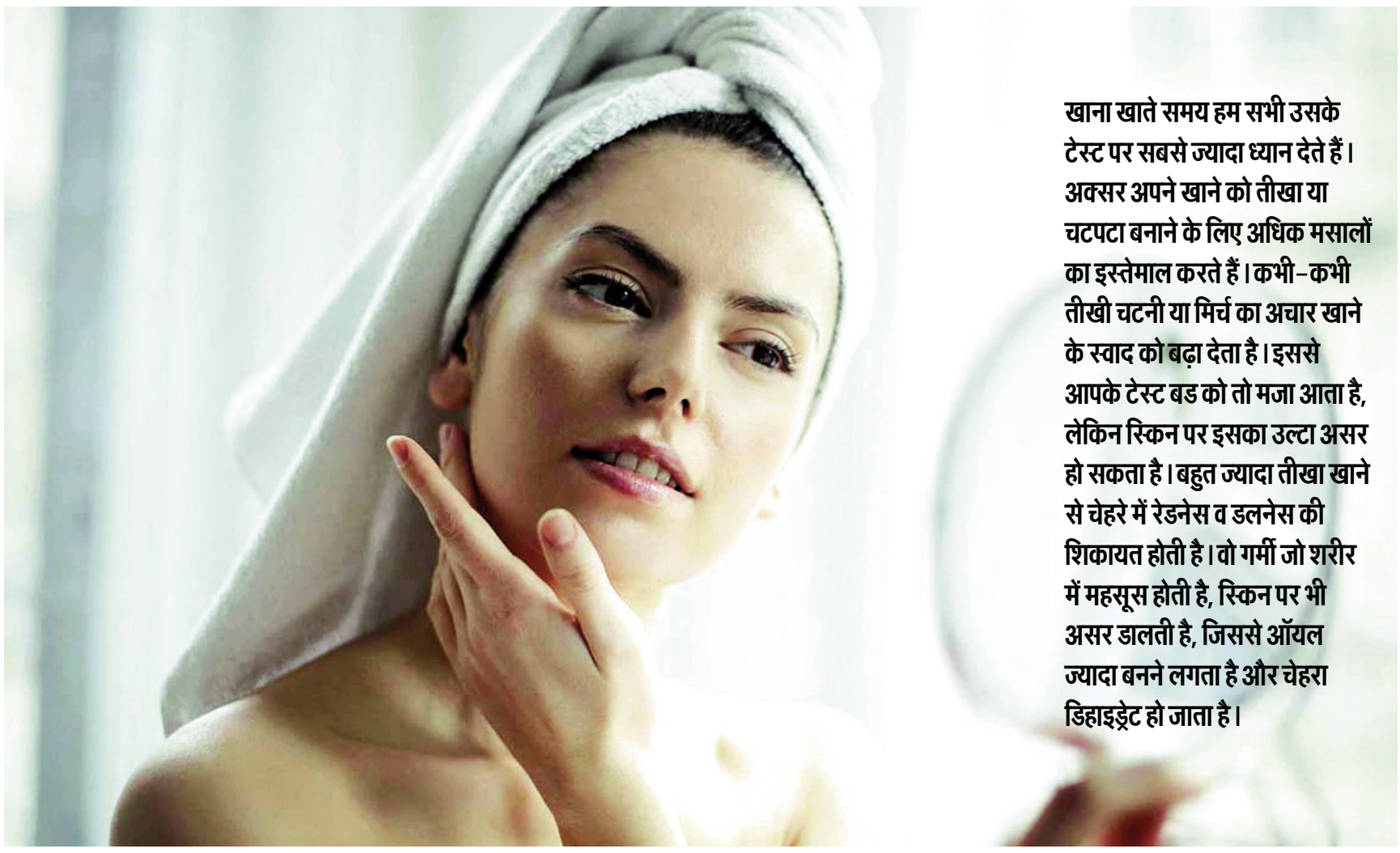
» जब पानी उबलने लगे, तो बारीक कटा हुआ गुड़ डालें और उसे पूरी तरह से घुलने दें।

» इसके बाद आप गुड़ चाय पत्ती डालें और चाय को अच्छी तरह से 2-3 मिनट तक उबलने दें, ताकि मसाला और गुड़ का स्वाद पानी में पूरी तरह आ जाए।

» चाय का बेस जब कड़क हो जाए, तो गैस बंद कर दें या आंच बिल्कुल धीमी कर दें।

» इसके बाद आप दूसरे पैन में गर्म किया हुआ उबला हुआ दूध इस गुड़ वाले मिश्रण में धीरे-धीरे मिलाएं।

» इस मिश्रण को एक बार फिर हल्का सा आंच पर रखें और सिर्फ एक उबाल आने दें। उबाल आते ही तुरंत गैस बंद चाय को छान लें।



खाना खाते समय हम सभी उसके टेस्ट पर सबसे ज्यादा ध्यान देते हैं। अक्सर अपने खाने को तीखा या चटपटा बनाने के लिए अधिक मसालों का इस्तेमाल करते हैं। कभी-कभी तीखी चटनी या मिर्च का अचार खाने के स्वाद को बढ़ा देता है। इससे आपके टेस्ट बड को तो मजा आता है, लेकिन स्किन पर इसका उल्टा असर हो सकता है। बहुत ज्यादा तीखा खाने से चेहरे में रेडनेस व डलनेस की शिकायत होती है। वो गर्मी जो शरीर में महसूस होती है, स्किन पर भी असर डालती है, जिससे ऑयल ज्यादा बनने लगता है और चेहरा डिहाइड्रेट हो जाता है।

मसालेदार खाना खाकर चेहरा दिखने लगा है डल, तो इन आसान घरेलू नुस्खों से मिनटों में पाएं दमकती स्किन

ऐसे में अधिकतर लोग सोचते हैं कि उन्हें अपने पसंदीदा मसालेदार खाने से दूरी बनानी पड़ेगी। जबकि वास्तव में ऐसा नहीं है। अगर आप चाहें तो अपने पसंदीदा खाने का लुत्फ उठाते हुए भी ग्लोइंग स्किन पा सकती हैं। बस जरूरत है कुछ आसान स्किनकेयर स्टेप्स अपनाने की। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको ऐसे ही कुछ आसान तरीकों के बारे में बता रहे हैं, जो मसालेदार खाने के बाद चेहरे की डलनेस को दूर करने में मदद करेंगे-

भरपूर पानी पीएं

अगर आप अपनी स्किन के खोए हुए ग्लो को वापिस पाना चाहती हैं तो ऐसे में आपको भरपूर मात्रा में पानी पीना चाहिए। दरअसल, मसालेदार खाना खाने से शरीर में पसीना और गर्मी बढ़ जाती है, जिससे शरीर का पानी कम होने लगता है। इसी डिहाइड्रेशन की वजह से स्किन रूखी, डल और बेजान नजर आने लगती है। इसलिए दिनभर में भरपूर पानी पीएं। इसके अलावा, नारियल पानी पीना भी काफी अच्छा रहता है। नारियल पानी से हाइड्रेशन के साथ-साथ इलेक्ट्रोलाइट्स भी मिलते हैं, जिससे स्किन की नमी भीतर से बनी रहती है।

लगाएं कूलिंग फेस मास्क

मसालेदार खाने के बाद स्किन को सुकून और नमी की जरूरत होती है। इसलिए, आपको एलोवेरा, खीरा या दही से बने मास्क को स्किन पर अप्लाई करना चाहिए। यह स्किन को ठंडक देने के साथ-साथ जलन कम करता है। मास्क बनाने के लिए आप दो चम्मच दही के साथ एक चम्मच एलोवेरा जेल और कुछ बूंदे गुलाबजल मिक्स करके अप्लाई करें। करीबन 15-20 मिनट बाद ठंडे पानी से चेहरो धो लें। इससे स्किन को ठंडक, नमी व ग्लो मिलता है।

हाइड्रेटिंग टोनर या गुलाबजल से करें स्प्रे

मसालेदार खाने से शरीर में गर्मी बढ़ने लगती है। गर्मी बढ़ने से स्किन की नमी जल्दी उड़ जाती है। ऐसे में गुलाबजल या टोनर लगाने से फायदा मिलता है। इससे चेहरा तुरंत ठंडा और फ्रेश लगता है, साथ ही पीएच बैलेंस भी बना रहता है। इसलिए, दिनभर में 2-3 बार गुलाबजल स्प्रे करें। इससे स्किन की नमी बनी रहती है। साथ ही, वह फ्रेश महसूस होती है।

फूड क्रेविंग्स से हेल्थ को हो सकता है नुकसान, इसे रीसेट करने के लिए आजमाएं ये आसान ट्रिक्स

हम सभी को अक्सर फूड क्रेविंग्स होती ही हैं। कभी-कभी कुछ मीठा खाने का मन होता है तो कभी हम कुछ चटपटा खाते हैं। जब यह क्रेविंग्स होती हैं तो हम खुद को रोक ही नहीं पाते हैं। अचानक से मन करता है कि अभी चॉकलेट चाहिए, बस अभी! ऐसे में अक्सर हम अपना फ्रिज टटोलने लग जाते हैं या फिर बाहर अपना पसंदीदा फूड खाने के लिए निकल जाते हैं। हो सकता है कि आप भी अपने टेस्ट बड अैर फूड क्रेविंग्स की वजह से परेशान हो और इससे आपकी सेहत को लगातार नुकसान हो रहा हो। हालांकि, ऐसे में आपको परेशान होने की बिल्कुल भी जरूरत नहीं है। अगर आप चाहें तो अपनी फूड क्रेविंग्स को आसानी से रीसेट कर सकती हैं। बस आपको अपना माइंडसेट बदलने की जरूरत है और कुछ छोटी-छोटी आदतों को अपाने की जरूरत है। जब आप ऐसा करते हैं तो क्रेविंग्स आप पर हावी नहीं हो पाएंगी। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे ही आसान तरीकों के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आप फूड क्रेविंग्स को आसानी से रीसेट कर सकते हैं-

पहले पीएं पानी - अगर आपको फूड क्रेविंग्स हो रही हैं, तो ऐसे में कुछ भी खाने से पहले एक पूरा गिलास पानी पियो और फिर 10 मिनट के लिए रुक जाओ। इससे कई बार आपकी क्रेविंग्स खुद ब खुद खत्म हो जाती है। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि कई बार शरीर की प्यास को दिमाग भूख समझ लेता है। पानी पीने से शरीर हाइड्रेट होता है, झूठी भूख की फीलिंग कम होती है और आप बेवजह की स्नैकिंग से बच पाते हैं।

नींद के साथ समझौता नहीं - अक्सर लोग पर्याप्त नींद नहीं लेते हैं और इससे भी उनकी फूड क्रेविंग्स बढ़ने लगती हैं। दरअसल, कम नींद लेने से घ्रेलिन हार्मोन बढ़ता है और लेप्टिन हार्मोन घटता है। यही असंतुलन जंक फूड की क्रेविंग बढ़ाता है, खासकर कार्ब्स और मिठाइयों की क्रेविंग्स कई गुना बढ़ने लगती है। इसलिए रोज़ाना 7-8 घंटे की गहरी अवश्य लें।

करें माइंडफुल ईटिंग - अगर आप बेवजह की फूड क्रेविंग्स से बचना चाहती हैं तो ऐसे में माइंडफुल ईटिंग करना यकीनन काफी अच्छा रहता है। आप हमेशा धीरे-धीरे खाएं और बिना किसी डिस्ट्रैक्शन के खाना खाएं। दरअसल, जब आप माइंडफुल ईटिंग करते हैं तो ऐसे में दिमाग को समझ आता है कि पेट भर गया है। जल्दी-जल्दी खाने से ये सिग्नल कन्फ्यूज हो जाते हैं और बाद में दोबारा कुछ खाने का मन करता है, भले ही पेट भरा हो।





पाचन शक्ति बढ़ाएगा भुना जीरा या जीरा पानी? जानें कौन है सबसे बेहतर उपाय!

खराब जीवनशैली और गलत खानपान के कारण कई बीमारियां शरीर को घेर लेती है। आजकल लोग मोटापे से काफी परेशान हैं। वहीं, कुछ लोगों का डाइजेशन खराब रहता है। पेट भारी होने से उन्हें कुछ भी खाने का मन नहीं होता है। पेट की पाचन क्रिया जबरदस्त रहती है तो शरीर भी हेल्दी रहता है। खाना खाने के बाद भोजन पच नहीं रहा, तो एसिडिटी, गैस और पेट दर्द जैसी परेशानियां होने लगती है। अब आपको जानना बेहद जरुरी है कि भुना जीरा या जीरे का पानी कौन है सबसे बेहतर। आइए आपको बताते हैं-

भुना जीरा के फायदे

- ये डाइजेशन एंजाइम्स को एक्टिव करता है। यह खाना को जल्दी और आसानी से डाइजेस्ट हो जाता है।

- भुना हुआ जीरा खाने से गैस और पेट फूलने की समस्या दूर हो जाती है।

- भुना हुआ जीरा सेवन करने से शरीर को ज्यादा पोषण मिलता हैं।

- इसमें पाए जाने वाला एंटीऑक्सीडेंट्स आंतों की सूजन कम करते हैं।

कैसे सेवन करें

भुना जीरा को आप अपने खाने में डाल सकती है। इसको आप सलाद, रायता, दही या सब्जी में मिलाकर सेवन कर सकती हैं।

जीरा पानी के फायदे

- जीरा पानी पीने से पेट के एंजाइम्स को एक्टिव करता है, जिससे खाना आसानी से डाइजेस्ट भी हो जाता है।

- जीरा पानी पीने से एसिडिटी और जलन से भी राहत मिलती है।

- ये पानी शरीर को डिटॉक्स करने में मदद करता है।

कैसे सेवन करें

आपको सुबह खाली पेट गुनगुना जीरा पानी पीना सबसे बेहतरीन माना जाता है। यह आपके पाचन को बेहतर करता है।

कौन बेहतर है- भुना जीरा या जीरा पानी

अगर आपक हल्की-फुल्की गैस है, तो भुना जीरा का सेवन कर सकते हैं। यदि आपको बार-बार एसिडिटी, कब्ज और पेट फूलने की समस्या हो रही है, तो आपको जीरा पानी का सेवन करना चाहिए। दोनों ही अपने तरीके से फायदेमंद है। आप जैसा चाहे इसका सेवन करें।

हील्स पहनकर पैरों में होता है भयंकर दर्द? इन स्ट्रेचिंग एक्सरसाइज से पाएं तुरंत आराम!

लड़कियां स्टाइलिंग और फैशन के मामले में किसी भी तरह का समझौता नहीं करती। स्टाइलिश बनाने के लिए कभी-कभी लड़किया दर्द सहने को भी तैयार रहती हैं। ऑफिस, पार्टी और शादी में आउटफिट लुक को परफेक्ट बनाने के लिए महिलाएं हील्स जरुर पहनती है। हील्स पहनना सभी को पसंद है और यह लुक भी गजब का देता है। लंबे समय तक हील्स पहनने से पैरों में दर्द या फिर टखनों में जकड़न की शिकायत होने लगती है। कई बार तो दर्द इतना भंयकर होता है कि चलना-फिरना भी मुश्किल हो जाता है। आइए आपको बताते हैं कुछ स्ट्रेचिंग एक्सरसाइज के बारे में, जो हील्स पहनने में काफी फायदेमंद रहेगी।

कफ स्ट्रेच - आमतौर पर हील्स पहनने पर पिंडलियों में टाइटनेस आ जाती है। कफ स्ट्रेच करने से उस मसल्स की टाइटनेस को कम करने में मदद करता है। यह ब्लड सर्कुलेशन को बढ़ाता है। आप चाहे तो वॉल के पास खड़े होकर काफ स्ट्रेच कर सकते हैं। इसे करने के लिए दीवार के सामने सीधे खड़े हो जाएं। अब एक पैर आगे और दूसरा पीछे रखें। पीछे वाला पैर एड़ी के साथ जमीन पर टिका रहे। दोनों हाथ दीवार पर रखकर थोड़ा आगे झुके, जब तक पीछे वाले पैर की पिंडली में खिंचाव न महसूस हो। इसे करीब 20-30 सेकंड ऐसे ही रुको। अब दूसरे पैर से भी इसी तरह स्ट्रेच करें।

फुट आर्च स्ट्रेच -इसे करते समय टॉवल या रेसिस्टेंस बैंड का इस्तेमाल किया जाता है। हील्स पहनने से जो मसल्स टाइट हो जाती है, उन्हें ये स्ट्रेच खोलता है। इसे करने के लिए एक टॉवल या रेसिस्टेंस बैंड लो। इसे अपने पैरों के पंजे में फंसाएं और धीरे-धीरे अपनी तरफ खींचो। ऐसा करने से पैरों के आर्च और एड़ी खिंचाव फील होगा। अपने क्षमतानुसार इसी पोजिशन में रुकें और सामान्य अवस्था में लौट आएं।

एंकल रोल्स -एंकल रोल्स स्ट्रेच को आप कुर्सी पर बैठकर कर सकते हैं। यह आपके एंकल ज्वॉइंट्स को फ्लेक्सिबल बना देता है और पैर की सूजन भी कम हो जाती है। इसे करने के लिए सबसे पहले आप कुर्सी पर बैठ जाएं। अब एक पैर ऊपर उठाओ और एंकल को पहले घड़ी की दिशा



में, फिर उल्टी दिशा में घुमाओ। ऐसे ही दूसरे पैर से भी करें। इस तरह आप दोनो डायरेक्शन में 10-10 बार रोल करें।

विराट कोहली की तीन साल बाद दिल्ली में वापसी टली!



आउटफील्ड के कारण छिन सकती है भारत-श्रीलंका के बीच पहले वनडे की मेजबानी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट के सुपरस्टार विराट कोहली को अपने घरेलू मैदान दिल्ली में खेलते हुए देखने का इंतजार कर रहे फैंस को निराशा हाथ लग सकती है। भारत और श्रीलंका के बीच 13 दिसंबर को होने वाले वनडे सीरीज के पहले मुकाबले की मेजबानी दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम से छिन सकती है। हालांकि, बीसीसीआई की ओर से वेन्यू बदलने की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। विराट कोहली की दिल्ली वापसी का इंतजार कर रहे थे फैंस - विराट कोहली के लिए दिल्ली का अरुण जेटली स्टेडियम बेहद खास है। इसी मैदान और दिल्ली के घरेलू क्रिकेट से उन्होंने अपने करियर की शुरुआत की थी। साल 2019 में दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ ने उनके योगदान को सम्मान देते हुए स्टेडियम के एक प्रमुख स्टैंड का नाम 'विराट कोहली पवेलियन' रखा था। ऐसे में श्रीलंका के खिलाफ दिल्ली में होने वाला वनडे मुकाबला स्थानीय फैंस के लिए कोहली को अपने घरेलू मैदान पर देखने का शानदार अवसर हो सकता था।

निर्माण कार्य के कारण बदला जा सकता है वेन्यू

दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में इस समय आउटफील्ड को आधुनिक बनाने का काम चल रहा है। डीडीसीए ने मैदान में सैंड बेस्ड ड्रेनेज सिस्टम विकसित करने का फैसला किया है। इस तकनीक से बारिश के बाद मैदान से पानी तेजी से निकल सकेगा और मैच दोबारा शुरू करने में ज्यादा समय नहीं लगेगा। रिपोर्ट के मुताबिक, इस पूरे काम को पूरा होने में करीब चार महीने लगेंगे और स्टेडियम आईपीएल 2027 से पहले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की मेजबानी के लिए उपलब्ध नहीं हो पाएगा।

11 अक्टूबर 2023 खेला गया था अरुण जेटली स्टेडियम में आखिरी वनडे

दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में आखिरी वनडे इंटरनेशनल मुकाबला 11 अक्टूबर 2023 को खेला गया था। यह आईसीसी वनडे वर्ल्ड कप 2023 का मुकाबला था, जिसमें भारत ने अफगानिस्तान को आठ विकेट से हराया था। फिलहाल स्टेडियम में निर्माण कार्य के चलते दिल्ली की घरेलू टीम को भी अपने रणजी ट्रॉफी मुकाबले पालम स्थित एयरफोर्स कॉम्प्लेक्स ग्राउंड में खेलने पड़ रहे हैं।

न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज की तैयारी में जुटे विराट

दूसरी ओर विराट कोहली न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए तैयारी कर रहे हैं। टी20 सीरीज खत्म होने के बाद वह न्यूजीलैंड पहुंच चुके हैं और नेट्स में अभ्यास शुरू कर दिया है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पहला वनडे 4 नवंबर को खेला जाएगा। टी20 इंटरनेशनल से संन्यास लेने के बाद कोहली का फोकस अब मुख्य रूप से वनडे और टेस्ट क्रिकेट पर है। वेन्यू बदलने की खबरों के बीच अहमदाबाद में पहला वनडे आयोजित किए जाने की अटकलें भी सामने आई थीं। हालांकि, बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने दिल्ली से मुकाबला शिफ्ट होने की खबरों पर स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि फिलहाल मैच का आयोजन दिल्ली में ही निर्धारित है। ऐसे में मुकाबले के वेन्यू को लेकर अंतिम तस्वीर आधिकारिक फैसले के बाद ही साफ होगी।

भारत बनाम न्यूजीलैंड... गंभीर बोले-टी-20 टीम के प्रदर्शन पर गर्व

नई दील्ली। भारत ने न्यूजीलैंड को 5 मैचों की टी-20 सीरीज में 3-2 से हराया। सीरीज जीतने के बाद भारतीय टीम के हेड कोच गौतम गंभीर ने कहा, मेरी डिक्शनरी और डायरेक्टरी में डर नाम का कोई शब्द नहीं है। गंभीर ने पहले मैच का उदाहरण देते हुए खिलाड़ियों की तारीफ की। उन्होंने बताया कि टीम ने 15 घंटे की लंबी फ्लाइट के बाद सिर्फ एक अभ्यास सत्र किया था, इसके बावजूद मुकाबला जीत लिया। भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने कहा कि गेंदबाजी और फील्डिंग बेहतर हो सकती थी। वहीं न्यूजीलैंड के ग्लेन फिलिप्स को सीरीज का बेस्ट खिलाड़ी चुना गया। उन्होंने पांच मैचों में 341 रन बनाए।

ध्यान अब वनडे सीरीज पर: अय्यर - अय्यर के मुताबिक, न्यूजीलैंड में खेलने के दौरान खिलाड़ियों को अलग तरह की परिस्थितियों का सामना करना पड़ा। उन्होंने आसमान में साफ रोशनी और मैदान पर अंधेरे जैसी स्थिति का जिक्र करते हुए कहा कि ऐसी परिस्थितियां भारत में आमतौर पर देखने को नहीं मिलतीं। कप्तान ने यह भी कहा कि टीम इन कमियों पर चर्चा करेगी। हालांकि, उनका ध्यान अब वनडे सीरीज पर है और खिलाड़ी अच्छे मूड में हैं।

ऋषभ पंत की चोट पर गंभीर के पास अपडेट नहीं - प्रेस कॉन्फ्रेंस में गंभीर से ऋषभ पंत की उपलब्धता को लेकर भी सवाल पूछा गया। इस पर उन्होंने कहा कि फिलहाल उनके पास पंत की चोट को लेकर कोई पक्की जानकारी नहीं है।



थकान के बावजूद जीत हासिल की- गंभीर ने कहा, विदेशी परिस्थितियों में खेलते समय टीम को मुश्किल हालात से घबराना नहीं चाहिए। न्यूजीलैंड पहुंचने के बाद भारतीय खिलाड़ियों को लंबी यात्रा और कम अभ्यास का सामना करना पड़ा। इसके बावजूद पहले मैच में जीत हासिल करना आसान नहीं था। गंभीर ने इसी प्रदर्शन को टीम की मानसिक मजबूती का उदाहरण बताया। सीरीज के शुरुआती तीन मुकाबलों में भारत ने लगातार जीत दर्ज की। इसके बाद न्यूजीलैंड ने वापसी करते हुए आखिरी दोनों मैच अपने नाम किए।

सीरीज का नतीजा उलटा भी हो सकता था- सैंटनर: न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर ने माना कि सीरीज काफी करीबी रही। उनके मुताबिक, शुरुआती दो मुकाबलों में कुछ ऐसे मौके आए, जिन्हें न्यूजीलैंड भुना सकता था। अगर टीम उन मौकों पर बेहतर प्रदर्शन करती, तो सीरीज का नतीजा भारत के बजाय न्यूजीलैंड के पक्ष में भी हो सकता था। सैंटनर ने गेंदबाजी की तारीफ की। उन्होंने कहा कि आखिरी दो मैचों में गेंदबाजों ने परिस्थितियों के हिसाब से अपनी रणनीति बदली। तेज गेंदबाजों ने यॉर्कर, वाइड गेंदों और सही लेंथ का इस्तेमाल किया।

मेसी का शानदार खेल, न्यू इंग्लैंड रेवोल्यूशन को हराया



फॉक्सबोरो, एजेंसी। लियोनेल मेसी ने एक बेहतरीन असिस्ट और मैच के आखिर में किए गए गोल की मदद से इंटर मियामी को न्यू इंग्लैंड रेवोल्यूशन के खिलाफ 2-1 से जीत दिलाई। इस जीत के साथ ही टीम ने अगले साल होने वाले कॉन्काकैफ चैंपियंस कप में अपनी जगह पक्की कर ली है। इस जीत से मियामी एमएलएस कप प्लेऑफ से पहले ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस में नंबर 2 सीड की स्थिति में पहुंच गई है। इस सीजन में मेसी के नाम अब 26 गोल और 16 असिस्ट हो गए हैं। इसके साथ ही वह लगातार तीसरी बार एमएलएस एमवीपी अवार्ड और लगातार दूसरी बार 'गोल्डन बूट' जीतने की रेस में सबसे आगे हो गए हैं।

पहले 45 मिनट तक दोनों टीमों के बीच कड़ा मुकाबला रहा और हाफ टाइम तक कोई भी टीम गोल नहीं कर सकी। इस दौरान इंटर मियामी को 28वें मिनट में एक अच्छा मौका मिला, जब मेक्सिकन खिलाड़ी बर्टेरामे ने बॉक्स के बाई ओर से बाएं पैर से शॉट मारा, जिसे न्यू इंग्लैंड के गोलकीपर मैट टर्नर ने बचा लिया। दूसरे हाफ में, 53वें मिनट में डेनियल गाजदाग के गोल की बदौलत मेजबान टीम (न्यू इंग्लैंड) ने खाता खोला।

83वें मिनट में मियामी ने पासा पूरी तरह से पलटा

69वें मिनट में इंटर मियामी ने शानदार टीम वर्क दिखाते हुए स्कोर को 1-1 से बराबर कर दिया। सेगोविया ने बॉक्स के अंदर एक 'लॉब' पास दिया, जिस पर मेसी ने हेडर से गेंद को बर्टेरामे की तरफ बढ़ाया। बर्टेरामे ने बॉक्स के बीच से एक जोरदार हेडर लगाकर गेंद को गोल पोस्ट में पहुंचा दिया। यह इस रेगुलर सीजन में बर्टेरामे का 10वां गोल था, जबकि मेसी का यह इस लीग सीजन का 16वां असिस्ट रहा। 83वें मिनट में इंटर मियामी ने मैच का पासा पूरी तरह से पलटा। एक बेहतरीन पासिंग सीक्वेंस के बाद मेसी ने निर्णायक गोल किया। सुआरेज ने बॉक्स के बाहर बीच में मेसी को गेंद दी, जहां अर्जेंटीना के इस स्टार खिलाड़ी ने तीन डिफेंडरों को छकाया। इसके बाद सेगोविया के साथ मिलकर वह बॉक्स के अंदर पहुंचे और एक सटीक शॉट के जरिए गेंद को गोल पोस्ट के निचले दाएं कोने में पहुंचा दिया। इस गोल के साथ मेसी के कुल गोल की संख्या 26 हो गई है, जिससे वह एमएलएस 2026 गोल्डन बूट की रेस में सबसे आगे निकल गए हैं। वहीं, इस रेगुलर सीजन में सेगोविया के असिस्ट की संख्या 12 हो गई है। इसके बाद 1-2 की स्कोरलाइन अंतिम सीटी बजने तक कायम रहा, जिससे इंटर मियामी ने अपने घर से बाहर खेलते हुए तीन अंक हासिल किए।



एंटोनेली बने सबसे कम उम्र के एफ-1 चैंपियन

नई दिल्ली। किमी एंटोनेली नेइतिहास रचते हुए फॉर्मूला वन के सबसे कम उम्र के विश्व चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। 20 वर्षीय मर्सिडीज ड्राइवर ने मैक्सिको सिटी ग्रांड प्रिक्स में मैक्स वर्स्टापेन और लुईस हैमिल्टन के बाद तीसरे स्थान पर रहकर यह उपलब्धि प्राप्त की।

किमी, जो फॉर्मूला वन रेसिंग में अपने दूसरे ही सीजन में हैं, ने सेबेस्टियन वेटेल का रिकॉर्ड तोड़ दिया, जो 2010 में अपनी चार ड्राइवर चैंपियनशिप में से पहली चैंपियनशिप जीतने के समय 23 साल और 133 दिन के थे। अपनी उपलब्धि की वास्तविकता को समझते हुए किमी अपने आँसू रोकने के लिए संघर्ष कर रहे थे।

टीम रेडियो पर, नव-ताजपोश विश्व चैंपियन पहले तो कुछ बोल नहीं पा रहे थे, लेकिन फिर उन्होंने मर्सिडीज को अपने सपने को साकार करने में मदद करने के लिए धन्यवाद दिया। 'हमने कर दिखाया! हमने कर दिखाया!' उसे हंसते-हंसते आंसुओं के साथ कहते हुए सुना गया। इसके बाद जो जश्न मनाया गया, वह इस अवसर के अनुरूप ही था।

पोडियम पर एंटोनेली अपनी भावनाओं को काबू में रखने की कोशिश कर रहे थे, तभी वर्स्टापेन और हैमिल्टन ने भी उनका साथ दिया और नव-प्रतिभाशाली चैंपियन को हवा में उठा लिया। यह एक यादगार दृश्य था: खेल के दो महानतम ड्राइवर फॉर्मूला वन चैंपियन की नई पीढ़ी के आगमन का जश्न मना रहे थे। मैं भविष्य में और अधिक मुकाबलों के लिए उत्सुक हूं।' उन्होंने आगे कहा, 'यह तो बस शुरुआत है।' एंटोनेली के लिए, यह सात साल के कार्टिंग के शौकीन से लेकर मोटरस्पोर्ट के शिखर तक की एक उल्लेखनीय यात्रा की परिणति थी।

मर्सिडीज टीम के प्रमुख टोटो वोल्फ के लिए भी, 2025 सीज़न से पहले हैमिल्टन की जगह 18 वर्षीय खिलाड़ी को मौका देने के उनके महत्वपूर्ण जोखिम भरे फैसले की पुष्टि का क्षण था।

उनके बेहतरीन प्रदर्शनों में से एक मोंज़ा में देखने को मिला, जहाँ उन्होंने ग्रिड पर 19वें स्थान से शुरुआत करने के बावजूद अपने घरेलू ग्रैंड प्रिक्स में जीत हासिल की।

सिंधू ने जीता हाइलो ओपन का खिताब



जर्मनी: भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी और दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने एक बार फिर अपने शानदार खेल से देश का नाम रोशन किया है। सिंधु ने जर्मनी में खेले गए हाइलो ओपन 2026 के महिला एकल फाइनल में डेनमार्क की लाइन केजर्सफेल्ट को सीधे गेमों में 21-12, 21-14 से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ सिंधु ने मौजूदा सीजन का अपना दूसरा बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब जीत लिया है।

पूरे टूर्नामेंट में अजेय रहीं सिंधु - सिंधु का हाइलो ओपन में प्रदर्शन बेहद शानदार रहा। उन्होंने फाइनल तक के सफर में एक भी गेम नहीं गंवाया। अपने अभियान की शुरुआत उन्होंने भारतीय खिलाड़ी प्रकृति भरत को हराकर की। इसके बाद फ्रांस की रोजी ओक्टाविया पंकासारी और जर्मनी की अमाली शुल्ज को मात देकर क्वार्टर फाइनल और सेमीफाइनल में जगह बनाई। सेमीफाइनल में उन्होंने भारत की ही अनमोल खरब को 21-13, 21-16 से हराकर फाइनल का टिकट हासिल किया।

फाइनल जीतकर बनीं चैंपियन

पीवी सिंधु ने फाइनल मुकाबले में शुरुआत से ही अपना दबदबा बनाए रखा। उन्होंने पहला गेम महज 17 मिनट में 21-12 से जीतकर डेनमार्क की खिलाड़ी पर दबाव बना दिया। इसके बाद दूसरे गेम में भी सिंधु ने अपनी लय बरकरार रखी और 21-14 से मुकाबला अपने नाम कर लिया। भारतीय शटलर ने यह फाइनल केवल 39 मिनट में जीतकर शानदार अंदाज में खिताब पर कब्जा किया।

जापान ओपन के बाद अब हाइलो ओपन पर कब्जा

पीवी सिंधु के लिए यह साल खिताब के लिहाज से शानदार रहा है। उन्होंने जुलाई में जापान ओपन 2026 के फाइनल में जापान की तीन बार की विश्व चैंपियन अकाने यामागुची को हराकर खिताब जीता था। अब हाइलो ओपन जीतकर उन्होंने इस सीजन का दूसरा बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब अपने नाम कर लिया है।

विश्व टूर फाइनल्स की राह हुई मजबूत

हाइलो ओपन का खिताब जीतने के साथ ही सिंधू को 9200 रैंकिंग अंक मिले हैं। इससे साल के आखिर में होने वाले विश्व टूर फाइनल्स में जगह बनाने की उनकी उम्मीदों को मजबूती मिली है। दुनिया की आठवें नंबर की भारतीय खिलाड़ी के लिए यह जीत सीजन के लिहाज से काफी अहम मानी जा रही है। सिंधू के इस प्रदर्शन ने एक बार फिर साबित कर दिया कि वह बड़े मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन करने का दम रखती हैं।

चेक ओपन स्क्वैश टूर्नामेंट... सेंथिलकुमार ने फाइनल में बनाई जगह

ब्रनो। भारत के वेलावन सेंथिलकुमार ने ब्रनो में चल रहे चेक ओपन स्क्वैश टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बना ली है। 35,000 अमेरिकी डॉलर इनामी राशि वाले इस पीएसए कॉपर-लेवल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में उन्होंने फ्रांस के खिलाड़ी और विश्व नंबर 32 ऑगस्ट डुसॉर्ड को हराया। सेंथिलकुमार ने सेमीफाइनल में फ्रांस के खिलाड़ी को 11-7, 12-10, 11-1 से मात दी। चौथे वरीयता प्राप्त भारतीय खिलाड़ी अब फाइनल में स्कॉटलैंड के ग्रेग लोबन (जो शीर्ष वरीयता प्राप्त हैं और विश्व रैंकिंग में 31वें नंबर पर हैं) का सामना करेंगे। सेंथिलकुमार इस सीजन में अपना दूसरा खिताब जीतने की कोशिश करेंगे। शीर्ष वरीयता प्राप्त लोबन ने फ्रांस के तौफिक मेखल्फी को 11-9, 11-5, 11-4 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। इससे पहले, सेंथिलकुमार ने अर्जेंटीना के जेरेमियास अजाना को 11-3, 11-8, 11-7 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। पहले गेम में भारतीय खिलाड़ी ने अर्जेंटीना के जेरेमियास अजाना को आसानी से 11-3 से हराया। इसके बाद, रैलियां तेज, कड़ी और रोमांचक हो गई थीं। सेंथिलकुमार ने कोर्ट के अगले हिस्से में बेहतरीन खेल दिखाते हुए बाकी गेम 11-8 और 11-7 से अपने नाम किया था। भारतीय खिलाड़ी ने क्वार्टर फाइनल में अर्जेंटीना के विश्व नंबर 64 और आठवें वरीयता प्राप्त जेरेमियास अजाना को 11-3, 11-8, 11-7 से हराया था। इससे पहले, टूर्नामेंट के शुरुआती दौर में उन्हें 'बाय' (सीधे अगले दौर में प्रवेश) मिला था, और दूसरे दौर में उन्होंने ब्राजील के डिएगो गोब्बी को 11-4, 11-7,





विवेक अग्निहोत्री के साथ पहली बार काम करेंगे कार्तिक आर्यन

फिल्ममेकर विवेक अग्निहोत्री और प्रोड्यूसर भूषण कुमार दोनों मिलकर 'ऑपरेशन सिंदूर' पर आधारित एक फिल्म बनाने जा रहे हैं। यह फिल्म एक बड़े और देशभक्ति से जुड़े विषय पर होगी, जिसे लेकर अभी से काफी चर्चा शुरू हो गई है।

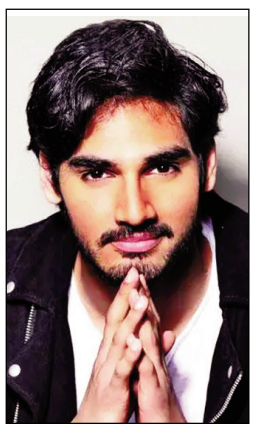
विवेक अग्निहोत्री की आगामी फिल्म 'ऑपरेशन सिंदूर' सच्ची घटनाओं से प्रेरित होगी। इसकी कहानी लेफ्टिनेंट जनरल कैजेएस 'टाइनी' ढिल्लों की किताब ऑपरेशन सिंदूर : द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ इंडियाज डीप स्ट्राइक्स इनसाइड पाकिस्तान पर आधारित है। फिल्म में 6 मई से 10 मई 2025 के बीच हुए इस ऑपरेशन की पूरी कहानी को विस्तार से दिखाया जाएगा।
रिपोर्ट के मुताबिक, बॉलीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन 'ऑपरेशन सिंदूर' में मुख्य भूमिका निभाने वाले हैं। कार्तिक अपनी मौजूदा फिल्म 'कैप्टन इंडिया' का काम पूरा करने के बाद 'ऑपरेशन सिंदूर' पर काम शुरू करेंगे। 'कैप्टन इंडिया' का निर्देशन शिमित अमीन कर रहे हैं। यह फिल्म यमन में हूती संघर्ष की पृष्ठभूमि पर आधारित है और फिलहाल इसकी शूटिंग चल रही है।





अहान शेट्टी की एक्शन ड्रामा फिल्म 'सनकी' की शूटिंग शुरू

'बॉर्डर 2' की सफलता के बाद अहान शेट्टी एक बार फिर एक्शन करते नजर आएंगे। वह अपनी अगली फिल्म 'सनकी' की शूटिंग शुरू करने जा रहे हैं। इस फिल्म का निर्देशन टीनू सुरेश देसाई कर रहे हैं, जिन्होंने 'रुस्तम' और 'मिशन रानीगंज' जैसी फिल्में बनाई हैं। ज्ञानेंद्र वासुदेव द्वारा लिखी गई 'सनकी' मूल रूप से एक प्रेम कहानी है। इसमें प्यार और भावनाओं के साथ-साथ जबरदस्त और दमदार एक्शन भी देखने को मिलेगा। फिल्म की शूटिंग 30 अक्टूबर से भोपाल में शुरू हो गई है। 'बॉर्डर 2' में अहान के अभिनय और फिल्म की बड़ी सफलता के बाद उन्होंने अपनी अगली फिल्मों का चुनाव काफी सोच-समझकर किया है। अब वह 'सनकी' से शुरुआत करेंगे। इसके बाद वह विक्रम भट्ट की फिल्म '1920 कोल्ड विंटर' में नजर आएंगे। 'सनकी' का निर्माण वी द पीपल, रोरिंग रिवर प्रोडक्शंस और पाल्स एंड पीयर्स एंटरटेनमेंट मिलकर कर रहे हैं। यह फिल्म 2027 की पहली छमाही में सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।



'पेद्दी' के किरदार पर शर्मिंदगी हमेशा मेरे साथ रहेगी

अभिनेत्री जान्हवी कूपर हाल ही में शो 'कॉफी विद करण 9' में पहुंचीं। यहां उन्होंने अपनी फिल्म 'पेद्दी' में अपने किरदार के 'ऑब्जेक्टिफिकेशन' (वस्तु की तरह पेश किए जाने) पर बात की। उन्होंने माना कि वह 'ऑब्जेक्टिफिकेशन' को रोकने के लिए और बेहतर कर सकती थीं। उन्होंने इस फिल्म से जुड़े विवाद में अपनी भूमिका की जिम्मेदारी ली है।

बातचीत के दौरान, शो के होस्ट करण जौहर ने जान्हवी से उस आलोचना के बारे में पूछा, जो फिल्म में उनके किरदार को दिखाए जाने के तरीके को लेकर हुई थी। बुची बाबू सना के निर्देशन में बनी इस फिल्म में राम चरण अहम किरदार में थे। इस स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म में जान्हवी के किरदार को लेकर काफी विवाद हुआ था। आलोचना का जवाब देते हुए, जाह्नवी ने कहा कि यह बात उनके मन पर लगातार बोझ बनी हुई है। उन्होंने माना कि फिल्म में उनके किरदार को जिस तरह से पेश किया गया, उसे अलग तरीके से दिखाया जा सकता था। उन्होंने कहा, 'इस तरह की कहानी का हमारे समाज पर जो नकारात्मक असर पड़ सकता है, खासकर मेरे जेंडर पर, वह मेरे मन पर एक भारी बोझ की तरह है। यह शर्मिंदगी हमेशा मेरे साथ रहेगी। क्या मैं और कुछ कर सकती थी? क्या मैं और अधिक सतर्क रह सकती थी? बिल्कुल, हां। क्या यह हद से ज्यादा 'ऑब्जेक्टिफिकेशन' था? क्या इसने कहानी के जरिए यौन उत्पीड़न को भी बढ़ावा दिया? हां। लेकिन अब मैं बस इतना कर सकती हूं कि यह सुनिश्चित करूं कि ऐसा दोबारा न हो।'

अभिनेत्री ने की अच्छा करने की कोशिश

अभिनेत्री ने आगे कहा 'और हां, मुझे यह कहते हुए अच्छा नहीं लग रहा क्योंकि ऐसा लग सकता है कि मैं अपनी गलती दूसरों पर डाल रही हूं, मगर बात यह है कि आपको निर्देशक की बात सुननी पड़ती है। जैसे-जैसे मुझे जानकारी मिलती गई, मैं कोशिश करती रही कि चीजों को कम से कम खराब किया जाए। आप तो जानते ही हैं कि शायद ही कभी कोई पूरी तरह से तैयार स्क्रिप्ट मिलती है। ऐसी स्क्रिप्ट्स में भी बहुत कम ही देखने को मिलता है कि कैमरा एंगल कहां होंगे। दक्षिण में तो शायद ही कभी कोई पूरी तरह से तैयार स्क्रिप्ट होती है, उसमें भी कैमरा एंगल कहां होंगे, यह बहुत कम ही पता चलता है।'

जान्हवी कर सकतीं थीं विशेषाधिकार का इस्तेमाल

जाह्नवी ने आगे कहा कि उन्हें इंडस्ट्री में अपनी स्थिति का बेहतर इस्तेमाल करना चाहिए था, ताकि वह अपने किरदार को दिखाए जाने के तरीके पर अपनी चिंताएं जाहिर कर पातीं। उन्होंने कहा 'मुझे अपनी तरफ की जिम्मेदारी भी लेनी होगी। मैं एक ऐसी जगह से आती हूं जहां मुझे विशेषाधिकार मिले हुए हैं। मुझे इसका फायदा उठाना चाहिए था, क्योंकि वैसे भी मुझे विशेषाधिकार मिले होने के लिए आलोचना तो झेलनी ही पड़ती है। तो बेहतर होता कि मैं इसका इस्तेमाल कर लेती।'



धूम गर्ल की इमेज पर बोलीं ईशा देओल

कहा- मुझे इस पहचान पर गर्व है

अभिनेत्री ईशा देओल एक्शन-क्राइम ड्रामा फिल्म 'प्रताप' की रिलीज के लिए तैयार हैं। अभिनेत्री ने बताया कि उन्हें गर्व होता है, जब लोग उन्हें आइकॉनिक 'धूम गर्ल' वाली इमेज से याद करते हैं। ईशा देओल ने बातचीत में कहा, 'यह पहचान उनके करियर का एक यादगार हिस्सा है और आज भी फैंस के बीच काफी पसंद की जाती है।' उन्होंने कहा, 'मैंने इस पहचान को गर्व के साथ अपनाया है और यही मेरी पहचान है। जब भी लोग मुझे दिलबरा और धूम गर्ल कहकर बुलाते हैं, तो मुझे अच्छा लगता है, क्योंकि इस इमेज ने दर्शकों के सामने मुझे पहचान दी है, जो बहुत से एक्टर्स को नहीं मिल पाती है।' ईशा देओल ने अपनी मां हेमा मालिनी का उदाहरण देते हुए कहा, 'मेरी मां ने अपने लंबे करियर में बहुत-सी फिल्मों में काम किया है, लेकिन लोग आज भी उन्हें देखते ही कहते हैं, 'बसंती आई है।' मैं बहुत खुशकिस्मत हूं कि मुझे अपने करियर में 'दिलबरा' और 'धूम गर्ल' कहा जाता है और मुझे इससे बहुत प्यार है। कोई शिकायत नहीं है।'
बता दें कि अभिनेत्री ईशा देओल को 'धूम गर्ल' की इमेज साल 2004 में यशराज फिल्म्स की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'धूम' से मिली थी। फिल्म में ईशा ने 'शीना' का किरदार निभाया था। इसमें उनके आधुनिक, स्टाइलिश और बोल्ड लुक्स ने दर्शकों का ध्यान खींचा था। इस फिल्म के गाने 'दिलबरा' में ईशा के लुक (नियॉन ग्रीन क्रॉप टॉप और डेनिम मिनी-स्कर्ट वाला वेट गर्ल लुक) ने उन्हें रातों-रात चर्चा में ला दिया था। फिल्म रिलीज होने के बाद दर्शकों ने उन्हें 'धूम गर्ल' कहकर पुकारना शुरू कर दिया था, जो उनकी पहचान बन गई थी। अभिनेत्री की बात करें, तो वह फिल्म 'प्रताप' में 'पूनम' (पूनम रानाडे) का किरदार निभा रही हैं। फिल्म में अमित साध मुख्य किरदार 'प्रताप रानाडे' (एक एनकाउंटर स्पेशलिस्ट) की भूमिका निभा रहे हैं, और पूनम इस कहानी में एक अहम और मजबूत पक्ष हैं।

फिल्मों और वेब सीरीज के बदलते अंदाज पर दिव्या दत्ता ने रखी अपनी राय

अभिनेत्री दिव्या दत्ता ने खास बातचीत में ओटीटी प्लेटफॉर्म के कारण फिल्मों और वेब सीरीज में कहानियां कहने के बदलते अंदाज पर अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि अब ऐसी कहानियों पर ज्यादा ध्यान दिया जा रहा है, जिनसे दर्शक खुद को जोड़ सकें। खासकर महिलाओं के किरदारों में यह बदलाव साफ दिखाई देता है। पहले जहां अभिनेत्रियों को अक्सर सीमित उम्र तक ही मुख्य भूमिकाएं मिलती थीं, वहीं अब 40 साल की उम्र के बाद भी उन्हें कई मजबूत और अलग-अलग परतों वाले किरदार निभाने का मौका मिल रहा है। दिव्या ने कहा, ''ओटीटी के आने के बाद कहानी कहने पर काफी जोर दिया जाने लगा है। अब ऐसी वास्तविक कहानियां सुनाई जा रही हैं, जिनसे लोग खुद को जोड़ सकें। मुझे लगता है कि ओटीटी ने अलग-अलग उम्र की महिलाओं के लिए अच्छे किरदारों के रास्ते खोले हैं। अब 20, 30 या 40 साल से ज्यादा उम्र की महिलाओं के लिए भी ऐसे किरदार लिखे जा रहे हैं, जिनमें अभिनय करने की काफी गुंजाइश होती है। पहले यह सोचना भी मुश्किल था कि इस उम्र की महिलाओं को किसी कहानी में मुख्य भूमिका मिल सकती है लेकिन अब किरदारों में पहले के मुकाबले ज्यादा गहराई देखने को मिलती है।'' एक्ट्रेस ने कहा, ''ओटीटी ने इंसानी व्यवहार को ज्यादा वास्तविक तरीके से दिखाने का मौका दिया है। किसी मुश्किल परिस्थिति में हर इंसान की प्रतिक्रिया अलग हो सकती है। गुस्सा करना या गलती कर बैठना किसी व्यक्ति को पूरी तरह अच्छा या बुरा नहीं बना देता। हर इंसान के व्यक्तित्व में कई पहलू होते हैं और ओटीटी ने किरदारों में इन्हीं पहलुओं को जगह दी है और अच्छी लेखनी को बढ़ावा दिया है।'' ओटीटी की सबसे बड़ी खासियत यह है कि दर्शक अपनी सुविधा के अनुसार, अपनी पसंद के समय पर और अपनी जरूरत के हिसाब से कुछ भी देख सकते हैं। वे चाहें तो अकेले देख सकते हैं या परिवार के साथ बैठकर इसका आनंद ले सकते हैं। जब दर्शकों को इस तरह की स्वतंत्रता मिलती है, तो मनोरंजन की दुनिया में भी बदलाव आता है।''



फिल्मों में काम दिलाने पर सैफ को लेकर बोलीं सारा अली खान



अभिनेत्री सारा अली खान अपनी फिल्म 'उड़ता तीर' को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच उन्होंने अपने पारिवारिक बैकग्राउंड को लेकर चल रही चर्चाओं पर बात की है। उन्होंने साफ किया कि उनके पिता और अभिनेता सैफ अली खान ने कभी भी उनके फिल्म कॉन्ट्रैक्ट्स पर बातचीत नहीं की। उन्होंने एक मशहूर फिल्मी परिवार से आने के दोहरे पहलुओं पर चर्चा की।

पिता ने नहीं की सिफारिश

फिल्मफेयर से बातचीत में सारा ने कहा, 'मैं अपनी सिंगल मदर के साथ रहती हूं। मेरे पिता कभी किसी ऑफिस में जाकर मेरे कॉन्ट्रैक्ट्स पर बातचीत नहीं करते थे और न ही उन्होंने कभी किसी से मुझे अपनी फिल्मों में लेने की गुजारिश की। जब मुझे 'केदारनाथ' के समय कोई परेशानी हुई, तो मैंने उसे खुद ही सुलझाया। उस वक्त मेरे साथ कोई नहीं था। यह एक दोधारी तलवार की तरह है, क्योंकि इंडस्ट्री में मेरा कोई गॉडफादर नहीं रहा है।'

पारिवारिक पृष्ठभूमि का मिला फायदा

सारा ने माना कि अपने परिवार की वजह से उन्हें कुछ खास फायदे जरूर मिले हैं। उन्होंने कहा कि वह इतनी नासमझ या भ्रम में नहीं हैं कि उन मौकों को न देख सकें जो उनके पारिवारिक बैकग्राउंड की वजह से उन्हें शुरुआत में मिल गए थे। हालांकि, उनका यह भी मानना है कि लगातार होने वाली जांच-परख की वजह से उन पर उम्मीदों का बोझ डाल दिया जाता है।

नेपोटिज्म पर क्या बोलीं सारा

सारा ने इस बात पर जोर दिया कि 'नेपोटिज्म' (भाई-भतीजावाद) शब्द को पूरी तरह से नकारात्मक बना दिया गया है। उन्होंने तर्क दिया कि यह उन स्टार किड्स जैसे कि खुद सारा, जाह्नवी कपूर और अनन्या पांडे की कड़ी मेहनत को कम करके आंकता है, जबकि अपने माता-पिता को चुनने में इन कलाकारों का कोई हाथ नहीं था।

इंडस्ट्री में टिके रहने पर बोलीं सारा

सारा ने यह तो माना कि उन्हें और उनके साथियों को ऐसे शानदार डेब्यू मिले, जिनके लिए कई नए कलाकार तरसते हैं, लेकिन उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर खुद को साबित करने का बोझ हमेशा उन्हीं के कंधों पर क्यों रहता है? हिंदी सिनेमा में अपने आठ साल के सफर के बाद, उनका कहना है कि अब उन्हें बार-बार यह साबित करने की जरूरत नहीं पड़नी चाहिए कि वह इंडस्ट्री में अपनी जगह की हकदार हैं। सारा ने कहा कि भले ही शुरुआत में मिलने वाले फायदे से इनकार नहीं किया जा सकता, लेकिन लंबे समय तक टिके रहने के लिए अपनी जिम्मेदारी खुद लेना और स्वतंत्र होना बहुत जरूरी है।

सारा अली खान का वर्क फ्रंट

सारा हाल ही में निर्देशक आकाश ए. कौशिक की फिल्म 'उड़ता तीर' में नजर आई। फिल्म में आयुष्मान खुराना, राहुल बोस, राम कपूर, गुलशन ग्रोवर, रघुबीर यादव, बृजेंद्र काला, संदीप आनंद और अन्य कलाकार भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस ठीक-ठाक प्रदर्शन कर रही है। इस फिल्म छह दिनों में बॉक्स ऑफिस पर 26.87 करोड़ रुपये कमाए हैं।



mahangarmetro.com
महानगर मेट्रो
अहमदाबाद, (मंगलवार)
03 नवंबर 2026

दिग्विजय सिंह का दावा- राहुल गांधी 'इंडिया' गठबंधन के निर्विवाद नेता, भाजपा पर संवैधानिक संस्थाओं में हस्तक्षेप के लगाए आरोप

देवास टीआई हत्याकांड और अवैध शराब के कारोबार को लेकर राज्य सरकार से पूछे सवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुना। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह की 'सत्य सनातन यात्रा' सोमवार को 14वें दिन गुना जिले के गुंजारी गांव पहुंची। गांव में यात्रा का स्वागत किया गया। इस दौरान दिग्विजय सिंह ने केंद्र की भाजपा सरकार और मध्य प्रदेश की राज्य सरकार की नीतियों तथा कार्यशैली पर सवाल उठाए। उन्होंने विपक्षी गठबंधन के नेतृत्व को लेकर भी अपनी बात स्पष्ट करते हुए कहा कि राहुल गांधी 'इंडिया' गठबंधन के निर्विवाद नेता हैं और सभी सहयोगी दल उनके नेतृत्व में एकजुट होकर काम कर रहे हैं। दिग्विजय सिंह ने कहा कि उनके और राहुल गांधी के मुद्दे पूरी तरह समान हैं। फर्क केवल इतना है कि राहुल गांधी इन मुद्दों को राष्ट्रीय स्तर पर उठाते हैं, जबकि वे स्वयं इन्हें जमीनी और स्थानीय स्तर पर जनता के बीच लेकर जा रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि उनका एजेंडा और कांग्रेस कार्यसमिति का एजेंडा भी एक ही है। उनके अनुसार, संविधान, लोकतांत्रिक व्यवस्था और देश की संस्थाओं से जुड़े मुद्दों पर कांग्रेस लगातार आवाज उठा रही है।एक नवंबर को दिल्ली में आयोजित रैली का उल्लेख करते हुए दिग्विजय सिंह ने भाजपा पर संवैधानिक संस्थाओं में हस्तक्षेप करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि देश की संवैधानिक संस्थाओं पर भाजपा ने कब्जा कर लिया है और चुनाव आयोग जैसी संस्थाओं से पक्षपात करवाया जा रहा है। उन्होंने राम जन्मभूमि मंदिर ट्रस्ट में जिम्मेदारियां सौंपने और कथित वित्तीय अनियमितताओं को लेकर भी सवाल उठाए। दिग्विजय सिंह ने आरोप लगाया कि ट्रस्ट से जुड़े मामलों में हजारों करोड़ रुपये के घपले हुए हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस इन कथित भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के खिलाफ जमीन पर उतरकर लड़ाई लड़ रही है। उन्होंने यह भी कहा कि मंदिरों और मठों में किसी भी तरह की अनियमितता या लूट को



बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। देवास जिले के खातेगांव में अवैध शराब के कारोबार को रोकने गए थाना प्रभारी की हत्या के मामले पर भी दिग्विजय सिंह ने राज्य सरकार को घेरा। उन्होंने आरोप लगाया कि अवैध शराब का कारोबार प्रदेश में गंभीर समस्या बन चुका है। उनके अनुसार, सागर जिले के बंडा और देवास जैसे क्षेत्रों में अवैध तथा जहरीली शराब के कारण लोगों की जान जा रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब कोई पुलिस अधिकारी अवैध शराब के कारोबार के खिलाफ कार्रवाई करने जाता है और उस पर वाहन चढ़ाकर उसकी हत्या कर दी जाती है, तो ऐसे अपराधियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई क्यों नहीं होती। उन्होंने पूछा कि अवैध शराब माफिया के खिलाफ भी बुलडोजर कार्रवाई क्यों नहीं की जाती। अपनी यात्रा के मार्ग को लेकर दिग्विजय सिंह ने बताया कि इसकी योजना बनाते समय उन्होंने उज्जैन से अयोध्या तक का सीधा नक्शा तैयार किया था। उसी के आधार पर यात्रा का मार्ग निर्धारित किया गया है। उन्होंने कहा कि 'सत्य सनातन यात्रा' उसी तय रास्ते पर लगातार आगे बढ़ रही है और विभिन्न गांवों में लोगों से संवाद कर रही है। यात्रा के दौरान वे राजनीतिक और सामाजिक मुद्दों पर अपनी बात रख रहे हैं।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री ने राहुल गांधी पर भी साधा निशाना, दावा- देश में अतिवामपंथी विचारधारा वाली सरकार लाना

महानगर मेट्रो ब्यूर

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कांग्रेस पर संविधान और लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर करने की साजिश रचने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि देश में संविधान बदलने और लोकतांत्रिक संस्थाओं को खत्म करने की कोशिशें की जा रही हैं। ऐसी कोशिशों को रोकने के लिए भाजपा सड़क पर उतरकर संघर्ष कर रही है। फडणवीस ने कहा कि यह



लड़ाई किसी राजनीतिक दल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी या राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की नहीं, बल्कि देश के संविधान और लोकतंत्र को बचाने की है।फडणवीस ने अपने संबोधन में कहा कि जब तक उनके शरीर में खून का आखिरी कतरा बाकी है, तब तक देश में संविधान और लोकतांत्रिक व्यवस्था को बदलने नहीं दिया जाएगा। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि भारत में चंद्रमा और सूर्य के अस्तित्व तक संविधान कायम रहना चाहिए। उनके अनुसार, संविधान और लोकतंत्र की रक्षा केवल किसी एक राजनीतिक दल की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि सभी विचारधाराओं के लोगों को इसके लिए एकजुट होकर आगे आना चाहिए।मुख्यमंत्री ने कहा कि देश को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जरूरत है। उन्होंने संविधान और लोकतांत्रिक संस्थाओं की सुरक्षा को महत्वपूर्ण बताते हुए सभी वर्गों से इस मुद्दे पर साथ आने की अपील की। फडणवीस ने आरोप लगाया कि कांग्रेस देश में अतिवामपंथी विचारधारा वाली सरकार स्थापित करना चाहती है और राहुल गांधी इसी तरह की व्यवस्था खड़ी करने का प्रयास कर रहे हैं।

श्रीनगर में 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा में शामिल हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह

महानगर मेट्रो ब्यूरो

श्रीनगर। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पौड़ी गढ़वाल जिले के श्रीनगर में आयोजित 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा में मुख्य रूप से भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं और स्थानीय नागरिकों की बड़ी संख्या में मौजूदगी देखने को मिली। पदयात्रा के दौरान श्रीनगर की सड़कों पर कार्यकर्ताओं में उत्साह नजर आया। जगह-



जगह लोगों ने पुष्प वर्षा कर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का स्वागत और अभिनंदन किया। इस आयोजन के माध्यम से लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत बनाने, जनहित से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता देने और अराजकता के खिलाफ संदेश देने का प्रयास किया गया। पदयात्रा में शामिल कार्यकर्ताओं ने कार्यक्रम के उद्देश्य के समर्थन में भागीदारी निभाई। मुख्यमंत्री की मौजूदगी के चलते आयोजन को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं में विशेष उत्साह दिखाई दिया।कार्यक्रम के दौरान स्थानीय नागरिकों ने भी पदयात्रा में भाग लेकर स्वागत किया। सड़कों पर जगह-जगह हुए स्वागत और पुष्प वर्षा के बीच मुख्यमंत्री ने कार्यकर्ताओं तथा लोगों का अभिवादन स्वीकार किया। आयोजन को लेकर क्षेत्र में राजनीतिक गतिविधियां भी चर्चा का विषय बनी रहीं।

बीना में अमानक डीएपी खाद बेचने के आरोप में मामला दर्ज, जांच में गुणवत्ता मानकों पर खरी नहीं उतरी खाद

महानगर मेट्रो ब्यूरो।

बीना। मध्य प्रदेश के सागर जिले के बीना क्षेत्र के ग्राम पड़रिया में अमानक खाद बेचने का मामला सामने आया है। कृषि विभाग की ओर से की गई जांच में जब्त खाद गुणवत्ता मानकों पर खरी नहीं उतरी। इसके बाद सोमवार को बीना पुलिस ने आरोपी सुरेन्द्र सिंह उर्फ संजू ठाकुर के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया। आरोपी पर बिना लाइसेंस और आवश्यक दस्तावेजों के खाद का अवैध रूप से विक्रय करने का आरोप है। मामले के अनुसार, 14 अक्टूबर को कृषि एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने ग्राम पड़रिया में निरीक्षण किया था। इस दौरान सुरेन्द्र सिंह उर्फ संजू ठाकुर पुत्र मालक सिंह के निवास पर डीएपी खाद की 20 बोरियां मिली थीं। खाद की बोरियों पर इफको का नाम लिखा हुआ था। अधिकारियों ने खाद के भंडारण और बिक्री से संबंधित भूमि तथा खाद अन्य गांवों के किसानों को बेची जा रही थी। खाद की गुणवत्ता को लेकर संदेह होने पर कृषि विभाग ने उसके नमूने लेकर प्रयोगशाला में जांच के लिए भेजे थे। अब जांच रिपोर्ट में खाद के अमानक होने की पुष्टि हुई है। इसके बाद कृषि विभाग में पदस्थ उर्वरक निरीक्षक दीपेश पिता प्रकाश राव मोघे ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।पुलिस ने किसानों के साथ धोखाधड़ी करने, बिना आवश्यक अनुमति और लाइसेंस खाद बेचने तथा अमानक उर्वरक के विक्रय के मामले में उर्वरक (नियंत्रण) आदेश, 1985 की धारा 5, 7, 19 और 35 के तहत प्रकरण दर्ज किया है। मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

झुंझुनूं में करंट से 8 मजदूरों की मौत, 5 घायल; पीड़ित परिवार को 15 लाख और एक सदस्य को संविदा नौकरी

आश्वासन के बाद ग्रामीणों ने समाप्त किया धरना

महानगर मेट्रो ब्यूरो

झुंझुनूं। राजस्थान के झुंझुनूं जिले के उदयपुरवाटी क्षेत्र स्थित छापोली गांव में सोमवार सुबह सड़क निर्माण कार्य के दौरान बड़ा हादसा हो गया। कदम कुंड धार्मिक स्थल के पास निर्माण कार्य में लगी सीमेंट मिक्सर मशीन 11 हजार वोल्ट की विद्युत लाइन की चपेट में आ गई। इस दौरान करंट लगने से 8 मजदूरों की मौत हो गई, जबकि 5 अन्य मजदूर झुलसकर घायल हो गए। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। घायलों को उपचार के लिए उदयपुरवाटी स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया।घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। हादसे में मजदूरों की मौत से नाराज ग्रामीणों और परिजनों ने पीड़ित परिवारों को मुआवजा देने तथा परिवार के सदस्यों को नौकरी देने की मांग को लेकर धरना शुरू कर दिया। दिनभर चले घटनाक्रम के बाद शाम करीब 5 बजे सरकार की ओर से आर्थिक सहायता और संविदा पर नौकरी देने का आश्वासन मिलने पर ग्रामीणों ने धरना समाप्त कर दिया। हादसे की सूचना मिलने पर नगरीय निकाय मंत्री झाबर सिंह खर्रा अस्पताल पहुंचे। उन्होंने वहां भर्ती घायल मजदूरों से मुलाकात कर उनकी कुशलक्षेम जानी और उपचार की जानकारी ली। इसके बाद मंत्री घटनास्थल पर पहुंचे और हादसे में जान गंवाने वाले मजदूरों के परिजनों तथा ग्रामीणों से बातचीत की। उन्होंने पीड़ित परिवारों को ढांढस बंधाते हुए राज्य सरकार की ओर से हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने का भरोसा दिया।मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने बताया कि मृतकों के प्रत्येक परिवार को केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं के तहत कुल 15 लाख रुपये की आर्थिक सहायता उपलब्ध करवाई जाएगी। इसके साथ ही प्रत्येक पीड़ित परिवार के एक सदस्य को स्वायत्त शासन विभाग में संविदा के आधार पर नौकरी दी जाएगी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि पात्रता के अनुसार परिवारों को अन्य विभागीय योजनाओं का लाभ भी उपलब्ध कराया जाए,



मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने आर्थिक रूप से सक्षम और आयकरदाताओं से 125 यूनिट मुफ्त बिजली योजना की सब्सिडी स्वेच्छा से छोड़ने का किया है आग्रह,

बिहार में मुफ्त बिजली सब्सिडी छोड़ने के समर्थन में आए चिराग पासवान, बोले- राज्य के विकास के लिए बढ़ाने होंगे आमदनी के स्रोत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पटना। बिहार में 125 यूनिट मुफ्त बिजली योजना को लेकर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की अपील का केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की इस पहल को सकारात्मक दृष्टिकोण से देखा जाना चाहिए। यदि बिहार को विकास के रास्ते पर आगे बढ़ाना है, तो राज्य की आमदनी के स्रोत बढ़ाने होंगे। इसके लिए सरकार की ओर से किए जा रहे प्रयासों में आम लोगों को भी अपनी क्षमता के अनुसार सहयोग करना चाहिए। चिराग पासवान ने कहा कि मुफ्त बिजली की सब्सिडी छोड़ने की अपील का संबंध पैसों की कमी से नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य राज्य के राजस्व में वृद्धि करना और उस धनराशि का उपयोग बिहार के विकास कार्यों में करना है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का सपना तभी पूरा हो सकता है, जब देश के सभी राज्य भी विकास की दिशा में आगे बढ़ें। बिहार का विकास भी इसी लक्ष्य का महत्वपूर्ण हिस्सा है।उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की यह अपील केवल आर्थिक रूप से सक्षम और आयकर देने वाले लोगों के सामने रखी गई है। यह किसी प्रकार का अनिवार्य निर्णय नहीं है। जो लोग अपनी बिजली का खर्च स्वयं वहन करने में सक्षम हैं और स्वेच्छा से सब्सिडी छोड़ने के लिए आगे आते



हैं, वे राज्य के विकास में योगदान दे सकते हैं। चिराग पासवान ने ऐसे लोगों को बधाई और शुभकामनाएं भी दीं, जो इस पहल में सहयोग करेंगे। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि बिहार सरकार राजस्व बढ़ाने के लिए कई स्तरों पर प्रयास कर रही है। इनमें खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना और इलेक्ट्रॉनिक नगरी विकसित करने जैसी योजनाएं शामिल हैं। सरकार का उद्देश्य नए उद्योगों को बढ़ावा देना, आर्थिक गतिविधियों का विस्तार करना और राज्य की आय के स्रोत मजबूत करना है, ताकि विकास योजनाओं के लिए अधिक संसाधन उपलब्ध हो सकें। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने हाल ही में आर्थिक रूप से सक्षम और आयकरदाताओं से 125 यूनिट मुफ्त बिजली योजना के तहत मिलने वाली सब्सिडी स्वेच्छा से छोड़ने का आग्रह किया था। मुख्यमंत्री का कहना है कि जो उपभोक्ता बिजली का पूरा खर्च उठाने की स्थिति में हैं, वे इस सुविधा का लाभ छोड़कर राज्य के विकास में अपना योगदान दे सकते हैं। सरकार ने स्पष्ट किया है कि यह केवल एक अपील है और किसी भी उपभोक्ता पर सब्सिडी छोड़ने का दबाव नहीं बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री के अनुसार, बिहार में करीब 1 करोड़ 92 लाख बिजली उपभोक्ता इस योजना का लाभ उठा रहे हैं। सरकार इस योजना पर हर साल लगभग 23 हजार करोड़ रुपये खर्च कर रही है। उन्होंने दावा किया कि बिहार देश में मुफ्त बिजली योजना पर सबसे अधिक खर्च करने वाला राज्य है। उत्तर प्रदेश का उदाहरण देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा था कि वहां की आबादी बिहार से लगभग दोगुनी है, लेकिन बिजली सब्सिडी पर करीब 6 हजार करोड़ रुपये खर्च किए जाते हैं। ऐसे में बिहार सरकार चाहती है कि आर्थिक रूप से सक्षम उपभोक्ता स्वेच्छा से सब्सिडी छोड़ें, जिससे बचने वाले संसाधनों का उपयोग राज्य के विकास और अन्य जनकल्याणकारी कार्यों में किया जा सके।सरकार की ओर से यह भी साफ किया गया है कि सब्सिडी छोड़ने की अपील का मतलब 125 यूनिट मुफ्त बिजली योजना को बंद करना नहीं है। योजना का लाभ पहले की तरह पात्र उपभोक्ताओं को मिलता रहेगा।

दिलजीत दोसांझ के इंदौर कार्यक्रम से पहले बम धमाके की धमकी, तीन स्कूलों और महापौर कार्यालय को भेजे ईमेल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

इंदौर। मध्य प्रदेश के इंदौर में 15 नवंबर को पंजाबी गायक दिलजीत दोसांझ के प्रस्तावित कार्यक्रम से पहले बम धमाके की धमकी मिलने से पुलिस और प्रशासन में हलचल मच गई। शहर के तीन स्कूलों और महापौर कार्यालय को ईमेल भेजकर कार्यक्रम को निशाना बनाने की धमकी दी गई है। ईमेल सामने आने के बाद सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। धमकी भरे संदेशों में विशेष रूप से बच्चों को कार्यक्रम से दूर रखने की चेतावनी दी गई है।मामले की जानकारी देते हुए अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त राजेश दंडोतिया



ने बताया कि धमकी की सूचना मिलते ही पुलिस ने तत्काल कार्रवाई शुरू कर दी। बम निरोधक दस्ते की अलग-अलग टीमों को संबंधित स्कूलों में भेजा गया, जहां सघन तलाशी अभियान चलाया गया। महापौर सचिवालय को प्राप्त ईमेल को भी गंभीरता से लेते हुए जांच के दायरे में लिया गया है। अपराध शाखा की टीम ईमेल से जुड़े तकनीकी साक्ष्यों की जांच कर रही है, ताकि संदेश भेजने वाले व्यक्ति या समूह तक पहुंचा जा सके।पुलिस अधिकारी के अनुसार, सभी धमकी भरे ईमेल पंजाबी भाषा में लिखे गए थे। इनमें बच्चों को दिलजीत दोसांझ के कार्यक्रम में नहीं भेजने की चेतावनी दी गई थी। संदेशों में कार्यक्रम के दौरान बम धमाके किए जाने की बात कही गई थी। इस तरह की धमकी मिलने के बाद पुलिस ने संबंधित स्थानों की सुरक्षा व्यवस्था और जांच प्रक्रिया तेज कर दी है।प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, ईमेल कथित तौर पर खालिस्तानी नेशनल आर्मी के नाम से भेजे गए हैं। इनमें रुखन शाहवाला, इंजीनियर गुरानाख सिंह, डॉ. गुरनिरवेर सिंह और बब्बर खालसा (परमार-कनाड़) से जुड़े प्रोफेसर गुरकाल सिंह पीएचडी जैसे नाम दर्ज बताए गए हैं।

खेती में फसलों की विविधता बढ़ाने और जल संरक्षण पर सरकार का जोर, जलवायु अनुकूल बीज किसानों तक पहुंचाए जाएंगे: निर्मला सीतारमण

मुंबई में कार्यक्रम के दौरान वित्त मंत्री ने सूक्ष्म सिंचाई और कम पानी में अधिक उत्पादन हासिल करने की योजनाओं की जानकारी दी, हरियाणा में धान की जगह जौ और मक्का की खेती को बताया बदलाव का उदाहरण

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि सरकार खेती को बदलते मौसम के अनुकूल बनाने, फसलों की विविधता बढ़ाने और पानी का बेहतर उपयोग सुनिश्चित करने के लिए कई स्तरों पर काम कर रही है। जलवायु परिवर्तन के बढ़ते प्रभाव और देश में धान तथा गेहूं के बड़े भंडार को देखते हुए खेती के तौर-तरीकों में बदलाव की जरूरत है। सरकार का प्रयास है कि किसान ऐसी फसलों की खेती की ओर भी बढ़ें, जिनमें पानी और ऊर्जा की खपत कम हो तथा बदलते मौसम के बीच उत्पादन को बनाए रखा जा सके।मुंबई में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान वित्त मंत्री ने बताया कि सरकार की ओर से जलवायु के अनुकूल बीज विकसित किए गए हैं। इन बीजों को किसानों तक पहुंचाने की प्रक्रिया पर काम किया जा रहा है। सभी फसलों की विभिन्न किस्मों के ऐसे बीज किसानों को उपलब्ध कराए जाएंगे, ताकि वे मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों का बेहतर ढंग से सामना कर सकें। किसानों को इन बीजों के इस्तेमाल से होने वाले लाभों की जानकारी भी दी जाएगी। इसके लिए कृषि विज्ञान केंद्रों की मदद ली जाएगी, जहां किसानों को नई किस्मों और उनकी उपयोगिता के बारे में समझाया जाएगा।सीतारमण



ने सूक्ष्म सिंचाई को बढ़ावा देने वाली 'हर बूंद पर अधिक फसल' योजना का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इस पहल का उद्देश्य खेतों में पानी का कुशल उपयोग बढ़ाना और कम पानी में अधिक उत्पादन हासिल करना है। यह योजना किसानों के लिए अभियान के रूप में शुरू की गई थी। वर्ष 2022-23 से इसे प्रधानमंत्री राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत संचालित किया जा रहा है। इसके माध्यम से सिंचाई में पानी की बर्बादी कम करने और कृषि उत्पादकता बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। वित्त मंत्री ने कहा कि फसलों में विविधता लाने के प्रयास केवल केंद्र सरकार तक सीमित नहीं हैं, बल्कि कई राज्य भी अपने स्तर पर पहल कर रहे हैं। उन्होंने हरियाणा का उदाहरण देते हुए बताया कि वहां कुछ किसान धान की खेती से हटकर जौ और मक्का जैसी फसलों की ओर बढ़ रहे हैं। इस तरह के बदलाव से पानी की खपत कम करने और खेती को जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के प्रति अधिक सक्षम बनाने में मदद मिल सकती है। कार्यक्रम में निर्मला सीतारमण ने गरीबी में कमी को लेकर विश्व बैंक की रिपोर्ट का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारत में करीब 50 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले हैं। उनके अनुसार, इसके पीछे लगातार अपनाई गई नीतियों और आम लोगों तक बुनियादी सुविधाएं पहुंचाने के प्रयासों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने राशन, आवास, पेयजल और बिजली जैसी सुविधाओं को इस बदलाव का आधार बताते हुए इसे देश की बड़ी उपलब्धि बताया।

दिल्ली हाईकोर्ट से जेएनयू के प्रोफेसर और कांग्रेस सांसद बिमोल अकोइजम को राहत, बर्खास्तगी के आदेश पर लगाई अंतरिम रोक

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) के प्रोफेसर और मणिपुर से कांग्रेस सांसद डॉ. अंगोमचा बिमोल अकोइजम को बड़ी राहत दी है। अदालत ने विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से उन्हें सेवा से बर्खास्त करने के आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी है। इस आदेश के बाद



फिलहाल उनकी बर्खास्तगी का फैसला प्रभावी नहीं रहेगा।डॉ. बिमोल अकोइजम के खिलाफ इस साल मई में 11 छात्राओं ने शिकायत दर्ज कराई थी। छात्राओं ने उन पर यौन उत्पीड़न की कोशिश करने और कक्षा के दौरान अशोभनीय टिप्पणियां करने जैसे गंभीर आरोप लगाए थे। शिकायतों के सामने आने के बाद जेएनयू प्रशासन ने मामले को लेकर कार्रवाई की और उन्हें विश्वविद्यालय की सेवा से बर्खास्त कर दिया था।वहीं, बिमोल अकोइजम शुरुआत से ही अपने खिलाफ लगाए गए आरोपों को खारिज करते रहे हैं। उनका पक्ष रहा है कि उन पर लगाए गए आरोप सही नहीं हैं। विश्वविद्यालय की ओर से बर्खास्तगी का आदेश जारी किए जाने के बाद मामला अदालत पहुंचा, जहां अब दिल्ली हाईकोर्ट ने इस फैसले पर अंतरिम रोक लगा दी है।हाईकोर्ट के इस आदेश से विश्वविद्यालय प्रशासन के बर्खास्तगी संबंधी फैसले पर फिलहाल रोक लग गई है। हालांकि, यह अंतरिम राहत है और इसे मामले का अंतिम फैसला नहीं माना जा सकता। छात्राओं की ओर से लगाए गए आरोपों और प्रोफेसर के पक्ष से जुड़े मामले में आगे की न्यायिक प्रक्रिया के बाद ही अंतिम स्थिति स्पष्ट होगी।हाईकोर्ट के इस आदेश से विश्वविद्यालय प्रशासन के बर्खास्तगी संबंधी फैसले पर फिलहाल रोक लग गई है। हालांकि, यह अंतरिम राहत है और इसे मामले का अंतिम फैसला नहीं माना जा सकता। छात्राओं की ओर से लगाए गए आरोपों और प्रोफेसर के पक्ष से अंतिम स्थिति स्पष्ट होगी।

नितिन नवीन का राहुल गांधी पर निशाना, बोले- अपनी गलतियों से नहीं सीखे तो देश में कांग्रेस का नाम लेने वाला भी नहीं बचेगा

कोलकाता में 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा के दौरान भाजपा अध्यक्ष ने कांग्रेस पर लगाए विदेशी ताकतों पर काम करने के आरोप,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कोलकाता। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में आयोजित 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा के दौरान कांग्रेस और राहुल गांधी पर तीखा राजनीतिक हमला बोला। उन्होंने राहुल गांधी को अपनी गलतियों से सीखने की नसीहत देते हुए कहा कि यदि उन्होंने ऐसा नहीं किया तो आने वाले समय में देश में कांग्रेस का नाम लेने वाला भी कोई नहीं बचेगा। नितिन नवीन ने आरोप लगाया कि कांग्रेस अपनी राजनीतिक गलतियों से सबक लेने के बजाय लगातार ऐसी गतिविधियों में शामिल हो रही है, जिनसे पार्टी की स्थिति कमजोर हो रही है। पदयात्रा के दौरान भाजपा अध्यक्ष ने पश्चिम बंगाल की राजनीतिक स्थिति का जिक्र करते हुए कहा कि उन्हें कोलकाता में कहीं भी अराजकता दिखाई नहीं दी। उन्होंने दावा किया कि 4 मई को ही पश्चिम बंगाल की जनता ने अराजकता को समाप्त कर दिया था और ममता बनर्जी को सत्ता से बाहर कर दिया था। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल अब भाजपा के रंग में रंग चुका है। उनका यह बयान राज्य में हुए राजनीतिक बदलाव और भाजपा के प्रदर्शन को लेकर दिया गया।नितिन नवीन ने राहुल गांधी पर विदेशी ताकतों के एजेंडे के अनुसार काम करने का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी अपनी गलतियों से सीखने के बजाय विदेशी ताकतों के औजार की तरह काम कर रहे हैं। अपने आरोपों के समर्थन में उन्होंने बांग्लादेश और नेपाल की राजनीतिक परिस्थितियों का उल्लेख किया। भाजपा अध्यक्ष ने दावा किया कि जब बांग्लादेश में अशांति की



स्थिति बनी, तब राहुल गांधी ने कथित तौर पर अशांति फैलाने वाले तत्वों के प्रति सहानुभूति दिखाई। उन्होंने नेपाल का उदाहरण देते हुए भी कांग्रेस और राहुल गांधी के रुख पर सवाल उठाए। हालांकि, ये आरोप नितिन नवीन की राजनीतिक टिप्पणियां हैं।इससे पहले हैदराबाद में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी विशेष गहन मतदाता सूची पुनरीक्षण को लेकर कांग्रेस के आरोपों पर जवाब दिया था। उन्होंने विपक्ष के उस दावे पर सवाल उठाया था, जिसमें भाजपा की चुनावी जीत का श्रेय विशेष गहन पुनरीक्षण को दिया जा रहा है। अमित शाह ने राहुल गांधी से पूछा था कि क्या नरेंद्र मोदी वर्ष 2014 में इसी प्रक्रिया के कारण प्रधानमंत्री बने थे? क्या उस समय विशेष गहन पुनरीक्षण हुआ था? उन्होंने वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव का भी उल्लेख करते हुए कहा कि उस समय भी ऐसी प्रक्रिया नहीं हुई थी, इसके बावजूद नरेंद्र मोदी दोबारा प्रधानमंत्री बने। अमित शाह ने कहा था कि भाजपा को चुनावों में जीत विशेष गहन पुनरीक्षण के कारण नहीं, बल्कि देश की जनता के वोटों के आधार पर मिली है। इस तरह भाजपा के शीर्ष नेताओं ने अलग-अलग मंचों से कांग्रेस और राहुल गांधी के आरोपों पर जवाब देते हुए विपक्ष की राजनीतिक रणनीति पर सवाल उठाए हैं।

printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabd - 380009.
and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.